50 वर्षों से आपकी सेवा में
पंजाब स्टेट लॉटरीज़
सरकारी लॉटरी बिक्री केन्द्र
STOCKIST GOVT. LOTTERY
होलसेल व रिटेल विक्रेता
ज़ीरकपुर की सबसे पुरानी लॉटरी एजेंसी
अंशु लॉटरी एजेंसी मो. 99150-83333

दैनिक
अर्थ प्रकाश
खबरों की विश्वसनीयता, हमारी पहचान
पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • चंडीगढ़ • दिल्ली • उत्तराखंड • बिहार • उत्तरप्रदेश • राजस्थान • छत्तीसगढ़ से प्रसारित

50 वर्षों से आपकी सेवा में
पंजाब स्टेट लॉटरीज़
सरकारी लॉटरी बिक्री केन्द्र
STOCKIST GOVT. LOTTERY
होलसेल व रिटेल विक्रेता
ज़ीरकपुर की सबसे पुरानी लॉटरी एजेंसी
अंशु लॉटरी एजेंसी मो. 99150-83333

वर्ष 40 | चंडीगढ़, बुधवार, 15 जनवरी, 2025 | माघ कृष्ण पक्ष: द्वितीया विक्रमी संवत-2081 | www.arthparkash.com | YouTube/Arth Parkash TV | अंक: 15 | मूल्य 2.00 रुपये | पृष्ठ : 12

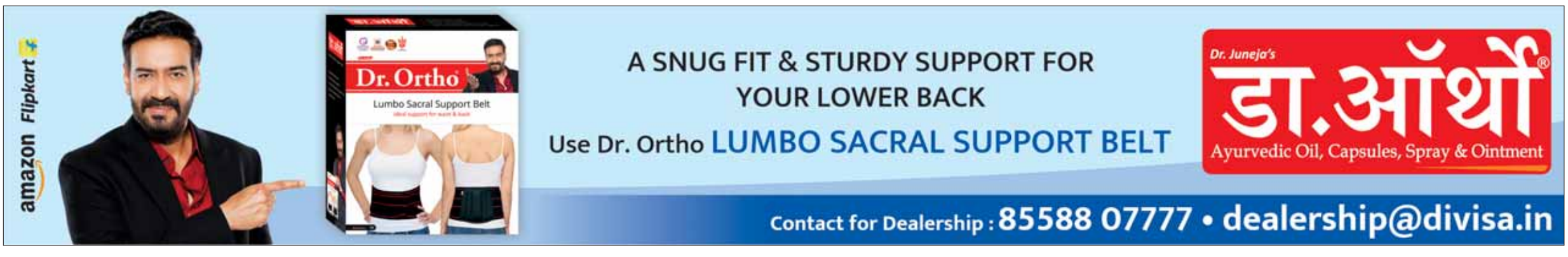

ISO Co. शक्तिशाली कीटाणुनाशक
जेट फिनाईल
94162-80792

न्यूज ब्रीफ

स्कूलों में धमकी देने वाले छात्र पर आप व भाजपा की राजनीति

नई दिल्ली (अप्रस)। दिल्ली के 400 स्कूलों में बम की फर्जी धमकी देने वाले के बारे में नई जानकारी सामने आई है। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को बताया कि आरोपी 12वीं का स्टूडेंट है। उसकी फैमिली एक एनजीओ के संपर्क में थी, जो अफजल गुरु की फांसी का विरोध कर रहा था। पुलिस ने बताया कि हमारी टीमों ने 8 जनवरी को आए ई-मेल के बाद नाबालिग को ट्रैक किया। ई-मेल भेजने वाला नाबालिग था, इसलिए टीम ने फोरेंसिक जांच के लिए उसका लैपटॉप और मोबाइल फोन अपने कब्जे में ले लिया। हालांकि नाबालिग को हिरासत में नहीं लिया गया है। दरअसल, दिल्ली में 2024 में मई से लेकर दिसंबर तक 50 बार बम की धमकियां भेजी गईं। इसमें सिर्फ स्कूल ही नहीं अस्पताल, एयरपोर्ट और एयरलाइन कंपनियां भी शामिल हैं। इस महीने 4 बार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी जा चुकी है।

तीसरी आंख

महाकुंभ 2025

मकर संक्रांति पर 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब

अखाड़ों का भव्य अमृत स्नान

सनातनी श्रद्धालु अखाड़ों के अमृत स्नान को देखने और नागा, बैरागी साधु-संतों का आशीर्वाद पाने के लिए कतारबद्ध खड़े रहे

अर्थ प्रकाश /विजय कुमार निगम

महाकुंभ नगर, 14 जनवरी। तीर्थराज, प्रयागराज में सनातन आस्था के महापर्व, महाकुंभ के अवसर पर मंगलवार को मकर संक्रांति का अमृत स्नान संपन्न हुआ। अमृत स्नान के दौरान संगम तट पर 3.50 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। पौराणिक मान्यता के अनुसार महाकुंभ में मकर संक्रांति के स्नान को अमृत स्नान माना जाता है। आज भगवान सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने की तिथि पर परंपरा अनुसार साधु-सन्यासियों के अखाड़ों ने पूरे विधि-विधान से शोभा यात्रा निकालते हुए अमृत स्नान किया। सनातन परंपरा में आस्था रखने वाले श्रद्धालु अखाड़ों के अमृत स्नान को देखने और नागा, बैरागी साधु-संतों का आशीर्वाद पाने के लिए कतारबद्ध खड़े थे। हाथों में माले, भाले, तीर, तलवार, त्रिशूल लिए नागा साधुओं ने ब्रह्ममुहूर्त में ही संगम में अमृत स्नान किया। सहस्त्राब्दियों से चले आ रहे महाकुंभ में अमृत स्नान की अक्षुण्ण सनातन परंपरा को जीवंत होता देख आम जनमानस भाव विह्वल हो उठा। हिमालय की कंदराओं, मठों, मंदिरों में रहने वाले धर्म रक्षक नागा अपना रूप श्रृंगार कर मां गंगा की गोद में अठखेलियां करने उतर पड़े। परंपरा अनुसार आधी रात की बेला से ही अखाड़ों में अमृत स्नान की तैयारियां शुरू हो गई थी। अखाड़े परंपरा और अपने क्रम के अनुसार पूरे लाव-लश्कर के साथ संगम की ओर बढ़ते जा रहे थे।

भक्ति और अध्यात्म का अद्भुत संगम है महाकुंभ
-पीएम मोदी

साधु-सन्यासियों के अखाड़ों ने शोभा यात्रा निकालते हुए किया अमृत स्नान

माले, भाले, तीर, तलवार, त्रिशूल लिए आए नागा साधु

धर्म ध्वजा लेकर चल रहे थे साधु अखाड़े

महाकुंभ में पहले अमृत स्नान के दिन सभी अखाड़ों के साधु, संत सबसे आगे अपने-अपने अखाड़ों की धर्म ध्वजा लेकर चल रहे थे। धर्म ध्वजा के पीछे अखाड़ों के नागा संन्यासी इष्ट देव के जयकारे लगाते हुए, इष्ट देव के विग्रह लेकर बाजे-गाजे, ढोल, नगाड़े बजाते हुए त्रिवेणी संगम की ओर बढ़ रहे थे। उनके पीछे-पीछे अस्त्र, शस्त्रों का प्रदर्शन करते हुए नागा सन्यासी, आम जन को दुर्लभ दर्शन और आशीर्वाद दे रहे थे। उनके पीछे क्रम से अखाड़ों के आचार्य, मण्डलेश्वर, महामण्डलेश्वर और आचार्य महामण्डलेश्वरों के रथ सज-धज कर चल रहे थे। अखाड़ों के आचार्यों और मण्डलेश्वर के साथ उनके अनुयायी अपने गुरुओं की जयकार करते हुए चल रहे थे। होल्डिंग एरिया से नागा सन्यासियों ने अपने आचार्यों का अनुसरण करते हुए पूरे जोश और उत्साह के साथ मां गंगा की गोद में अमृत स्नान की डुबकी लगाई। इसके साथ ही करोड़ों की संख्या में सनातन धर्मावलंबियों ने भी आस्था का अमृत स्नान किया।

अमृत स्नान की शुरुआत

अमृत स्नान की शुरूआत महानिर्वाणी अखाड़े के स्नान के साथ हुई। इसके बाद पूर्वनियोजित कार्यक्रम के अनुसार निरंजनी अखाड़ा, पंचदशनाम जूना अखाड़े के साथ आवाह्न और पंच अग्नि अखाड़े के नागा साधुओं ने स्नान किया। इनके बाद क्रमशः श्री पंच निर्मोही, पंच दिगंबर अनि और श्री पंच निर्वाणी अनि के बैरागी अखाड़ों ने अमृत स्नान किया। अमृत स्नान में अंतिम क्रम उदासीन अखाड़ा और निर्मल अखाड़े के साधु-सन्यासियों के स्नान का था।

(शेष पेज दो पर)

मुख्यमंत्री खुद दे रहे हैं सोशल मीडिया पर जानकारी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी खुद जानकारी दी। सीएम योगी ने बताया कि प्रथम अमृत स्नान पर्व पर मंगलवार को 3.50 करोड़ से अधिक पूज्य संतों, श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में स्नान का पुण्य लाभ अर्जित किया। इससे पहले महाकुंभ के पहले दिन अमृत स्नान पर 1.50 करोड़ से ज्यादा लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि आस्था, समता और एकता के महासमागम महाकुंभ-2025 प्रयागराज में पावन मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर पवित्र संगम में आस्था की पवित्र डुबकी लगाने वाले सभी पूज्य संतगणों, कल्पवासियों व श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन। प्रथम अमृत स्नान पर्व पर आज 3.50 करोड़ से अधिक पूज्य संतों एवं श्रद्धालुओं ने अविरल-निर्मल त्रिवेणी में स्नान का पुण्य लाभ अर्जित किया।

मैंने सुकून की तलाश में यह जीवन चुना

महाकुंभ में प्रवेश के दौरान जब उनसे पत्रकारों ने साध्वी से बनने के निर्णय पर सवाल किया। इस पर हर्षा ने जवाब दिया कि मैंने सुकून की तलाश में यह जीवन चुना है। मैंने वह सब छोड़ दिया जो मुझे आकर्षित करता था। मैं सबकुछ छोड़कर ही संन्यास की राह में आई हूं। उन्होंने बताया कि वह उत्तराखंड से हैं और दो साल पहले संन्यास लिया था। **साध्वी हर्षा रिछारिया**

किसान आंदोलन में बड़ा ऐलान, 111 किसान शुरू करेंगे आमरण अनशन

डल्लेवाल के लिए जान कुर्बान करने को तैयार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पटियाला। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन में बड़ा एलान किया गया है। फसलों की एमएसपी की कानूनी गारंटी के लिए आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के मरणव्रत को मंगलवार को पूरे 50 दिन हो चुके हैं। ऐसे में डल्लेवाल के समर्थन में 111 किसान भी आमरण अनशन शुरू करेंगे।

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का आमरण अनशन मंगलवार को 50वें दिन भी जारी रहा। डॉक्टरों ने मेडिकल बुलेटिन जारी करते हुए कहा कि पिछले 48 घंटे से डल्लेवाल को पानी पीने में दिक्कत आ रही है। जितना पानी वो पीते हैं, वो उल्टियों के तौर पर बाहर आ जाता है। उनके शरीर के अंग अंदर से काम करना बंद कर रहे हैं। इसलिए उनका शरीर पानी भी स्वीकार नहीं कर रहा है। डॉक्टरों ने बताया कि उनका शरीर मल्टीपल ऑर्गन फेलियर की तरफ बढ़ रहा है, जो बेहद चिंताजनक स्थिति है।

इसी बीच मंगलवार को किसान नेताओं अभिमन्यु कोहाड़, काका सिंह कोटड़ा आदि ने बड़ा एलान करते कहा कि डल्लेवाल के समर्थन में बुधवार को दोपहर 2 बजे 111 किसानों का जत्था काले चोगे पहनकर खनौरी बॉर्डर पर पुलिस की बैरिकेडिंग के पास शांतिपूर्ण ढंग से बैठकर आमरण अनशन शुरू करेगा।

भाजपा नेता लोगों को कर रहे गुमराह

किसान नेताओं ने बताया कि डल्लेवाल की बिगड़ती सेहत के बावजूद केंद्र की ओर से बातचीत न करने से किसान काफी रोष में हैं। डल्लेवाल की कुर्बानी से पहले वह अपने जानें कुर्बान कर देंगे। किसान नेताओं ने कहा कि एमएसपी गारंटी कानून के मुद्दे पर आंदोलनकारी किसानों के साथ सार्थक चर्चा करने की बजाय कुछ भाजपा नेता लोगों को एमएसपी के मुद्दे पर गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। हरियाणा के कैथल जिले से किसानों का बड़ा जत्था डल्लेवाल के समर्थन में दाता सिंह वाला-खनौरी किसान मोर्चे पर पहुंचा। इन किसानों ने एलान किया कि वे डल्लेवाल के रास्ते पर चल रहे हैं और उनके लिए अपनी जान की कुर्बानी देने के लिए तैयार हैं। वहीं, बजरंग दास गर्ग के नेतृत्व में हरियाणा व्यापार मंडल की पूरी कार्यकारिणी जगजीत सिंह डल्लेवाल का समर्थन करने के लिए किसान मोर्चे पर पहुंची।

कांग्रेस की चौथी लिस्ट में 6 महिलाएं, 2 एससी समेत 16 नाम घोषित

एक प्रत्याशी का बदला

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार रात कांग्रेस ने 16 कैंडिडेट की चौथी लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में 4 महिलाओं और 2 एससी कैंडिडेट के नाम हैं। अब तक पार्टी 63 नामों का ऐलान कर चुकी है। अब 7 सीटों पर कैंडिडेट का ऐलान बाकी है। गोकलपुर सीट से प्रत्याशी बदला गया है। पहले यहां से प्रमोद कुमार जयंत को टिकट दी गई थी। उनकी जगह पार्टी ने ईश्वर बागरी को प्रत्याशी बनाया है। मुंडका सीट से आम आदमी पार्टी से आए पूर्व विधायक धरम पाल लाकड़ा को टिकट दी गई है।

कांग्रेस पार्टी ने अपनी नई लिस्ट में एक और पूर्व सांसद पर भरोसा जताया है। कांग्रेस की पूर्व सांसद कृष्णा तीरथ को पटेल नगर सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। इस चुनावी रण में वह दावेदारी करेंगी। वहीं, एक सीट पर उम्मीदवार बदला गया है। गोकलपुर सीट से अब ईश्वर बागड़ी को टिकट दिया गया है। पहले प्रमोद कुमार जयंत का नाम घोषित किया गया था, लेकिन अब ईश्वर बागड़ी गोकलपुर सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार होंगे।

विधानसभा क्षेत्र मुंडका से कांग्रेस पार्टी ने धर्मपाल लकड़ा को प्रत्याशी बनाया है। इसके अलावा पार्टी की तरफ से किराड़ी विधानसभा क्षेत्र से राजेश गुप्ता, मॉडल टाउन से कुंवर करण सिंह, पटेल नगर (आरक्षित) से कृष्णा तीरथ, हरि नगर से प्रेम शर्मा, जनकपुरी से हरबानी कौर, विकासपुरी से एड. जितेंद्र सोलंकी, नजफगढ़ से सुषमा यादव, पालम से मांगे राम, आर.के. पुरम से विशेष टोकस, ओखला से अरीबा खान, विश्वास नगर से राजीव चौधरी, गांधी नगर से कमल अरोड़ा, शाहदरा से जगत सिंह, घोंडा से भीष्म शर्मा और गोकलपुर (आरक्षित) से ईश्वर बागड़ी को प्रत्याशी घोषित किया गया है।

बता दें कि दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए मतदान 5 फरवरी को सिंगल फेज में होगा। चुनाव आयोग के मुताबिक कुल 83,49,645 पुरुष, 71,73,952 महिला और 1,261 थर्ड जेंडर को मिलाकर कुल 1.55 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। नतीजे का ऐलान 8 फरवरी को होगा। चुनाव की तारीख की घोषणा के साथ ही दिल्ली में चुनाव 'आदर्श आचार संहिता' लागू हो गई है।

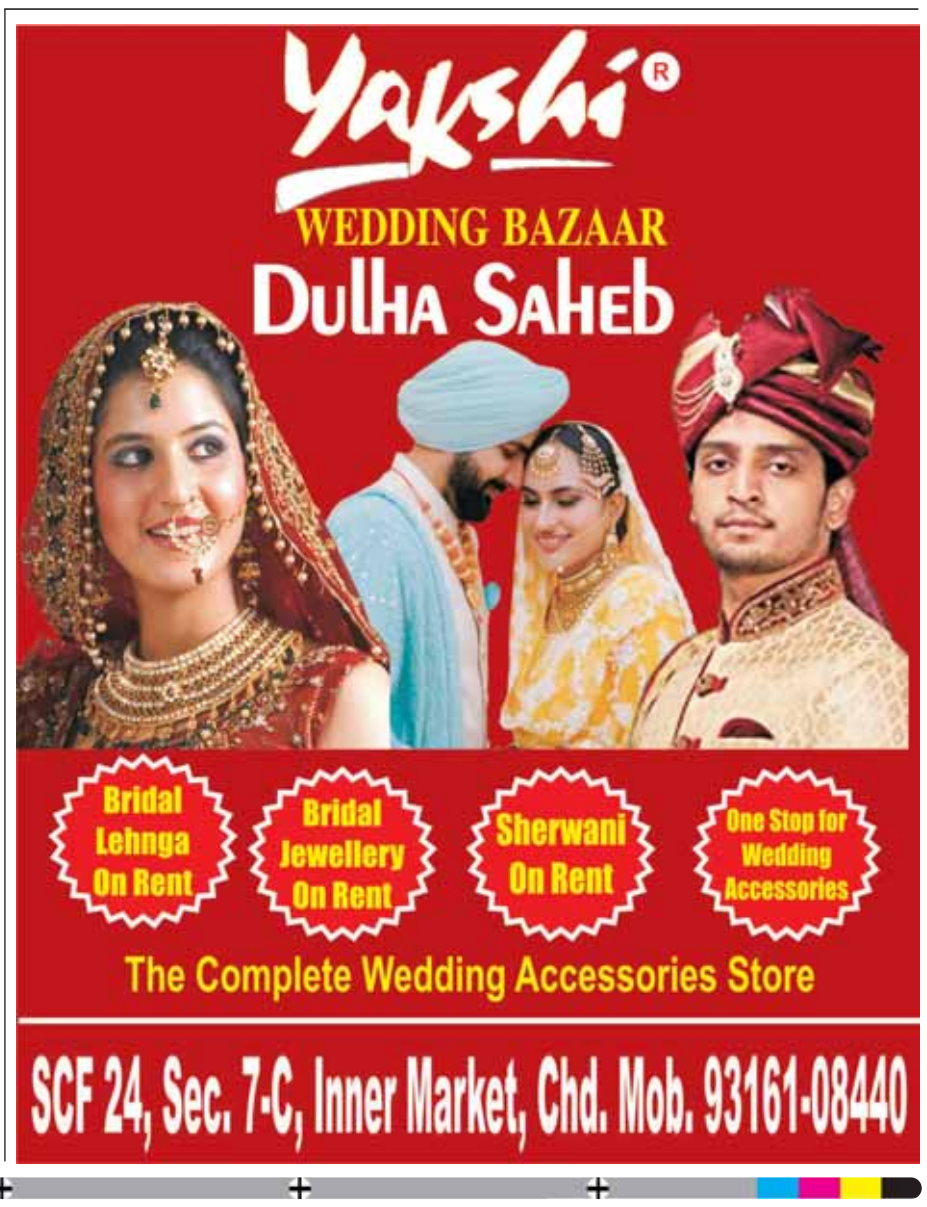

गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी में सुरजीत पातर सेंटर फॉर एथिकल ए.आई. स्थापित होगा : मान

- महान लेखक की याद में पुरस्कार शुरू किया जाएगा
- जो कीट्स ने अंग्रेजी भाषा के लिए किया, वह काम डॉ सुरजीत पातर ने पंजाबी मातृभाषा के लिए किया
- राज्य में पंजाबी भाषा को और प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता दोहराई

अर्थ प्रकाश संवाददाता

अमृतसर, 14 जनवरी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर में अत्याधुनिक सुरजीत पातर सेंटर फॉर एथिकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्थापित करने की घोषणा की है। यहां प्रमुख कवि को श्रद्धांजलि भेंट करने के लिए करवाए समारोह की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केंद्र अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित होगा। उन्होंने इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए विश्वविद्यालय को पूर्ण सहयोग और सहायता का आश्वासन दिया। भगवंत सिंह मान ने इस महान लेखक की याद में एक पुरस्कार शुरू करने की भी घोषणा की, जिससे उभरते हुए लेखकों को प्रोत्साहन मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालयों में नियुक्तियां केवल शैक्षिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों में गुटबंदी को समाप्त कर शिक्षा को प्रोत्साहित करना सुनिश्चित करना हमारा मुख्य एजेंडा है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि महान गुरुओं, संतों और शहीदों ने हमें अन्याय, अत्याचार और जुल्म के खिलाफ लड़ने का उपदेश दिया है।

डॉ. सुरजीत पातर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि धरती मां के इस महान सपूत का निधन पंजाबी साहित्य के लिए एक बड़ा और अपूरणीय नुकसान है। उन्होंने कहा कि डॉ. सुरजीत पातर पंजाबी साहित्य के महान लेखकों में से एक थे और उनके साथ उनके घनिष्ठ संबंध थे, जिन्होंने उन्हें हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। भगवंत सिंह मान ने पंजाबी भाषा, साहित्य और संस्कृति को प्रफुल्लित करने में डॉ. सुरजीत पातर के बहुमूल्य योगदान को याद किया, जो हमेशा लोगों की स्मृतियों में जीवित रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. सुरजीत पातर उन महान लेखकों में से एक थे, जिन्होंने हर पंजाबी के मन पर गहरी छाप छोड़ी। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि जिस तरह अंग्रेजी साहित्य में प्रसिद्ध लेखक कीट्स ने अपना अमूल्य योगदान दिया, उसी प्रकार पंजाबी भाषा में यह योगदान डॉ. सुरजीत पातर का रहा। उन्होंने डॉ. पातर को एक 'महान लेखक' बताया, जिन्होंने अपनी लेखनी के माध्यम से समाज में सांप्रदायिक सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करने में अतुलनीय योगदान दिया। भगवंत सिंह मान ने इस दिवंगत लेखक के साहित्यिक योगदान को याद करते हुए कहा कि वह पंजाबी के एक उत्कृष्ट साहित्यकार थे, जो अपनी शानदार रचनाओं से उभरते हुए लेखकों को हमेशा प्रेरित करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने माघी के पवित्र पर्व पर लोगों को शुभकामनाएं दीं

मुख्यमंत्री ने माघी के पवित्र पर्व पर लोगों को शुभकामनाएं भी दीं और कहा कि यह पवित्र पर्व हर साल 40 मुक्तों की याद में मनाया जाता है, जिन्होंने खिदराने की लड़ाई में अपने प्राणों की आहुति दे दी थी, जिसे अब श्री मुक्तसर साहिब के नाम से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि श्री मुक्तसर साहिब में माघी का पर्व मुगलों के खिलाफ वीरतापूर्वक लड़ने वाले 40 मुक्तों के महान बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए मनाया जाता है। भगवंत सिंह मान ने बताया कि इस दिन श्री मुक्तसर साहिब में गुरुद्वारा श्री टुट्टी-गंठी साहिब के पावन स्थल पर लाखों की संख्या में संगत नतमस्तक होती है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान गणतंत्र दिवस के मौके पर फरीदकोट में फहराएंगे राष्ट्रीय ध्वज

- राज्य स्तरीय समारोह में लुधियाना में राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया फहराएंगे राष्ट्रीय ध्वज

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 14 जनवरी। साल 2025 के गणतंत्र दिवस के अवसर पर पंजाब का राज्य स्तरीय समारोह लुधियाना में आयोजित होगा। यहां पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया 26 जनवरी को राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान फरीदकोट में राष्ट्रीय ध्वज फहराने की रस्म अदा करेंगे।

इस संबंध में जानकारी देते हुए एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि विधानसभा स्पीकर कुलतार सिंह संधवां साहिबजादा अजीत सिंह नगर में और डिप्टी स्पीकर जय किशन रोड़ी रूपनगर में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे।

इसके अलावा, वित्त, योजना और कराधान एवं आबकारी मंत्री हरपाल सिंह चीमा संगरूर में, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा तथा मुद्रण एवं लेखन सामग्री मंत्री अमन अरोड़ा जालंधर में, सामाजिक न्याय और सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर बरनाला में, एनआरआई मामलों और प्रशासनिक सुधार मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल गुरदासपुर में, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री डॉ. बलबीर सिंह मोगा में, राजस्व, पुनर्वास एवं आपदा प्रबंधन, जल आपूर्ति एवं स्वच्छता और आवास एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां बठिंडा में, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले तथा वन मंत्री लाल चंद श्री मुक्तसर साहिब में और परिवहन एवं जेल मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर फाजिल्का में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे।

इसके अलावा, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस होशियारपुर में, ऊर्जा और लोक निर्माण मंत्री हरभजन सिंह फिरोजपुर में, जल संसाधन, खान एवं भूविज्ञान, भूमि एवं जल संरक्षण मंत्री बरिंदर कुमार गोयल पटियाला में, पर्यटन और सांस्कृतिक मामले, निवेश प्रोत्साहन, आतिथ्य, उद्योग एवं व्यापार और ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद अमृतसर में, स्थानीय निकाय एवं संसदीय मामले मंत्री डॉ. रवजोत सिंह मलेरकोटला में, कृषि एवं पशुपालन मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां तरनतारन में और रक्षा सेवाएं, स्वतंत्रता सेनानी एवं बागवानी मंत्री मोहिंदर भगत शहीद भगत सिंह नगर में राष्ट्रीय ध्वज फहराने की रस्म अदा करेंगे।

अमृतसर नगर निगम में आम आदमी पार्टी को मिली मजबूती, दो निर्दलीय पार्षद 'आप' में शामिल

- कैबिनेट मंत्री कुलदीप धालीवाल ने दोनों पार्षदों का पार्टी में किया स्वागत, उचित सम्मान देने का भरोसा दिया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

अमृतसर, 14 जनवरी। आम आदमी पार्टी (आप) अमृतसर नगर निगम में लगातार मजबूत हो रही है। मंगलवार दो और निर्दलीय पार्षद आप में शामिल हो गए। अमृतसर में आयोजित एक समारोह में पार्षद अनीता रानी (वार्ड नंबर- 67) और पार्षद उषा रानी (वार्ड नंबर- 63) आधिकारिक तौर पर आम आदमी पार्टी में शामिल हुई।

कैबिनेट मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने दोनों पार्षदों का पार्टी में स्वागत किया और आश्वासन दिया कि उन्हें पार्टी में उचित सम्मान और जिम्मेदारी दी जाएगी।

इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री धालीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी स्वच्छ और जन-केंद्रित शासन सुनिश्चित करके पंजाब को बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। अनीता रानी और उषा रानी जैसे समर्पित जन प्रतिनिधियों के शामिल होने से लोगों की बेहतर सेवा करने का हमारा संकल्प और मजबूत हुआ है।

मुझे विश्वास है कि वे जमीनी स्तर पर वास्तविक बदलाव लाने के आम आदमी पार्टी के मिशन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

माघी मेले के अवसर पर स्पीकर व कैबिनेट मंत्रियों ने गुरुद्वारा टूट्टी गंडी साहिब में मत्था टेका

- मुख्यमंत्री की माता श्रीमती हरपाल कौर ने भी गुरुद्वारा साहिब में मानवता की भलाई के लिए अरदास की

अर्थ प्रकाश संवाददाता

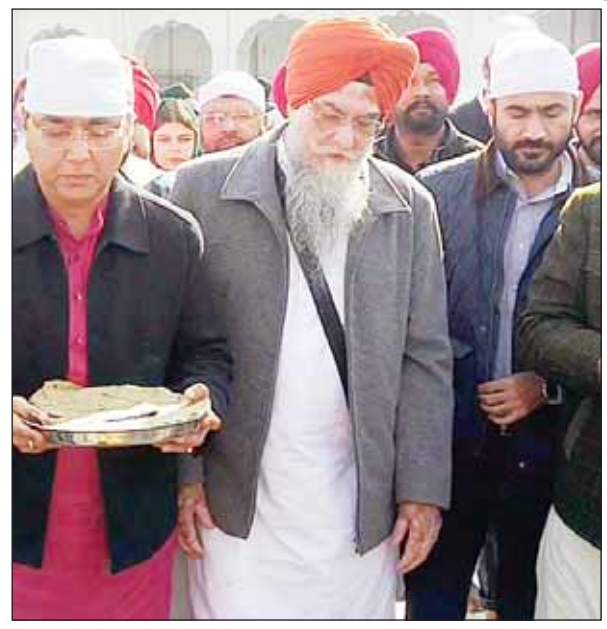

श्री मुक्तसर साहिब, 14 जनवरी। पवित्र माघी मेले के अवसर पर पंजाब विधानसभा के स्पीकर और कैबिनेट मंत्रियों ने श्री मुक्तसर साहिब स्थित गुरुद्वारा टूट्टी गंडी साहिब में मत्था टेका।

इस दौरान गुरुद्वारा साहिब जाने वाले रास्तों पर संगत का भारी जन समूह देखा गया। विधानसभा स्पीकर स कुलतार संधवां के अलावा मत्था टेकने वाले मंत्रियों में नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत मंत्री अमन अरोड़ा, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां, सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर और संगरूर से सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर शामिल थे। सभी ने सरबत के भले के लिए अरदास की गई।

यह उल्लेखनीय है कि गुरुद्वारा साहिब जाने वाले सभी रास्तों पर बीती रात भर श्रद्धालुओं को लंगर परोसा गया।

इस पवित्र दिवस पर मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान की माता श्रीमती हरपाल कौर ने भी गुरुद्वारा साहिब में मानवता की भलाई के लिए अरदास की।

पुलिस ने सभी रास्तों पर सुचारू यातायात सुनिश्चित करने के लिए उचित सुरक्षा प्रबंध किए थे ताकि दूर-दराज से आने वाली संगत को कोई परेशानी न हो। घोड़ा मंडी में घोड़ों का एक विशेष मेला भी आयोजित किया गया, जहां विभिन्न लोगों और व्यापारियों ने अपने घोड़े, पक्षी, विभिन्न नस्लों के कुत्ते और अन्य जानवर प्रदर्शनी के लिए लाए।

इस अवसर पर डिप्टी कमिश्नर राजेश त्रिपाठी, एसएसपी तुषार गुप्ता और जिला योजना बोर्ड के चेयरमैन सुखजिंदर सिंह कौनी भी उपस्थित थे।

पीआर 7 रोड पर सीवरेज लाइन नहीं, सोसाइटियां खुले में गिरा रहीं सीवरेज का गंदा पानी

- बिल्डरों द्वारा सीवरेज का दूषित पानी टैंकरों में भर कर खुले में जा रहा गिराया, अधिकारी सो रहे गहरी नींद

अर्थ प्रकाश/राजेश गर्ग

जीरकपुर, 14 जनवरी। शहर की पॉश व बड़ी 200 फीट रोड पर कई नामी कंपनियों बड़े बड़े रिहायशी व व्यापारिक प्रोजेक्ट हैं और पिछले लंबे समय से पीआर 7 रोड की सभी सोसायटीयां लगभग आबाद हो चुकी है। लेकिन हैरान करने वाली बात यह है के मेकडी से लेकर छत लाइट प्वाइंट तक करीब पांच से 6 किलोमीटर के पैच में सीवरेज लाइन नहीं बिछाई गई है। जबकि खाना पूर्ति के तौर पर सभी सोसायटीयों द्वारा लोगों की आंखों में धुल झोंकने के लिए अपने अपने एस्टीपी लगाए हुए हैं। लेकिन वह केवल दिखावे के लिए हैं, किसी भी सोसायटी का एस्टीपी ऑपरेशनल नहीं है। इस रोड पर मौजूद सोसायटीयों द्वारा सीवरेज का पानी या तो खुले में खाली पड़े खेतों में गिराया जा रहा है या फिर अंधेरे का फायदा उठाकर रात को या अल सुबह सीवरेज का दूषित पानी टैंकरों में भर कर खुले मे गिरा दिया जाता है। जिसका नुकसान पर्यावरण व आसपास लोगों को पड़ रहा है। खुले में दूषित पानी गिराने के कारण बीमारियां फैलने का खतरा भी बढ़ जाता है। जिसके जिम्मेवार बिल्डर व प्रसाशन के अधिकारी है जो इस तरफ ध्यान नही दे रहे हैं। लोगों की मांग है के ऐसे बिल्डरों व अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

पीआर 7 रोड पर रिहायशी सोसायटियां इतनी महंगी है के एक फ्लैट डेढ़ से दो करोड़ तक है और इतना महंगा घर लेने के बाद भी यदि सीवरेज की समस्या से जूझना पड़े तो इससे बुरी बात उपभोगताओं के लिए क्या हो सकती है। यहां यह बताना भी अनिवार्य है के एस्टीपी की सुविधा ना होने के कारण सरकार द्वारा जीरकपुर में नए प्रोजेक्ट को परमिशन देने पर पाबंदी लगाई हुई है। लेकिन इस सबके बावजूद शहर में धड़ल्ले से निर्माण हो रहा है। जबकि सरकारी आदेशों के अनुसार कोई सोसायटी डवेल्प नही होनी चाहिए। लेकिन हैरानी की बात तो यह है के सरकारी अधिकारियों की मिली भगत से निर्माण करता कोई ना कोई रास्ता निकाल कर कैसे ने कैसे निर्माण कर ही लेते हैं। बता दें के शहर मे मात्र एक 16.5 एमएलडी का एक ही एस्टीपी है वह भी प्रॉपर काम नही करता है और सीवरेज का दूषित पानी बिना ट्रीट किए घग्गर मे गिराया जा रहा है, जोकि चिंता का विषय है लेकिन इस तरफ कोई ध्यान नही दे रहा है।

पीआर 7 रोड पर सीवरेज लाइन नही है। यहां नई लाइन बिछाने के लिए हमने नगर परिषद से आसपास जगह की मांग की है। क्योंकि पीआर 7 रोड वाले साइड की ढलान घग्गर की तरफ है तो एस्टीपी भी इसी साइड ही होना चाहिए। जगह मिलने के बाद टैंडर आदि का प्रक्रिया को पूरा होते होते करीब एक साल से ऊपर का समय लग जाता है। इसलिए जितनी जल्दी जमीन मिलेगी उतनी जल्दी काम शुरू हो जाएगा।

जसबीर सिंह, जेई सीवरेज बोर्ड विभाग जीरकपुर।

इसके लिए जगह ढूंढ़ रहे हैं, जैसे ही जगह मिल जाएगी काम शुरू करवा दिया जाएगा। पीआर 7 रोड की सभी सोसायटीयों को सीवरेज के पानी को ट्रीट करने के बाद इस्तेमाल करने के आदेश दिए गए है। जोकि जरूरी है, यदि कोई खुले मे गिराता हुआ पकड़ा जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अशोक पथरिया, कार्यकारी अधिकारी जीरकपुर।

लुधियाना में बिहार का नशा तस्कर काबू ट्रेन के जरिए करता था अफीम की सप्लाई

- जीआरपी ने बरामद किया 1.200 किलो नशा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

लुधियाना, 14 जनवरी। लुधियाना में जीआरपी पुलिस ने रेलवे के जरिए बड़े स्तर पर अफीम की तस्करी करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान बिहार के बेतिया जिला के चन्न पटिया गांव के रहने वाले मुरारी शाह के रूप में हुई है।

आरोपी से पुलिस ने करीब 1.200 किलो अफीम बरामद की है। आरोपी के खिलाफ थाना जीआरपी लुधियाना के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। लुधियाना जीआरपी के एसएचओ जतिंदर सिंह ने कहा- ड्यूटी अफसर एएसआई पुरुषोत्तम कुमार अपनी टीम के साथ चेकिंग के लिए लुधियाना के ढंजारी कलां स्टेशन पर मौजूद थे। इस दौरान चेकिंग की गई तो मुरारी शाह को रोका गया। चेकिंग के दौरान आरोपी से अफीम बरामद हुई, जिस पर आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर थाने लाया गया और जांच शुरू कर दी गई।

एक दिन के रिमांड पर लिया गया आरोपी

पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर एक दिन के रिमांड पर लिया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है कि आरोपी इतनी भारी मात्रा में अफीम कहां से लेकर आया था और किसे देने जा रहा था। प्राथमिक जांच में पता चला है कि उक्त आरोपी ट्रेन के जरिए ही नशे की तस्करी करता था। पुलिस पूछताछ कर रही है कि आरोपी अब तक कितने नशे की सप्लाई कर चुका है।

पेज एक का शेष

अखाड़ों का भव्य अमृत स्नान

अमृत स्नान पर श्रद्धालुओं पर हुई पुष्पवर्षा, लगे जय श्री राम के नारे: महाकुंभ 2025 के पहले अमृत स्नान मकर संक्रांति के दिन मंगववार को संगम तट पर डुबकी लगाने पहुंचे करोड़ों श्रद्धालुओं पर योगी सरकार ने हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कराई। हेलीकॉप्टर से सभी घाटों और अखाड़ों पर स्नान के दौरान श्रद्धालुओं पर फूलों की बारिश की गई। गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश देख संगम तट पर मौजूद श्रद्धालुओं ने अभिभूत होकर जय श्री राम और हर हर महादेव के नारे लगाए। महाकुंभ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं पर स्नान पर्वों के मौके पर पुष्प वर्षा को लेकर योगी सरकार के निर्देश पर उद्यान विभाग ने पिछले काफी समय से तैयारी कर रखी थी। इसके लिए गुलाब की पंखुड़ियों की खास तौर पर व्यवस्था की गई थी। महाकुंभ के सभी स्नान पर्वों पर पुष्प वर्षा कराने की तैयारी की गई है। प्रत्येक स्नान पर्व पर लगभग 20 कुंतल गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश करने की तैयारी है, जिसकी श्रृंखला में पहले स्नान पर्व पौष पूर्णिमा स्नान पर सोमवार को श्रद्धालुओं पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाई गई थी, जबकि दूसरे दिन यानि मंगलवार को मकर संक्रांति पर अमृत स्नान के दौरान भी पुष्पवर्षा से श्रद्धालु अभिभूत नजर आए।

कुंभ में एआई के जरिये फर्जीवाड़ा: महाकुंभ में फर्जी वीडियो जारी करने का फर्जीवाड़ा भी चल रहा है। एआई के जरिये ऐसी तस्वीरें दिखाई जा रही हैं जिन्हें असली समझ कर लोग गुमराह हो रहे हैं। एआई के जरिये जारी वीडियो में कई हस्तियों को स्नान करते दिखाया जा रहा है। पीएम मोदी को इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ भी गंगा को नमन करते हुए दिखाया गया है। एआई से बनी वीडियो में प्रयागराज महाकुंभ में ट्रंप, जॉन सीना और रोनाल्डो ने भी स्नान किया। महाकुंभ में इंजीनियर बाबा और ग्लैमर वर्ल्ड छोड़कर आई हर्षा नजीर बनी हैं। इस्लामिक देशों में भी महाकुंभ को लेकर खूब चर्चा हो रही है। इनमें भी टॉप पर पाकिस्तान है।

पंजाब पुलिस ने माघी के त्योहार पर लगाया लंगर

- सरबत के भले की अरदास में डीजीपी पंजाब गौरव यादव हुए शामिल
- डीजीपी पंजाब ने पंजाब पुलिस सेवा कमेटी को भविष्य में ऐसे सामाजिक-धार्मिक प्रयास जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 14 जनवरी। माघी के पावन पर्व के अवसर पर आज यहां पंजाब पुलिस सेवा कमेटी द्वारा पंजाब पुलिस मुख्यालय के बाहर जनता की सेवा के लिए लंगर लगाया गया।

गौरतलब है कि माघी का त्योहार 10वें पातशाह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के साथ शहीद हुए 40 सिख योद्धाओं की याद में मनाया जाता है।

इस अवसर पर समूची मानवता की भलाई और खुशहाली के लिए सरबत के भले की अरदास की गई।

पंजाब पुलिस के डायरेक्टर जनरल (डीजीपी) गौरव यादव, जिनके साथ इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (आईजीपी) मुख्यालय सुखचैन सिंह गिल भी मौजूद थे, ने अरदास में शामिल होने के बाद सामुदायिक सेवा और धार्मिक सद्भावना के महत्व को उजागर किया। उल्लेखनीय है कि अतिरिक्त डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (एडीजीपी) एसएस श्रीवास्तव ने भी इस समागम में भाग लिया।

यह लंगर प्रथम सिख गुरु, श्री गुरु नानक देव जी के सिद्धांत ÷किरत करो, नाम जपो, वंड छको÷ के तहत लगाया गया। गुरु साहिब का यह सिद्धांत निस्वार्थ सेवा और लोक कल्याण का संदेश देता है।

डीजीपी गौरव यादव ने पंजाब पुलिस सेवा कमेटी के प्रयासों की सराहना की और उन्हें आगे भी ऐसे सामाजिक-धार्मिक प्रयास करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया, जो सांप्रदायिक सद्भावना और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं।

मकर सक्रांति पर बलटाना मार्किट के दुकानदारों ने लगाया लंगर

अर्थ प्रकाश/राजेश गर्ग

जीरकपुर, 14 जनवरी। मकर सक्रांति के पर्व पर बलटाना मार्किट के दुकानदारों द्वारा लंगर लगाया गया। इस दौरान बलटाना के वार्ड नंबर पांच की पार्षद नेहा शर्मा ने मुख्य अतिथि के तौर शिरकत की और दुकानदारों के साथ मिलकर लंगर वितरित किया। मकर सक्रांति का पर्व पुरे शहर मे लोगों द्वारा धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान खिचड़ी व तिल, गुड़ से बनी चीजे भी बांटी गई और कड़ी चावल का लंगर भी लगाया गया। इस दौरान दुकानदारों व नेहा शर्मा द्वारा भगवान से लोगों में सुख शांति की अरदास करते हुए लंगर बांटा गया। इस दौरान पार्षद नेहा शर्मा ने कहा की ऐसे लंगर व जागरण आदि के आयोजन आपसी भाईचारे के प्रतीक होते हैं। ऐसे आयोजन हम सब को मिलकर करते रहने चाहिए। हमारी संस्कृति बहुत महान है, इस के बारे मे हमारी आने वाली पीढ़ी को भी पता होना चाहिए। इस दौरान उनके साथ मनी शर्मा, गुरदेव सिंह, परमिंदर गुप्ता, राहुल जिंदल, पवन सिंगला, पंकज जैन, ललित जैन, शिव कुमार, कमल गुप्ता, मोनू सिंगला, विनोद गोयल, विनोद गर्ग सहित अन्य दुकानदार भी मौजूद थे।

बुज़ुर्गों का ख्याल
रख रही पंजाब सरकार

बुढ़ापा पेंशन योजना के तहत प्रति माह ₹1,500

बुज़ुर्गों, विधवाओं, बेसहारा महिलाओं व बच्चों और दिव्यांग व्यक्तियों के लिए वित्तीय सहायता योजनाओं के तहत ₹5,924.50 करोड़ का बजट प्रावधान

34.09 लाख लाभार्थियों को ₹4,532.60 करोड़ की पेंशन वितरित

“हमारे बुज़ुर्ग हमारा गौरव एवं हमारी पूंजी हैं। यह हमारा कर्तव्य है कि हम उन्हें सम्मानजनक जीवन दें और आर्थिक रूप से सक्षम बनाएं। हम उनके लिए मासिक पेंशन सुनिश्चित करके अपना यह कर्तव्य पूरा कर रहे हैं। मैं एक ऐसे रंगले पंजाब का सपना देखता हूं, जहां हर नागरिक एक ख़ुशहाल एवं संतुष्ट जीवन का आनंद ले सके।”

भगवंत सिंह मान
मुख्यमंत्री, पंजाब

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के व्हाट्सएप चैनल से जुड़ें

यहां स्कैन करें

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, पंजाब

www.arthparkash.com अर्थ प्रकाश

अरविन्द केजरीवाल जनता से झूठ बोलकर और धोखा देकर फिर से सत्ता में आना चाहते हैं : रेलमंत्री

शकूर बस्ती समेत दिल्ली की अन्य झुग्गियों में जाकर केजरीवाल वहां रहने वालों को गुमराह करने के लिए किसी भी हद तक झूठ बोल रहे हैं

अर्थ प्रकाश/नरेश वत्स

नई दिल्ली, 14 जनवरी। रेल मंत्री मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं श्री अश्विनी वैष्णव ने आज केंद्रीय कार्यालय में आयोजीय प्रेसवार्ता में आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा शकूरबस्ती को हटाए जाने का झूठी एवं भ्रामक बातें बोलने के लिए जमकर आलोचना की। श्री वैष्णव ने कहा कि अरविन्द केजरीवाल जनता से झूठ बोलकर और धोखा देकर फिर से सत्ता में आना चाहते हैं, ताकि घपले-घोटाले कर सके। शकूरबस्ती समेत झुग्गियों में जाकर केजरीवाल वहां रहने वालों को गुमराह करने के लिए किसी भी हद तक झूठ बोल रहे हैं।

रेल मंत्री श्री वैष्णव ने कहा कि केजरीवाल शकूरबस्ती में जाकर कहते हैं कि रेलवे ने झुग्गियों को हटाने के लिए टेंडर पास कर दिया है, जबकि रेलवे ने ऐसा कोई टेंडर नहीं निकला है और न ही टेंडर अवार्ड किया है। जिस प्रॉजेक्ट की अरविन्द केजरीवाल बात कर रहे हैं, वह पूरी तरह से भ्रामक और गलत है। दरअसल, शकूर बस्ती के पास खाली पड़ी जमीन को स्टेशन के लिए विकसित किया जा रहा है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री वैष्णव ने कहा कि प्रयागराज में महाकुम्भ महोत्सव दुनिया में एक मिसाल साबित हुआ है। महाकुम्भ के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बहुत विस्तृत व्यवस्थाएं की गई हैं और भारतीय रेलवे ने भी करीब 13 हजार स्पेशल गाड़ियां चलाई हैं। प्रयागराज के आस पास के इलाकों के विकास के लिए करीब 5 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। पहले जहां 40 लाख लोगों को एक दिन में प्रयागराज से बाहर ले जाने की क्षमता थी, वो अब 1 करोड़ से ज्यादा लोगों को सकुशल गंतव्य स्थान तक पहुँचाने की क्षमता विकसित हो गयी है। आज से शाही स्नान के साथ महाकुम्भ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आना शुरू हो जाएगा।

रेल मंत्री श्री वैष्णव ने कहा कि दिल्ली प्रदेश में भी रेलवे का विकास कार्य बड़े स्तर पर चल रहा है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने दिल्ली में रेलवे के विकास के लिए 27 गुना राशि बढ़ाकर 2582 करोड़ रुपए दी। जबकि कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए सरकार में दिल्ली में रेलवे के विकास के लिए केवल 96 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे। दिल्ली प्रदेश के लिए बहुत सारे नए प्रॉजेक्ट शुरू किए गए। प्रदेश के अधिकतर स्टेशन बहुत पुराने हो चुके थे, उनके पुनर्विकास का कोई कार्य नहीं किया गया था। दिल्ली में 13 ऐसे महत्वपूर्ण स्टेशन हैं जो दूर-दराज क्षेत्र से आने वाले यात्रियों को सुविधाएं देते हैं। उन 13 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। सफदरगंज स्टेशन पर बड़े स्तर पर विकास कार्य चल रहे हैं, बिजवासन स्टेशन का कार्य लगभग पूरा हो चुका है और पश्चिम की ओर जाने वाली ट्रेनों का टर्मिनल बनेगा। हजरत निजामुद्दीन, जो दक्षिण की ओर जाने वाली गाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण स्टेशन है। उसे एक मेगा टर्मिनल के रूप में विकसित किया जा रहा है ताकि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की तरफ आने वाली भीड़ कम हो। पहले से ही इन प्रोजेक्ट्स पर कार्य चल रहा है, इसलिए इन पर आचार सहिंता के उल्लंघन जैसा कोई विषय नहीं है।

श्री वैष्णव ने कहा कि आदर्श नगर रेलवे स्टेशन और आनंद विहार रेलवे स्टेशन को और अधिक विकसित किया जा रहा है, जो पूर्वांचल की जाने वाले ट्रेन के लिए प्रमुख मार्गों में शामिल हैं। आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इसकी क्षमता बढ़ाने और तीसरी व चौथी पटरियों के निर्माण का कार्य जारी है। इसके अलावा, आनंद विहार स्टेशन को आरआरटीएस से जोड़ने के लिए 'स्काई-वॉक' का निर्माण किया जा रहा है, ताकि मेट्रो से यात्रा करने वाले यात्रियों की यात्रा और ज्यादा सुविधाजनक हो सके। दिल्ली के सराय रोहिल्ला और दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन को भी सुदृढ़ किया जा रहा है, जो राजस्थान और गुजरात जाने वाले यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण हैं। जमीन की कमी होने के कारण यात्री सुविधा बढ़ाने के लिए और यात्रियों की सुगमता के लिए इन स्टेशनों पर फ्लाईओवर जैसे ढांचे बनाकर इन्फ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाया जा रहा है। दिल्लीवासियों के लिए यह खुशी की बात है कि कई कठिनाइयों और प्रयासों के बाद, दिल्ली सरकार और सर्वोच्च न्यायालय से अनुमति प्राप्त कर यमुना नदी पर 1.2 किलोमीटर लंबा पुल बनकर तैयार हो गया है। यह पुल जल्द ही जनता के उपयोग के लिए खोल दिया जाएगा।

देश में 1 हजार से अधिक अंडरपास व फ्लाईओवरों की संख्या बढ़ाई गई

रेल मंत्री श्री वैष्णव ने कहा कि दिल्ली में करीब 20 नए फ्लाईओवर और अंडर पास बनाए जा रहे हैं, जिनके लिए 75 करोड़ का निवेश किया गया है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 2023-24 में 1 हजार से अधिक रिकार्ड संख्या में देश भर में नए फ्लाईओवर और अंडर पास बनाए गए थे। तीन ऐसे भी जगह हैं जहां नए डिजाइन के फ्लाईओवर बनाए गए हैं, जिनपर दो पहिया वाहनों के भी जाने की व्यवस्था की गई है। रेलवे कॉलोनी में रहने वाले कर्मचारियों के लिए भी कार्य किए जा रहे हैं। नई दिल्ली स्टेशन का भी एक कार्य शुरू किया जा चुका है और दूसरे कार्य के लिए माननीय उच्च न्यायालय में कुछ अनुमतियों के लिए आग्रह किया गया है, अनुमति मिलने के बाद वो कार्य भी शुरू किए जाएंगे।

मोदी सरकार दिल्ली में ट्रेनों की संख्या बढ़ाना चाहती है

केंद्रीय मंत्री श्री वैष्णव ने कहा कि दिल्ली देश की राजधानी होने की कारण यहाँ लोगों का आवागमन बहुत ज्यादा है। दिल्ली में प्रदेश के बाहर से आने-जाने वालों के आलावा दिल्ली के अंदर प्रतिदिन सफर करने वालों की संख्या बहुत बड़ी है, इस कारण लगभग 700-800 गाड़ियां प्रतिदिन दिल्ली के अंदर आती-जाती हैं। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार दिल्ली में इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़िया करके इस संख्या को बढ़ाकर 1000-1200 से 1400 गाड़ियों की क्षमता के पास पहुंचाना चाहती है। इसके लिए केंद्र सरकार एक ऐसा मास्टरप्लान बना रही है, ताकि आने वाले 20-30 साल दिल्ली की जनता को ट्रैफिक की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। दिल्ली में जाम की समस्या को कम करने के लिए केंद्र सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिनमें वेस्टर्न फ्रेट कॉरिडोर का निर्माण भी शामिल है। इस कॉरिडोर के माध्यम से पूर्वी क्षेत्रों से आने-जाने वाले मालवाहक वाहनों को अब दिल्ली के अंदर प्रवेश करने के बजाय बाहरी मार्गों से गुजरने की व्यवस्था की गई है, जिससे यातायात का दबाव कम हुआ है। श्री वैष्णव ने एक नक्शा के माध्यम से दिल्ली के आसपास विकसित किए जा रहे बुनियादी ढांचे के बारे में बताया कि सोनीपत से मानेसर तक ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर के निर्माण किया गया है। इस परियोजना से विशेष रूप से मालगाड़ियां दिल्ली को बायपास करते हुए बाहरी मार्गों से गुजर सकेंगी। दूसरा ऑर्बिटल कॉरिडोर मानेसर से पृथला तक बनाया जा रहा है, जो डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जुड़ेगा। यह मार्ग दक्षिण, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र से आने वाले यातायात को पूर्वी दिशा की ओर सुगमता से जाने का विकल्प देगा। इन कॉरिडोर का प्राथमिक उद्देश्य दिल्ली के निवासियों को जाम की समस्या से राहत प्रदान करना है।

भाजपा पैसे से दिल्लीवालों के वोट खरीदना चाहती है : केजरीवाल

अर्थ प्रकाश/नरेश वत्स

नई दिल्ली, 14 जनवरी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को एक बार फिर भाजपा पर जमकर हमला बोला और कहा कि गाली-गलौज पार्टी में हथियार डाल दिए हैं। वह पूरी तरह से जानते हैं कि वह चुनाव जीत नहीं सकते, इसलिए अब वह दिल्ली वालों के वोट पैसे से खरीदना चाहते हैं। मैं दिल्ली वालों से अपील करता हूं कि इनसे सारे पैसे ले लो, इनको बर्बाद कर दो। लेकिन, वोट मत देना।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि धीरे-धीरे जैसे-जैसे समय बीत रहा है, आम आदमी पार्टी का ग्राफ भी ऊपर बढ़ता जा रहा है। हम ऊपर की ओर जा रहे हैं। गाली-गलौज पार्टी ने ऐसा लगता है हथियार डाल दिए हैं। उनके पास न नैरेटिव है, न उनके पास विजन है, न उनके पास सीएम का चेहरा है। खुलेआम पैसे बांटे जा रहे हैं, लेकिन जो पैसे बांटे गए, उन लोगों में बहुत असंतोष है। ऊपर से उनकी पार्टी ने भेजे 10,000 रुपए। लेकिन, उनके नेताओं को लग रहा है कि वह जीत तो रहे नहीं हैं तो इस चुनाव में पैसे ही कमा लिए जाएं, तो उनके नेताओं ने 9,000 रख लिए और जनता को हजार-हजार रुपए बांट दिए और वह भी इन्होंने सबको नहीं दिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि जैसे-जैसे जनता को यह पता चलता है कि उनके नेता रुपए खा गए तो इस बात का जनता में भारी रोष है कि उनके नेता जनता के नाम पर आए हुए पैसे खा गए। उसके बाद उनकी पार्टी ने कंबल बांटने को भेजे। एक कॉलोनी में कंबल बांटे। बगल वाली कॉलोनी में नहीं बांटे तो बगल वाली कॉलोनी वाले पूछ रहे हैं इस कॉलोनी के कंबल कहां गए। इसी तरीके से यह भाजपा वाले साड़ियां, जूते, जैकेट यह सब कुछ बांट रहे हैं। लेकिन, उनके नेता कुछ कॉलोनी में जाते हैं, वहां पर सामान बांटकर वापस चले आते हैं। बगल वाली कॉलोनी के लोग पूछते हैं कि हमारा सामान कहां गया और उनके दफ्तरों पर जाकर हल्ला मचाते हैं।

उन्होंने कहा कि अब सोने की चेन बांटना चालू कर दिया गया है। एक-दो कॉलोनी में उन्होंने सोने की चेन बांटनी शुरू की तो बात तेजी से फैल गई। अब आसपास के इलाके के लोग कह रहे हैं कि उनके नेता सोने की चेन भी खा गए। जिसको यह सामान नहीं मिलता है और वह उनके दफ्तर चला जाता है। उसके मुंह को बंद करने के लिए यह सामान दे दिए जाते हैं। उनके नेता खुलेआम कहते घूम रहे हैं कि दिल्ली वालों को तो हम खरीद लेंगे। दिल्ली वालों के वोट तो हम खरीद लेंगे। अब जब देख रहे हैं कि हार गए हैं तब खुलेआम कहते घूम रहे हैं कि दिल्ली वालों को तो हम खरीद लेंगे।

उन्होंने कहा कि मैं दिल्ली की जनता से अपील करना चाहता हूं कि वोट हीरे से ज्यादा कीमती है। वह किसी हालत में मत बिकने देना। जो पैसे बांटे, जो कंबल बांटे, जो साड़ी बांटे, जो चादर बांटे, उसको तो कतई वोट मत देना। यह देश के गद्दार हैं। इनको इतना अहंकार हो गया है। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि अगर आम आदमी पार्टी का कोई कैंडिडेट पैसे, सामान बांटे, तो उसको वोट मत देना। हम देश बदलने के लिए सड़ी-गली व्यवस्था को बदलने के लिए काम कर रहे हैं।

भाजपा-कांग्रेस को झटका, पूर्व पार्षद समेत कई कद्दावर नेता 'आप' में शामिल

अर्थ प्रकाश संवाददाता

नई दिल्ली, 14 जनवरी। दिल्ली विधानसभा चुनाव से ठीक पहले एक बार फिर भाजपा और कांग्रेस को झटका लगा है। मंगलवार को डाबरी वार्ड से भाजपा की पूर्व पार्षद और नजफगढ़ जिला की उपाध्यक्ष रेखा विनय चौहान आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल हो गईं। उनके साथ 2020 में भाजपा से पार्षद प्रत्याशी रहे विनय चौहान और आदर्श नगर वार्ड-15 से कांग्रेस के प्रत्याशी रहे वीरेंद्र गोयल समेत कई नेताओं ने भी आम आदमी पार्टी का दामन थामा। इस दौरान द्वारका से विधायक विनय मिश्रा और डाबरी वार्ड से पार्षद तुलनामा चौधरी मौजूद रहे।

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सभी को पटका पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी का परिवार लगातार मजबूत होता जा रहा है। अलग-अलग पार्टियों के अच्छे लोग काम की राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए लगातार 'आप' परिवार से जुड़ रहे हैं। इन लोगों के आने से आम आदमी पार्टी को और मजबूती मिलेगी।

इस दौरान रेखा विनय चौहान के साथ राजेंद्र गुप्ता, ओम प्रकाश चावड़िया और हरकेश पांडे ने भी आम आदमी पार्टी को ज्वाइन किया। साथ ही, रामलीला समिति आदर्श नगर के चेयरमैन मास्टर जय किशन गोयल, राम मंदिर के अध्यक्ष एवं मजलिस पार्क आरडब्ल्यूए के उपाध्यक्ष नरेश टंडन, रामलीला समिति आदर्श नगर के महासचिव तरुण कुमार गुप्ता भी आम आदमी पार्टी में शामिल हुए।

इससे पहले भी कई और बड़े नाम और चेहरे भाजपा-कांग्रेस को छोड़कर आम आदमी पार्टी का दामन थाम चुके हैं। इसके अलावा 'पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना' के चलते भी भाजपा मंदिर समिति के कई लोग और ऑटो चालकों के लिए की गई 'आप' की घोषणा के बाद ऑटो यूनियन के कई चालक भी पार्टी में शामिल हो चुके हैं।

इसके अलावा जिम एसोसिएशन और अन्य लोगों ने भी आम आदमी पार्टी को समर्थन देने की घोषणा की है।

प्रवेश वर्मा का पिता के समय का है एनजीओ, फ्रस्टेशन में बेहूदी बातें कर रहे केजरीवाल : हरदीप सिंह पुरी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

नई दिल्ली, 14 जनवरी। दिल्ली विधानसभा चुनाव के बीच आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा उम्मीदवार प्रवेश वर्मा पर पैसे बांटने का आरोप लगाया है। आप के आरोप पर अब केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि आप के नेताओं का फ्रस्टेशन लेवल बढ़ गया है, इसलिए वह ऐसी बेहूदी बातें कर रहे हैं।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को आईएएनएस से खास बातचीत में कहा, अरविंद केजरीवाल, प्रवेश वर्मा की बात क्यों कर रहे हैं, जबकि वर्मा ने पहले ही बोल दिया है कि एनजीओ उनके पिता के समय का है और उसके जरिए ही लोगों को पैसे दिए जा रहे हैं। आप के नेताओं का फ्रस्टेशन लेवल बढ़ रहा है, इसलिए वह ऐसी बातें कर रहे हैं।

राहुल गांधी द्वारा भाजपा और आप को एक बताए जाने के आरोपों पर हरदीप सिंह पुरी ने पलटवार करते हुए कहा, उनको बुद्धि वाली बात करनी चाहिए।

अरविंद केजरीवाल के देश को बचाने वाले बयान पर उन्होंने कहा, ÷कौन देश को बचा रहा है, यह सबको पता है। एनआरआई स्टेटस के लिए 6 महीने देश के बाहर रहना पड़ता है, वह अब उसके नजदीक आ रहे हैं। हम इसके लिए एक नई कैटेगरी एनआरआई पॉलिटिशियन शुरू करेंगे। केजरीवाल ने साल 2012 में बोला था कि सीएजी अगर नहीं होती तो कांग्रेस ने देश को बेच दिया होता। अब वह कैग की रिपोर्ट को विधानसभा के पटल पर क्यों नहीं रखते, जबकि कल भी उनको हाई कोर्ट ने कहा है कि कैग रिपोर्ट को वक्त रहते विधानसभा के पटल पर रखना चाहिए था। इससे पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने भाजपा उम्मीदवार प्रवेश वर्मा पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा, पूरी दुनिया ने देखा, सभी टीवी चैनल ने लाइव चलाया, महिलाओं ने टीवी पर आकर कहा कि हमें 1,100 रुपये दिए गए कि हम कमल का बटन दबाएं।

'कोहली और पंत का दिल्ली की तरफ से खेलने के लिए स्वागत है'

अर्थ प्रकाश/साक्षी जैन

नई दिल्ली, 14 जनवरी। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और ऋषभ पंत का दिल्ली जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) द्वारा संभावित टीम में नामित किए जाने के बाद रणजी ट्रॉफी के अपने आखिरी दो मुकाबलों में दिल्ली की तरफ से खेलने के लिए स्वागत है। दोनों खिलाड़ियों का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में निराशाजनक प्रदर्शन रहा, जहां भारत को 1-3 से हार का सामना करना पड़ा और एक दशक से चली आ रही उसकी बादशाहत खत्म हो गई। भारत ने लगातार तीसरा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेलने का मौका भी गंवा दिया।

हालांकि, घरेलू मैचों में उनकी भागीदारी पर अंतिम फैसला खिलाड़ियों और टीम प्रबंधन पर निर्भर करता है। डीडीसीए के एक सूत्र ने मंगलवार को %आईएएनएस% को बताया, ÷विराट कोहली और ऋषभ पंत हमारे स्टार खिलाड़ी हैं और दिल्ली के लिए खेलने के लिए उनका स्वागत है, लेकिन हमें उनके कार्यभार और एनसीए और भारतीय टीम प्रबंधन से मिलने वाले सुझावों पर गौर करना होगा।÷

पांच टेस्ट मैचों में कोहली ने सिर्फ 190 रन बनाए और ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों का पीछा करते हुए आठ बार आउट हुए। दूसरी ओर, पंत ने 28.33 की औसत से एक अर्धशतक सहित 255 रन बनाए। कोहली और पंत दोनों ही उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे और ऑस्ट्रेलिया में अपने पिछले प्रदर्शन को दोहराने में विफल रहे। कोहली ने आखिरी बार 2012 में रणजी ट्रॉफी में दिल्ली के लिए खेला था। सिडनी में भारत की श्रृंखला हार के बाद, भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट खिलाड़ियों के लिए जब भी संभव हो घरेलू प्रथम श्रेणी क्रिकेट में भाग लेने के महत्व पर जोर दिया।

विकेटकीपर-बल्लेबाज इंग्लैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारत की टीम का हिस्सा नहीं हैं, जो 22 जनवरी को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शुरू होगी। इससे पहले दिन में, भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा 23 जनवरी से शुरू होने वाले 2024-25 रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण से पहले प्रशिक्षण सत्र के लिए मुंबई की टीम में शामिल हुए।

दिल्ली को 23 जनवरी से राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ खेलना है, इसके बाद 30 जनवरी से अरुण जेटली स्टेडियम में रेलवे के खिलाफ आखिरी ग्रुप गेम खेलना है।

दिल्ली में भाजपा को जिताना चाहते हैं राहुल गांधी : आचार्य प्रमोद कृष्णम

संभल (अप्रस)। कल्कि धाम के पीठाधीश्वर एवं पूर्व कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्ण मंगलवार को आईएएनएस से बात करते दिल्ली चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाना चाहते हैं। राहुल गांधी के दिल्ली में चुनावी रैली को लेकर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने आईएएनएस से कहा, राहुल गांधी दिल्ली में भाजपा की सरकार बनवाना चाहते हैं, क्योंकि वो आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से नफरत करते हैं। राहुल गांधी दो लोगों से बहुत नफरत करते हैं, जिसमें एक पीएम नरेंद्र मोदी और दूसरे केजरीवाल हैं। वो केजरीवाल को खत्म करना चाहते हैं। विपक्षी पार्टियों का गठबंधन नहीं, बल्कि ठगबंधन था। उनका बेमेल विवाह बिना तीन तलाक के टूट गया। विधानसभा चुनाव में दिल्ली की जनता को फैसला करना है। राहुल गांधी के पीएम मोदी पर हमले को लेकर प्रमोद कृष्णम ने कहा, पीएम मोदी पर सभी निशाना साध रहे हैं। जबकि मोदी दिन-रात अपना जीवन इस देश के लिए लगा रहे हैं। कश्मीर से कन्याकुमारी और पूरब से पश्चिम तक हर जगह सिर्फ मोदी मोदी है। समाजवादी पार्टी के सांसद जिया उर रहमान वर्क के बिजली चोरी के मामले को आचार्य प्रमोद कृष्णम ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, सांसद होकर बिजली चोरी का आरोप लगा है, लेकिन सपा तो यह परंपरा है। कभी टोंटी, तो कभी बिजली और कभी भैंस चुराने का आरोप लगता रहता है। ऐसे में सपा सांसद पार्टी की परंपरा का निर्वाह कर रहे हैं। संभल प्रशासन द्वारा अवैध कब्जा मुक्त कराने और कुछ दुकानों को चिन्हित करने वाले मामले पर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि खाली जगह देखकर कब्जा कर लो और उसको वक्फ का बता दो। यह गलत है। संभल प्रशासन जनता के हित में काम कर रहा है। पहली बार कानून के मुताबिक काम हो रहा है। सीएम योगी यूपी के सीएम नहीं होते, तो पूरा प्रदेश वक्फ का हो जाता।

बसपा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए घोषित किए स्टार प्रचारक

अर्थ प्रकाश संवाददाता

नई दिल्ली, 14 जनवरी। बहुजन समाज (पार्टी) बसपा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। बसपा के 40 स्टार प्रचारकों में मायावती के बाद दूसरे नंबर पर युवा चेहरे नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद को जगह दी गई है।

बसपा की तरफ से मंगलवार को दिल्ली विधानसभा 2025 के स्टार प्रचारकों की सूची के अनुसार पार्टी प्रमुख मायावती, आकाश आनंद, लक्ष्मण सिंह, नितिन सिंह, राजाराम धर्मवीर सिंह, अशोक, सी.पी. सिंह, रणधीर बेनिवाल, सुदेश आर्य, सुजीत सम्राट, राजेश तंवर, सतीश चौधरी, शीशपाल सिंह, ललित कुमार गौतम, उत्तिलराम आजाद, नरेन्द्र पाल सिंह, सुरेश चंद गौतम, सुरेश चंद्रा, योगेश कुमार, डा. सलीम अहमद, राजकुमार, जगदीश मास्टर, उमेश पीपरिया, एड रजनी बौद्ध, शंकर लाल कर्दम, भूपेन्द्र सिंह बेधड़क, दिनेश कुमार गौतम, कैलाश माथुर, दर्शन लाल, पन्ना लाल गौतम, डा. रंजीत राम, प्रेम कुमार गौतम, राजेन्द्र प्रसाद बबल, अरूणा चौटाला, शरीफ अली गुरुदयाल सिंह गौतम, गोतम मोहन, जुगल जाटव, संजीव दोहरे, एस.पी. सागर शामिल हैं।

ज्ञात हो कि बसपा सुप्रीमो मायावती ने अकेले अपने बलबूते पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। उन्होंने उम्मीद की है कि पार्टी इस चुनाव में जरूर बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने मतदाताओं से अपील की है कि वे किसी पार्टी के लुभावने वादे के बहकावे में न आकर पूरी समझदारी से बसपा उम्मीदवारों को ही वोट करें। चुनाव आयोग के अनुसार, दिल्ली के साथ ही 5 फरवरी को मतदान होंगे।

स्कूलों को धमकी मामले में सुधांशु त्रिवेदी ने 'आप' को घेरा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

नई दिल्ली, 14 जनवरी। दिल्ली के 400 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी देने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि धमकियां देने वाला व्यक्ति कोई और नहीं, बल्कि एक बच्चा था, जो इन स्कूलों को मेल करके धमकियां भेज रहा था। पता चला है कि आरोपी बच्चे के पिता एक एनजीओ से जुड़े हुए हैं, जिसका कनेक्शन अफजल गुरु से है। अब भाजपा इस मामले में आम आदमी पार्टी पर निशाना साध रही है।

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि आम आदमी पार्टी से इस मामले में सीधा और स्पष्ट जवाब अपेक्षित है कि ऐसी घटनाओं में जो लोग शामिल हैं, उनसे उसका क्या संबंध है? क्या उनके साथ उनका कोई पूर्व संबंध रहा है?

उन्होंने कहा, 'यह स्पष्ट है कि कुछ तथाकथित एनजीओ जो देश के लिए खतरनाक कार्य कर रहे हैं, उनका संबंध आम आदमी पार्टी से बहुत पुराना है। इन एनजीओ के माध्यम से बच्चों के मन में जो जहर भरा जा रहा है, उसका प्रभाव आने वाले समय में शहर और देश पर घातक हो सकता है। इसलिए, आप से इस मामले में सीधा और स्पष्ट जवाब अपेक्षित है कि ऐसी घटनाओं में जो लोग शामिल हैं, उनसे उसका क्या संबंध है? क्या उनके साथ उनका कोई पूर्व संबंध रहा है? उनकी मुख्यमंत्री के परिवार से भी कुछ ऐसे लोग संबंध रखते थे, जिन्होंने ऐसी गतिविधियों का समर्थन किया था।'

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार में रहते हुए आप ने 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' के नारों को बढ़ावा दिया और महीनों तक अदालती कार्यवाही को रोकने की कोशिश की। अब सवाल यह उठता है कि आप का इन लोगों से क्या संबंध है? अगर वे इस संबंध में कोई स्पष्ट जवाब नहीं देते हैं, तो इसे मौन स्वीकृति माना जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राजनीति का यह पुराना ढांचा है कि आरोपों के बावजूद नेता हमेशा इनकार करते रहे हैं। जैसे लालू प्रसाद यादव, शिबू सोरेन, करुणानिधि और सुरेश कलमाड़ी ने जेल जाने के बाद भी इनकार किया था कि उनका किसी घोटाले से कोई संबंध नहीं है। यही पुरानी राजनीति की पहचान है। और अब वही चीज आम आदमी पार्टी में भी देखी जा रही है, जो खुद को नई राजनीति का पैरोकार मानती है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की स्थिति अब उतनी मजबूत नहीं रह गई है। उनका नेतृत्व, जो कभी लोगों को नए बदलाव का सपना दिखाता था, अब उन दीवारों की तरह गिरता हुआ प्रतीत हो रहा है जिनका अंत नजदीक है।

अधिकतम 17 डिग्री से.
न्यूनतम 07
सूर्योदय 7.21 बजे
सूर्यास्त 5.43 बजे

सोना 24 कैरेट	80,220.00
सेंसेक्स	76,303.01
अमेरिका	86.68
कैनेडियन	60.12
आस्ट्रेलिन	53.31

न्यूज ब्रीफ

नेशनल लोक कल्याण पार्टी और भारत गठबंधन ने दिया राजनीतिक क्रांति का आह्वान

फोटो : अजीत कौशल

चंडीगढ़ (अप्रस)। चंडीगढ़ प्रेस क्लब में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान नेशनल लोक कल्याण पार्टी (एन एल के पी) ने 80 से अधिक दलों के राजनीतिक गठबंधन भारत गठबंधन (बी जी) के साथ मिलकर आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में सभी 70 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में इंदर प्रीत सिंह (राष्ट्रीय अध्यक्ष, एन एल के पी), अमन बंदवी (राष्ट्रीय महासचिव, एन एल के पी), डॉ. सुधीर अग्रवाल (संस्थापक अध्यक्ष, बी जी) सहित अन्य वरिष्ठ नेता राम नगीना सिंह, सौदान सिंह यादव, बलदेव राज सूद, संजय शर्मा और अभिषेक ने भाग लिया। इस मौके संबोधित करते हुए इंदर प्रीत सिंह ने कहा कि आज के समय भारत संकट में है और इसे एक नए राजनीतिक आंदोलन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि युवा निराश हो चुके है, उन्हें ध्रुवीकृत और तुष्टिकरण की राजनीति के बीच फंसा दिया गया है, जो उनकी समस्याओं का समाधान करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि यह ताजा विचारों और जन-केंद्रित क्रांति का समय है। उन्होंने युवाओं से एबीसी (आप, भाजपा, कांग्रेस) का पूरी तरह से बहिष्कार करने की अपील की। इस अवसर पर भारत गठबंधन के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. सुधीर अग्रवाल ने कहा कि तीनों प्रमुख पार्टियां बेरोजगारी, महंगाई और ध्वस्त हो रही स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का समाधान निकालने में विफल रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत गठबंधन उम्मीद और वास्तविक बदलाव का प्रतीक है। वरिष्ठ नेता राम नगीना सिंह ने कहा कि यह केवल चुनाव नहीं है, यह क्रांति का आह्वान है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है, जो हर नागरिक के लिए समानता, न्याय और प्रगति को प्राथमिकता दे, न कि केवल चंद लोगों को। वर्षों से श्रमिकों के अधिकारों के लिए लड़ते आए सौदान सिंह यादव ने कहा कि श्रमिकों को दशकों से नजरअंदाज किया गया है। भारत गठबंधन हर भारतीय श्रमिक की गरिमा, अधिकार और अवसरों को बहाल करेगा। इस मौके लोकतंत्र समर्थक और बी जी के मेंटर अभिषेक ने कहा कि युवा इस देश की नींव है, हम उन्हें अवसर, शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से सशक्त करेंगे और एक नए भारत का निर्माण करेंगे।

प्रशासक ने सीटीयू की 60 बसों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सौ फीसदी इलेक्ट्रिक बसों का बेड़ा लक्ष्य

2026-27 तक सीटीयू का लक्ष्य 100 फीसदी इलेक्ट्रिक बसों का बेड़ा बनाना : राज्यपाल

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 14, जनवरी। पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने मंगलवार को मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर चंडीगढ़ ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग (सीटीयू) के बेड़े में 60 नई बसों को शामिल करते हुए इन्हें हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति जैसे पावन दिन पर इस पहल की शुरुआत करना और भी विशेष है। यह चंडीगढ़ के सार्वजनिक परिवहन को और अधिक सशक्त और आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

राज्यपाल ने बताया कि सीटीयू ने पर्यावरण के अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए बड़ी पहल की है। उन्होंने घोषणा की कि चंडीगढ़ प्रशासन का लक्ष्य है कि 2026-27 तक सीटीयू का बेड़ा 100 फीसदी इलेक्ट्रिक बसों का बन जाए। इससे न केवल डीजल की खपत में कमी आएगी, बल्कि वायु प्रदूषण में भी महत्वपूर्ण सुधार होगा। इस दिशा में प्रशासन पहले ही 80 इलेक्ट्रिक बसों को बेड़े में शामिल कर चुका है, जिससे 29.81 लाख लीटर डीजल की बचत और 7,872 मीट्रिक टन कार्बन उत्सर्जन में कमी हुई है। पीएम ई-बस योजना के तहत, 100 और इलेक्ट्रिक बसों को जल्द ही शामिल किया जाएगा।

नई शामिल की गई 60 बसें आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। इनमें इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम (आईटीएस), स्मार्ट कार्ड सुविधा और ट्राई-सिटी मोबाइल ऐप जैसी तकनीकें शामिल हैं। ये सुविधाएं यात्रियों को बस की लाइव लोकेशन, समय और किराए की जानकारी प्रदान करेंगी, जिससे यात्रा को सुगम और सुविधाजनक बनाया जा सकेगा।

फोटो : अजीत कौशल

एक ही बैंक में खाता खुलवाएं सब कर्मचारी, मिलेगी बेहतर बीमा सुविधा

इस अवसर पर राज्यपाल ने सीटीयू कर्मचारियों को भी संबोधित किया और सुझाव दिया कि सभी कर्मचारी एक ही बैंक में खाता खोलें। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से न केवल कर्मचारियों को बेहतर बीमा सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि विभाग पर प्रशासनिक कार्यभार भी कम होगा। उन्होंने यह भी कहा कि इससे कर्मचारियों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी। सीटीयू के इस बेड़े विस्तार के साथ अब इसमें कुल 684 बसें हो गई हैं। इनमें शहरी और उप-शहरी सेवाओं के लिए 438 बसें लगी हैं, जबकि 220 बसें लंबी दूरी के रूट पर संचालित होंगी। इन नई बसों में इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम (आईटीएस), स्मार्ट कार्ड सुविधा और ट्राई-सिटी मोबाइल ऐप जैसी आधुनिक तकनीकें शामिल हैं, जिससे यात्रियों को बस की लोकेशन, समय और किराए की जानकारी आसानी से प्राप्त होगी। राज्यपाल ने चंडीगढ़ ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग को राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए बधाई देते हुए इसे प्रशासन के कुशल प्रबंधन का परिणाम बताया। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने की अपील करते हुए कहा कि यह कदम पर्यावरण संरक्षण और यातायात प्रबंधन में भी मददगार होगा। इस अवसर पर राज्यपाल के साथ चंडीगढ़ प्रशासन के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य सचिव राजीव वर्मा, सचिव परिवहन अजय चगती, परिवहन निदेशक प्रद्युमन सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए इन अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की।

टंडन ने मकरसंक्रांति पर सभी देशवासियों को दी बधाई

हमारा देश सांस्कृतिक परम्पराओं के अनुरूप विभिन्न त्योहारों और पर्वों का ही देश : टंडन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़ 14 जनवरी। 'हमारा देश सांस्कृतिक परम्पराओं के अनुरूप विभिन्न त्योहारों और पर्वों का ही देश भी है। यहां के लोग अपनी अपनी परम्परा के अनुरूप किसी विशेष अवसर को त्यौहार के रूप में मना कर उसको युगों से संजोते आ रहे हैं और अपनी भावी पीढ़ी को भी इसके महत्व को बता कर उनको इस परम्परा को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करते आ रहे हैं।' यह बात भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य व् हिमाचल प्रदेश भाजपा के सह प्रभारी संजय टंडन ने मकरसंक्रांति के पावन अवसर पर गाँव दड्डुआ में आयोजित कार्यक्रम पूजा अर्चना और भंडारे वितरण के दौरान कही। कार्यक्रम का आयोजन पूर्वांचल जनकल्याण संघ चंडीगढ़ द्वारा हनुमान मंदिर में किया गया था। इस मौके पर संस्था के शशिशंकर तिवारी, धर्मेंद्र सैनी और बलजीत सिंह सिद्धू ने संजय टंडन का भव्य स्वागत किया। पूजा अर्चना और भंडारे वितरण के उपरान्त संजय टंडन ने उपस्थित सभी लोगों समस्त देशवासियों को बधाई प्रदान करते हुए कहा कि आज के दिन को हमारे देश में अलग अलग नामों से मनाया जाता है। हरियाणा, उत्तरप्रदेश और मध्यभारत में मकरसंक्रांति, उत्तराखंड में उत्तरायणी, असम में बिहू और दक्षिण में इसे पोंगल नाम से मनाया जाता है। इन त्योहारों के अलग अलग नाम और मनाने के अलग अलग ढंग होने के बावजूद एकबात है कि आपसी एकता और भाईचारा। आज के युग में लोगों को अपने करियर के लिए अपने मूल स्थान से किसी अन्य स्थान पर जाकर काम काज करना पड़ता है ऐसे में वहां वो अपने आस पास के लोगों के साथ मिलकर परम्परागत त्यौहार मना कर आपसी भाईचारे का सन्देश देते हैं यही वास्तविक महत्व है।

पीयू के संस्कृत विभाग में मनाई गई मकर संक्रांति

चंडीगढ़,14 जनवरी (अप्रस)। पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के संस्कृत विभाग में मंगलवार को मकर संक्रांति पर्व का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में संस्कृत विभाग पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला से डॉ पुष्पेंद्र जोशी जी उपस्थित रहे। मकर संक्रांति पर्व की बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि इस दिन सूर्य की मकर रेखा की ओर प्रवृत्ति होती है। पंचांग के पांच अंगों तिथि, वार, नक्षत्र, योग,करण पर चर्चा करते हुए उन्होंने आचार्य भास्कर द्वारा रचित पुस्तक लीलावती के विषय में भी विस्तृत चर्चा की। इसके साथ ही उपस्थित शोध छात्रों हेतु शोध प्रविधि पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि वस्तुतः सबसे पहले शोध कार्य करते समय हमें यह देखना चाहिए कि क्या उस विषय में हमारी रुचि है? क्या हम उसको पढ़ने के अधिकारी हैं ? अगर आप तुलनात्मक अध्ययन करते हैं तो आपको उन दोनों विषयों जिसमें आप तुलना कर रहे हैं का ज्ञान होना आवश्यक है। इस अवसर पर अर्थशास्त्र में चाणक्य द्वारा लिखित कर विधि पर भी उन्होंने अपने विचार अभिव्यक्त किये। काव्यशास्त्र में अलंकारों पर चर्चा करते हुए उन्होंने अप्यदीक्षित के कुवलयानन्द एवं रूय्यक के अलंकार सर्वस्व ग्रंथ पर अपने विचार अभिव्यक्त किये। इस अवसर पर उन्होंने पांडुलिपि विज्ञान पर शोध कार्य करने की अपार संभावनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

राष्ट्र निर्माण के लिए युवा पीढ़ी के लिए आदर्श बने रहने की आवश्यकता : राजीव वर्मा

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 14 जनवरी। नौवां सशस्त्र बल वयोवृद्ध दिवस मंगलवार को महिला भवन, सेक्टर-38 चंडीगढ़ में मनाया गया। इस दिन हमारे पूर्व सैनिकों द्वारा किए गए बलिदानों को याद किया गया। चंडीगढ़ के मुख्य सचिव राजीव वर्मा ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और चंडीगढ़ के वीरता पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। मुख्य अतिथि राजीव वर्मा ने पूर्व सैनिकों और वीर नारियों को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और राष्ट्र निर्माण के लिए युवा पीढ़ी के लिए आदर्श बने रहने की आवश्यकता पर जोर दिया।

फोटो : अजीत कौशल

उन्होंने जिला सैनिक कल्याण कार्यालय द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की दरों में वृद्धि पर प्रकाश डाला और आश्वासन दिया कि यदि उनके पास किसी भी कल्याण बिंदु या किसी भी शिकायत के संबंध में कोई सुझाव है, तो वे जिला सैनिक कल्याण कार्यालय चंडीगढ़ को लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं ताकि आवश्यक कार्रवाई/निर्देश जारी किए जा सकें। मुख्य सचिव ने कहा कि चंडीगढ़ प्रशासन पूर्व सैनिकों की सभी जरूरतों पर उनकी सहायता करने के लिए समर्पित है। चंडीगढ़ प्रशासन सभी पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और पूर्व सैनिकों के परिवारों के कल्याण को उच्च प्राथमिकता देगा।

पूर्व सैनिकों को उनके साहस, बलिदान और देश के प्रति समर्पण के लिए धन्यवाद दिया

समारोह का आयोजन जिला सैनिक कल्याण कार्यालय द्वारा किया गया था। उपायुक्त-सह-अध्यक्ष जिला सैनिक बोर्ड निशांत कुमार यादव, उपाध्यक्ष जिला सैनिक बोर्ड ब्रिगेडियर बीएस ढिल्लों (सेवानिवृत्त)भी इस अवसर पर उपस्थित थे। उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने पूर्व सैनिकों को उनके साहस, बलिदान और देश के प्रति समर्पण के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने वीर नारियों को भी विनम्र सम्मान दिया जिनके परिवार के सदस्यों ने राष्ट्र की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि जिन सैनिकों ने इस देश के लिए जो बलिदान दिया है, उसके लिए राष्ट्र पूर्व सैनिकों और उनके परिवार का ऋणी रहेगा। सशस्त्र बल वयोवृद्ध दिवस हर साल 14 जनवरी को मनाया जाता है क्योंकि 1953 में इसी दिन हमारे पहले भारतीय कमांडर-इन-चीफ फील्ड मार्शल के.एम करिअप्पा, जिन्होंने 1947 के युद्ध में भारतीय बलों की जीत का नेतृत्व किया था, औपचारिक रूप से सेवा से सेवानिवृत्त हुए थे। इस अवसर पर ब्रिगेडियर आर.एस चढठा, अतिरिक्त डी.जी पुनर्वास, पश्चिमी जोन मुख्यालय पश्चिमी कमान, चंडीमंदिर, ब्रिगेडियर बी.एस ढिल्लों (सेवानिवृत्त) निदेशक राज्य सैनिक बोर्ड, पंजाब, कर्नल जी.एस शर्मा (सेवानिवृत्त) ओ.आई.सी. आर्मी वेलफेयर प्लेसमेंट नोड, पश्चिमी कमान चंडीमंदिर, कर्नल बैंस (सेवानिवृत्त) ओ.आई.सी. पॉलीक्लिनिक, ई.सी.एच.एस चंडीगढ़ और चंडीगढ़ प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे।

100 दिवसीय सघन टीबी अभियान के तहत जागरूकता रैली का किया आयोजन

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 14 जनवरी। 100 दिवसीय सघन टीबी (टीबी) अभियान के तहत, चंडीगढ़ स्वास्थ्य विभाग ने राज्य टीबी सेल, पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज, सेक्टर 11, चंडीगढ़ के एनएसएस स्वयंसेवकों और गवर्नमेंट होम्योपैथिक कॉलेज, सेक्टर 26, चंडीगढ़ के छात्रों के सहयोग से टीबी जागरूकता रैली का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य 2025 तक टीबी को खत्म करने के भारत के मिशन के अनुरूप टीबी की रोकथाम, शीघ्र निदान और उपचार के बारे में जागरूकता बढ़ाना था।

रैली चंडीगढ़ के सेक्टर 16 स्थित सरकारी मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल (जीएमएसएच) से शुरू हुई, जिसमें 250 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का आधिकारिक उद्घाटन जीएमएसएच-16 के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुशील माही ने किया, जिन्होंने टीबी का समय पर पता लगाने और उपचार प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने के महत्व पर जोर दिया। उपस्थित लोगों को टीबी मुक्त भारत के लिए शपथ भी दिलाई गई। प्रतिभागियों ने टीबी हारेगा, देश जीतेगा और शीघ्र निदान जीवन बचाता है जैसे प्रभावशाली नारे लिखे बैनर और तख्तियां लेकर चंडीगढ़ के सेक्टर 11 स्थित पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज से प्लाजा, सेक्टर 17, चंडीगढ़ की ओर मार्च किया। रैली में लोगों को शैक्षिक पर्चे बांटे गए, जिनमें टीबी के लक्षण, राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत मुफ्त निदान और उपचार सुविधाओं की उपलब्धता और रिकवरी में पोषण की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज के छात्रों ने टीबी और इसकी रोकथाम के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए रैली के दौरान एक शक्तिशाली नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया। इस अवसर पर राज्य टीबी अधिकारी डॉ. राजेश के राणा ने कहा, यह रैली टीबी के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इससे जुड़े कलंक को दूर करने की एक महत्वपूर्ण पहल है। सरकार, स्वास्थ्य कर्मियों और समुदाय के सामूहिक प्रयासों से, हम टीबी मुक्त चंडीगढ़ प्राप्त करने के लिए आश्वस्त हैं। रैली प्लाजा सेक्टर 17 में संपन्न हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने टीबी उन्मूलन की वकालत करने और बीमारी से प्रभावित व्यक्तियों को निरंतर सहायता प्रदान करने के लिए अपने समर्पण की पुष्टि की। डॉ. मनीर मोहम्मद, डॉ. शीबा ओबेरॉय, चिकित्सा अधिकारी, राज्य टीबी सेल ने डॉ. मोनिका दारा, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. दिव्या मोंगा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों के समन्वय में रैली का आयोजन और प्रबंधन किया। चिकित्सा अधिकारी राज्य टीबी सेल ने बताया कि 2025 तक टीबी मुक्त स्थिति के वांछित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आने वाले दिनों में इस तरह के आयोजन जारी रहेंगे।

फोटो : अजीत कौशल

विवाहिता की संदिग्ध मौत, ससुरालियों पर दहेज हत्या का आरोप, केस दर्ज

अर्थ प्रकाश/रंजीत शम्मी

चंडीगढ़, 14 जनवरी। यूपी की जिला बिजनौर निवासी विवाहिता की बीती एक अप्रैल 2024 को चंडीगढ़ में संदिग्ध हालात में मौत हो गई। जिसके आधार पर मौली जागरा पुलिस ने ससुरालियों के खिलाफ दहेज हत्या की धाराओं में केस दर्ज किया है।

जानकारी के मुताबिक यूपी के जिला बिजनौर निवासी शिकायतकर्ता महिला ने पुलिस को बताया कि उसकी बेटी की शादी 25 जुलाई 2818 को बिजनौर निवासी आशिफ से हुई थी। शादी के बाद ही शिकायतकर्ता महिला की बेटी को उसका पति और अन्य। सुसराल के लोग दहेज लाने की बाबत शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे। दहेज में कार वा 5 लाख रुपए नकद वा जेवर मांगा करते थे। आरोप है कि बेटी को ना देने पर पति समेत सुसराल पक्ष मारपीट करते थे। बेटी ने आपबीती अपनी मां को बताई। मा ने किसी तरह से ढाई लाख का इंतजाम कर उसके पति को दिए। उसके बावजूद भी यह लोग संतुष्ट नहीं हुए। बेटी के साथ अमानवीय और बरूर व्यवहार करने लगे।

शिकायतकर्ता महिला का कहना है कि इन सब लोगों ने उसकी बेटी को मारने की योजना बना ली थी। आरोप है कि बेटी को मारने की कई बार धमकी दे चुके थे। अगर उनकी दहेज की मांग पूरी नहीं की तो वह उसे जान से मार देगे। मां का कहना है कि उनकी बेटी ने मौत के एक दिन पहले यह सारी बात बताई थी।और वह बहुत ही डरी और सहमी हुई थी, रो रही थी।

आरोप है कि उसका पति बेटी को मारने की योजना बनाकर और संतान होने की बाबत इलाज कराने के बहाने चंडीगढ़ ले गए।

एक अप्रैल 2024 को आरोपी पति और अन्य सुसराल पक्ष पर आरोप है कि उनकी दहेज की मांग पूरी ना होने पर उसकी संदिग्ध हालात में मौत हो गई। जिसकी जानकारी शिकायतकर्ता मां को मिली। जैसे ही मां पहुंची तो उसने देखा कि उसकी बेटी मृत पड़ी है। जिसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई थी।

पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी पति और अन्य सुसराल पक्ष के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बेटी का पोस्टमार्टम चंडीगढ़ के अस्पताल में हुआ था।

चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन का काम 80 फीसदी हो चुका पूरा

पीएम मोदी कर सकते हैं 462 करोड़ की परियोजना का उद्घाटन

रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के मुताबिक, फुटओवर ब्रिज, दोनों तरफ स्टेशन बिल्डिंग और पार्किंग फरवरी तक बनकर तैयार हो जाएगी

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 14 जनवरी। चंडीगढ़ के अलग-अलग विभागों में करोड़ों की विकास परियोजनाएं फिलहाल चल रही हैं जिनके 2025 के दौरान पूरा होने की संभावना है। इन परियोजनाओं से आम इंसान की जिंदगी बदलने जा रही है। रेलवे स्टेशन से लेकर पंजाब यूनिवर्सिटी का मल्टीपर्पज हाल, जिला अदालत में पार्किंग की सुविधा न होने से हो रही दिक्कतों पर लगाम लगेगी। चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन जिसका 80 फीसदी काम पूरा हो चुका है, इस वर्ष जनता को समर्पित हो सकता है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 462 करोड़ की परियोजना का उद्घाटन करने की संभावना है। इसके एयर कॉनकोर्स का काम प्रगति पर है। रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के मुताबिक, फुटओवर ब्रिज, दोनों तरफ स्टेशन बिल्डिंग और पार्किंग फरवरी तक बनकर तैयार हो जाएगी। नए स्टेशन में आगमन और प्रस्थान के लिए अलग-अलग क्षेत्र होंगे। 30 लिफ्टों, 10 एस्केलेटर और 12 मीटर के दो फुट-ओवर ब्रिज के साथ चंडीगढ़ और पंचकूला दोनों तरफ (60 मीटर × 42 मीटर) के जी+3 स्टेशन भवन बन रहे हैं। 25 हजार वर्गमीटर का पार्किंग क्षेत्र विकसित किया गया है। चंडीगढ़ स्टेशन पर दैनिक यात्रियों की संख्या 36 हजार है और 80 से अधिक ट्रेनें यहां से गुजरती हैं।

सेक्टर 43 जिला अदालत में 81 करोड़ की लागत से नई पार्किंग जल्द

मार्च 2025 में सेक्टर 43 में जिला अदालत परिसर में एक बहु-स्तरीय पार्किंग परिसर बनेगा। 4.5 एकड़ के भूखंड पर 81 करोड़ की लागत से इसे बनाया जा रहा है। पांच-स्तरीय पार्किंग में लगभग 2,000 कारों को जगह मिलेगी। चार मंजिला जिला अदालत परिसर में 31 अदालत कक्ष हैं। फिलहाल कोर्ट परिसर के आसपास सड़क किनारे वाहन खड़े किये जाते हैं। नवंबर 2023 में, जब पुलिस ने सड़क किनारे पार्क किए गए वाहनों के चालान जारी करना शुरू किए तो वकील हड़ताल पर चले गए। बाद में, टकराव से बचने के लिए सड़क के किनारे पार्किंग के लिए कुछ क्षेत्र चिह्नित किए गए। चंडीगढ़ जिला अदालतों में लगभग 3 हजार वकील प्रैक्टिस कर रहे हैं।

पीयू मल्टी पर्पज हॉल में इस साल करना चाहता है दीक्षांत समारोह

पंजाब विश्वविद्यालय (पीयू) मार्च 2025 से साउथ कैंपस में अपना बहुउद्देशीय सभागार खोलेगा। इस परियोजना को 2009 में तत्कालीन प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह ने लॉन्च किया था। इस परियोजना पर 80 करोड़ से अधिक खर्च किए गए हैं। शुरू में उम्मीद थी कि सभागार में 2,400 से अधिक लोगों के बैठने की क्षमता है। मुख्य सभागार के अलावा, तीन सेमिनार हॉल होंगे जिनमें 600 लोग बैठ सकते हैं। कुल कवर क्षेत्र 1.4 लाख वर्ग फुट है और परिसर में एक पार्किंग क्षेत्र, पहुंच सड़कें, सबस्टेशन, पावर बैकअप, एसी प्लांट, लिफ्ट और एक अग्निशमन प्रणाली शामिल है। इसमें एक वीआईपी वर्कशॉप, ग्रीन और रिहर्सल रूम भी हैं। पंजाब विश्वविद्यालय यहां 2024-25 का दीक्षांत समारोह आयोजित करना चाहता है।

एमसीसी मेयर चुनाव में बनते बिगड़ते समीकरण

आम आदमी पार्टी-कांग्रेस गठबंधन संदेह के घेरे में!

इस बार भाजपा को मिल सकते हैं चंडीगढ़ में मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर व डिप्टी मेयर के पद?

अर्थ प्रकाश/वीरेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 14 जनवरी। आगामी 24 जनवरी को होने वाले मेयर और डिप्टी मेयर के चुनावों को लेकर आम आदमी पार्टी की तरफ से मेयर प्रत्याशी अभी तय नहीं हो सके हैं। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार आम आदमी पार्टी चंडीगढ़ के सहप्रभारी डॉ. एस.एस. आहलूवालिया इस कार्यवश हाईकमान कार्यालय दिल्ली पहुंचे थे। किंतु दिल्ली विधानसभा चुनावों के मद्देनजर इस बात की चर्चा नहीं हो सकी।

बता दें कि 'आप' से प्रेमलता, अंजू कत्याल, जसविंदर कौर और सुमन शर्मा दावेदार हैं। किंतु अभी किसी का नाम क्लीयर नहीं हो सकता है। अटकलें यह भी हैं कि आप-कांग्रेस का चंडीगढ़ में गठबंधन रहेगा भी या नहीं। हालांकि यहां स्थानीय स्तर पर आप-कांग्रेस नेताओं में अभी गठबंधन रहने की बातचीत चल रही है। किंतु कांग्रेस भी आप की तरफ देख रही है कि पहले मेयर प्रत्याशी तय करें फिर देखेंगे। इससे लगता है कि दोनों दलों के नेताओं में आपसी खटास पनप चुकी है।

आप के दो पार्षद पूनम और नेहा अभी पार्टी से नाराज चल रही हैं। हालांकि जसबीर सिंह लाडी लोकल लीडरशिप से नाराज हैं। किंतु अरविंद केजरीवाल के प्रति वह अभी आस्था जताते हैं। इसलिए वह पार्टी के खिलाफ नहीं हैं।

मेयर प्रत्याशी तय होने पर कांग्रेस की रणनीति बनेगी

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष एच.एच. लक्की ने कुछ दिनों पूर्व पार्षदों की एक बैठक बुलायी थी। इसमें कहा गया था कि पार्टी पार्षद एकजुट होकर चलें और किसी अन्य की बातों में न आयें। आप का मेयर प्रत्याशी तय होने के बाद ही अगली रणनीति बनेगी। हालांकि मीटिंग में शहर के विकास कार्यों को लेकर विचार-विमर्श किया गया था। पार्षदों से अपने वार्ड के लोगों की समस्याओं को सुनने और उनके हल निकालने के लिए कहा गया था। इस बैठक में पार्षदों के अलावा दो पार्षद पति भी शामिल थे। बाद में मेयर चुनाव को लेकर चर्चा होगी।

भाजपा प्रत्याशी आज आयेंगे चंडीगढ़

भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ प्रभारी सांसद अतुल गर्ग आगामी 15 जनवरी को चंडीगढ़ पहुंच रहे हैं। इससे पूर्व वह विगत शुक्रवार को यहां आने वाले थे। उनके आने पर ही भाजपा की तरफ से चंडीगढ़ मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर पद के लिए प्रत्याशियों के नामों पर भी विचार विमर्श होगा। हालांकि भाजपा में मेयर प्रत्याशी हरप्रीत कौर बबला का नाम लगभग तय माना जा रहा है। किंतु अंदरखाते कुछ लोगों ने भी इच्छा जतायी है। अब मेयर चुनाव जीतने की रणनीति पर चर्चा की जायेगी।

गठबंधन के बाद भी क्रॉस हो सकी हैं वोटें

आप-कांग्रेस गठबंधन मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर व डिप्टी मेयर का चुनाव लड़ती भी है तो इस बार आम आदमी पार्टी के दो से तीन पार्षदों के वोट क्रॉस होने की अटकलें लगायी जा रही है। यही नहीं एक से दो पार्षद कांग्रेस के भी भाजपा के संपर्क में हैं। तात्पर्य यह कि पार्टी में ही रहकर वोट क्रॉस कर सकते हैं। इससे गठबंधन का मेयर प्रत्याशी मतगणना में पिछड़ सकता है। इस बार वोट क्रॉस होने की पूरी संभावना जतायी जा रही है। यदि आप-कांग्रेस दोनों ही दलों ने अपने पार्षद के साथ मीटिंग करके तामले बनाकर नहीं रखा तो कम से कम चार वोटें क्रॉस होने की संभावनाएं हैं। इसके लिए भाजपा नेता काफी संयम से काम कर रहे हैं।

गठबंधन कायम है: आहलूवालिया

आम आदमी पार्टी चंडीगढ़ के सहप्रभारी का कहना है कि अभी तक गठबंधन कायम है। मेयर प्रत्याशी का फैसला हाईकमान द्वारा तय किया जायेगा। बता दें कि यदि सब कुछ ऐसे ही चलता रहा तो इस बार मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर व डिप्टी मेयर सहित तीनों प्रमुख पदों पर भाजपा काबिज हो सकती है। किंतु अभी कुछ भी कहना समय के पूर्व होगा।

सम्पादकीय

श्रीनगर-दिल्ली के बीच की दूरियां अब गुजरे जमाने की बात

यह वही जम्मू-कश्मीर है, जहां आज से कुछ समय पहले तक आतंकवाद का वह दौर जारी था, जिसने न केवल इसे पूरे देश से बल्कि दुनिया से भी अलग-थलग कर दिया था। मोदी सरकार ने घाटी को देश से अलग करने वाले अनुच्छेद 370 को खत्म करके जिस प्रकार यहां के रास्ते शेष भारत के लिए खोले थे, अब उन्हीं रास्तों पर आगे बढ़ते हुए जम्मू-कश्मीर भारत में घुल मिल चुका है। श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर गगनगीर व सोनमर्ग के बीच 6.4 किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण घाटी के विकास की कहानी में एक और अध्याय बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सुरंग का लोकार्पण करके देश को वह ताकत प्रदान की है, जोकि विरोधी पड़ोसी देशों की पेशानी पर नया बल डाल रही है, वहीं आतंकियों को भी अब छिपने को मजबूर कर रही है। सोनमर्ग सुरंग का निर्माण जम्मू-कश्मीर के विकास की दिशा में मील का पत्थर का साबित होगा वहीं सामरिक दृष्टि से भी इस सुरंग ने अब विरोधी देशों के समक्ष भारत को और प्रखरता से स्थापित कर दिया है। देश के लिए अपनी सीमाओं की रक्षा सर्वोपरि है और लेह-लद्दाख में चीन के साथ लगती सीमा पर भारतीय सुरक्षा बलों का पहुंचना अब कुछ मिनटों की बात होगी।

अगर सोनमर्ग सुरंग ने देश को सीमा के आखिरी छोर तक जोड़ दिया है तो इस उद्घाटन कार्यक्रम के जरिये श्रीनगर और दिल्ली के बीच की दूरियां भी घट चुकी हैं। एक वह दौर था, जब घाटी में सरकार के सुर दिल्ली से जुदा ही रहते थे। बीती तमाम सरकारों के समय ऐसा हुआ जब राज्य सरकार अपने ही मंसूबे लेकर बैठी रही और प्रदेश का विकास आगे नहीं बढ़ सका। हालांकि अनुच्छेद 370 के खात्मे के बाद केंद्र सरकार ने घाटी में खुद शासन चलाया और यहां के राजनीतिक दल दिन-रात यह कहते नहीं थकते कि घाटी में लोकतंत्र को खत्म कर दिया गया है।

अगर सोनमर्ग सुरंग ने देश को सीमा के आखिरी छोर तक जोड़ दिया है तो इस उद्घाटन कार्यक्रम के जरिये श्रीनगर और दिल्ली के बीच की दूरियां भी घट चुकी हैं। एक वह दौर था, जब घाटी में सरकार के सुर दिल्ली से जुदा ही रहते थे। बीती तमाम सरकारों के समय ऐसा हुआ जब राज्य सरकार अपने ही मंसूबे लेकर बैठी रही और प्रदेश का विकास आगे नहीं बढ़ सका। हालांकि अनुच्छेद 370 के खात्मे के बाद केंद्र सरकार ने घाटी में खुद शासन चलाया और यहां के राजनीतिक दल दिन-रात यह कहते नहीं थकते कि घाटी में लोकतंत्र को खत्म कर दिया गया है। यहां बार-बार इसकी मांग की जाती थी और विरोधी देश अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर चीखते हुए ऐसा कहते थे कि घाटी के लोगों पर अन्याय और अत्याचार हो रहा है। उस समय विपक्ष के तमाम नेताओं को नजरबंद भी किया गया और इसकी पुरजोर आलोचना की गई। हालांकि उस समय जो हुआ, वह उन हालात के लिए आवश्यक था। केंद्र सरकार ने अपने वादे के अनुसार तय समय पर चुनाव सुनिश्चित कराए और चुनाव आयोग ने अपनी भूमिका का निर्वाह करते हुए निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराए। अब बदले दौर की कहानी सुनिए कि राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी चुनाव आयोग की प्रशंसा कर रहे हैं। हालांकि उनकी नेशनल कांफ्रेंस उसी इंडिया गठबंधन की हिस्सेदार है, जोकि चुनाव आयोग को पानी पीकर कोस रहा है और देश में लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के बीच जो तारतम्य नजर आया है, वह आज की राजनीति के लिए सबक है। बेशक, राजनीतिक विचारधारा अपनी जगह है, लेकिन जनता के कल्याण के लिए विरोधियों को भी एक मंच पर और एक विचार के साथ सामने आना चाहिए। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाई थी और वे एक सुलझे हुए राजनेता हैं। मुख्यमंत्री का पदभार संभालने के बाद ही उन्होंने इसकी उम्मीद जताई थी कि अब श्रीनगर और दिल्ली के बीच की दूरी खत्म होगी। जाहिर है, उनके लिए घाटी का विकास प्राथमिकता है न कि देश में ही कई अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों की भांति केंद्र के साथ टकराव रखकर विकास कार्यों से वंचित रहना। यह सच है कि विकास के लिए स्वार्थी होना पड़ता है, अगर एक राज्य सरकार यह मानकर चल रही है कि वह अपने आप में संपूर्ण है और केंद्र की उसे जरूरत नहीं पड़ेगी तो यह नासमझी होगी। जम्मू-कश्मीर किसी एक राजनीतिक दल की जरूरत नहीं है, यह देश का शीर्ष है और इसकी चमक पूरी दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाती है। इसका विकास यह साबित करता है कि किस प्रकार देश ने किसी दुश्मन देश की कुचालों को जवाब देते हुए एक अशांत हो चुके प्रदेश में मुहब्बत और तरक्की के फूल खिलाए हैं। हालांकि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने घाटी को राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग भी की है, जिस पर प्रधानमंत्री मोदी ने सही समय पर निर्णय लेने का आश्वासन दिया है। वास्तव में घाटी के बदल चुके हालात अब इसे देश के अन्य राज्यों की तुलना में तेजी से विकास पथ पर ले जा रहे हैं। इस अनुपम कार्य में यहां की जनता का सहयोग भी प्रशंसनीय है। घाटी में लोगों ने यह चाहा है कि यहां के हालात बदलें और चुनाव में उन्होंने भारी मतदान करके इसकी इच्छा जताई थी कि वे यहां बदलाव चाहते हैं। घाटी में परिवर्तन की बयार अब और तेज होने की उम्मीद है और यही पूरे देश की पुकार है।

नए साल में नशामुक्त हरियाणा का संकल्प पूरा होगा?

अमित शाह ने MANAS-2- एप व हेल्पलाइन की शुरुआत की

हरियाणा के खानपान व युवाओं को लेकर वर्षों से गीत गाने बनते रहे हैं और कई गीतों ने तो लोकगीतों का रूप धारण किया है, जो आज भी हर किसी की जुबान पर हैं । 'देसां मैं देश हरियाणा - जित दूध दही का खाणा', 'हरियाणा का हर छोरा छः फुट का लागै सै- तगड़ेपन का सबके दिल मैं खटका लागे सै।', इसी खानपान व बेहतर स्वास्थ्य की वजह से आज भारतीय सेना में हर दसवां जवान हरियाणा से है। इतना ही नहीं खेल जगत में भी हरियाणा के युवाओं ने अपने प्रदेश के साथ-साथ हिंदुस्तान को नई पहचान दी है। अब प्रदेश का युवा नशे की लत में जकड़ता जा रहा है। यह प्रदेश की सरकार के साथ-साथ, सामाजिक संस्थाओं समाजसेवियों, शिक्षण संस्थाओं व आमजन के लिए बहुत ही चिंतनीय विषय है।

ऐसा कोई नशा नहीं है, जो हरियाणा में प्रयोग न किया जा रहा हो। शराब, कच्ची शराब, नकली शराब, चिट्टा, अफीम, गांजा, हेरोइन व नशीली दवाओं से लेकर स्नेक बाइट तक के मामले सामने आ रहे हैं। नशा करने वालों में 18 से 35 वर्ष के युवाओं की संख्या अधिक है। हरियाणा में नशे की समस्या भयावह हो चुकी है। हरियाणा के युवाओं की जवानी खत्म हो रही है। सरकार खुद मानती है कि 22 जिलों में से डेढ दर्जन के लगभग जिले नशे की गंभीर चपेट में हैं। अब हरियाणा सरकार ने प्रदेश से नशे को जड़मूल से खत्म करने के लिए नए साल में नशा मुक्ति हरियाणा का संकल्प लिया है। हरियाणा में तीसरी बार बनी भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने संकल्प लिया है कि इस साल हरियाणा के 70 प्रतिशत गांवों को नशा मुक्त किया जाएगा। राज्य सरकार के दावों के अनुसार अब तक प्रदेश के लगभग 50 प्रतिशत यानी आधे गांव नशा मुक्त किये जा चुके हैं। इन दावों में कितनी सच्चाई है, यह तो प्रदेश की खुफिया विभाग की रिपोर्ट बताती है कि प्रदेश के गांवों में और तेजी से नशा बढ़ रहा है, अभी भी 900 से ज्यादा गांव नशे से बेहद प्रभावित हैं। लगभग सभी जिलों में ओसतन दो-दो दर्जन गांव शामिल हैं।

हरियाणा में बढ़ते नशे के मामलों की गवाही सरकार के आंकड़े भी दे रहे हैं। वर्ष 2024 यानि गत वर्ष में एनडीपीएस एक्ट के तहत कुल 3000 के लगभग केस दर्ज किए जा चुके हैं और 4000 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इन आंकड़ों के अनुसार प्रतिदिन लगभग आधा दर्जन और हर महीने सवा दो सो मामले सामने आ रहे हैं। हर रोज एक दर्जन और हर महीने साढे तीन सौ से अधिक नशा तस्करों को पकड़ा जा रहा है। इनके अलावा ऐसे भी बहुत से मामले हैं, जो दर्ज ही नहीं किए गए या रिपोर्ट ही नहीं हुए।

नशा तस्करों पर शिकंजा कसने के हरियाणा पुलिस के दावे धीरे धीरे कमजोर पड़ते नजर आ रहे हैं। पुलिस तस्करों का नेटवर्क नहीं तोड़ पा रही बल्कि हरियाणा के भविष्य को खोखला कर रहे नशा तस्करों ने नेटवर्क और मजूबत किया है। खासकर पंजाब, राजस्थान, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के साथ लगते जिलों में नशे के मामले अधिक सामने आ रहे हैं। राज्य नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की 2023-24 की रिपोर्ट में ये भी सामने आया है कि हरियाणा में नशे की सप्लाई में 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। ये स्थिति तो तब है कि जब बढ़ते नशे के मामले की खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पिछले तीन साल में दो बार उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में नशे पर चिंता जता चुके हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को नई दिल्ली में 'ड्रग तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा' पर क्षेत्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की। गृह मंत्री ने ड्रग विनिष्टीकरण पखवाड़े का शुभारंभ, हृष्टक्र के भोपाल

जोनल यूनिट के नए कार्यालय परिसर का उद्घाटन व सबसे महत्वपूर्ण काम MANAS-2 हेल्पलाइन के 36 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में विस्तारीकरण की शुरुआत की। उन्होंने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों व अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे MANAS एप और टोल फ्री नंबर को लोकप्रिय बनाएं। टोल फ्री नंबर पर आने वाले सभी कॉल्स पर त्वरित और परिणामलक्षी कार्यवाही कर इसकी विश्वसनीयता बढ़ाना भी हमारी साझा जम्मिदारी है। गृहमंत्री के अनुसार इस हेल्पलाइन पर 25 हज़ार से अधिक लोगों ने रिस्पॉड किया है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि जो भी फोन आए उस पर हम कार्रवाई करें, तभी यह प्रयास परिणामलक्षी बन सकेगा और नशामुक्त भारत की सिद्धि में मदद करेगा।

सम्मेलन में पंजाब के राज्यपाल और चण्डीगढ़ के प्रशासक गुलाब चन्द कटारिया, जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के वरिष्ठ इस बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि हरियाणा सरकार ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लड़ाई में पड़ोसी राज्यों के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए पंचकूला में अंतर्राज्यीय सचिवालय की स्थापना की है। इस सचिवालय से हरियाणा उत्तरी राज्यों पंजाब, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, उत्तराखंड और राजस्थान से मादक पदार्थों की तस्करी और आवाजाही के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी सांझा करेगा।

केंद्रीय जांच एजेंसियों के अनुसार हरियाणा के 16 जिले नशे से सबसे अधिक प्रभावित हैं। इनमें पहला नंबर सिरसा और फतेहाबाद का आता है। इनके बाद हिसार,रेवाड़ी, यमुनानगर, अंबाला, जींद, कैथल, फरीदाबाद, गुरुग्राम, करनाल, रोहतक, सोनीपत, कुरुक्षेत्र, नूंह व पलवल जिलों का नंबर आता है।

प्रदेश में हर साल औसतन 47 से 50 युवक नशे के कारण दम तोड़ रहे हैं। साल 2022 में 84 युवाओं ने नशे के कारण जान गंवाई थी। हरियाणा में इसमें हेरोइन,गांजा,चरस,अफीम,स्मैक, कैप्सूल और कफ सिरप जैसे नशे शामिल हैं। 2023 में लोकसभा में रखे आंकड़ों के मुताबिक 2014 से 2024 के बीच नशे से हरियाणा में 500 से ज्यादा मौत हो चुकी हैं। अब हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के लिए और नशे का नैक्सस तोड़ने के लिए पुलिस अधिकारियों को फ्री हैंड दे दिया है और कहा है कि अधिकारियों को 3 मोर्चों पर प्रभावी रुप से काम करना होगा।पहला जहां से नशा तस्कर होता है, दूसरा जहां नशा रुकता है और जहां सप्लाई होता है। अब देखने वाली बात ये है कि हरियाणा पुलिस समाजिक संस्थाओं और आमजन के साथ बेहतर समनव्य स्थापित कर कितनी ईमानदारी और दृढ इच्छा से काम कर पाती है, तभी सरकार द्वारा नए वर्ष में लिया गया नशा मुक्त हरियाणा का संकल्प पूरा हो पाएगा।

-सतीश मेहरा

अर्थ प्रकाश में **34 साल पहले** आज का दिन

पंचायती चुनाव: पंजाब सरकार के लिए एक चुनौती

चंडीगढ़। पंजाब में आज पंचायत चुनाव शुरु हो गये है। ये चुनाव सरकारी दफ्तरों से लेकर गांवों की चौपाल तक सबकी उत्सुकता, दिलचस्पी व गर्मागर्म बहस का विषय बने हुए है। याद रहे बेअंत सिंह सरकार को अस्तित्व में आए एक साल पूरा हो रहा है इस बीच पंजाब सरकार ने कितना खोया, कितना पाया- इसका निर्णय कांग्रेस को इन चुनावों में मिले स्थान को देखकर ही हो जाएगा। इसमें कोई शक नहीं कि पंजाब की हालत में पहले से काफी सुधार हुआ है। सरकार ने पुलिस महानिदेशक केपीएस गिल के नेतृत्व में पुलिस तथा सुरक्षा बलों की सहायता से पंजाब की जनता का खोया हुआ विश्वास लौटाया है। हिंसक घटनाओं में कभी व शांत वातावरण स्पष्ट ही द्रष्टव्य है। बेअंत सिंह सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उसने अकालियों को इस चुनाव में हिस्सा लेने के लिए मजबूर कर दिया है। जनवरी 1992 में हुए चुनावों में भाग न लेकर अकालियों ने जो गलती की थी वे उसेदोहराना नहीं चाहते। इन चुनाव में मुख्य टक्कर कांग्रेस व अकालियों में ही है। कांग्रेस ने अपने चुनाव प्रसार का मुख्य मुद्दा बनाया है- पिछले एकसाल में हुई अपनी उपलब्धियों की, खास कर पंजाब की सुधरती हुई दशा व शांति की बहाली की। दूसरी तरफ अकालियों के चुनाव प्रसार का मुख्य मुद्दा है सरकार द्वारा की गई कथित ज्यादतियों, कई अकाली कार्यकर्त्ताओं की गिरफ्तारियां तथा सुरक्षा बलों व पुलिस के साथ हुई झूठमुठ की मुठभेड़ों को। जहां कांग्रेस कोअपनी सफलता का पूरा विश्वास हैवहीं अकालियों को अपनी विजय पर कोई शक नहीं।

ज्ञान सागर : देखें आज के दिन क्या घटा

- 1759- लंदन के मोंटेगुवे हाउस में मानवीय इतिहास और सभ्यता पर आधारित दुनिया के सबसे बड़े संग्रहालयों में से एक ब्रिटिश संग्रहालय की स्थापना हुई।
- 1784- विलियम जोंस ने कोलकाता के फोर्ट विलियम में एशियाटिक सोसायटी की स्थापना की। बाद में इसका नाम एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल हो गया।
- 1934- भारत में बिहार और नेपाल के सीमावर्ती इलाकों में आए जबरदस्त भूकंप से करीब 11 हजार लोगों की मौत।
- 1949- के एम करियप्पा ने भारतीय थल सेना के पहले कमांडर-इन-चीफ का पदभार ग्रहण किया। उस दिन से 15 जनवरी को सेना दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- 1956- बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती का जन्म।
- 1965- भारतीय खाद्य निगम की स्थापना।
- 1986- जनरल के एम करियप्पा (सेवानिवृत्त) को आजन्म मानद फील्ड मार्शल बनाया गया।
- 1986- इंडियन एयरलाइंस की एक वाणिज्यिक यात्री उड़ान को पहली बार केवल महिला चालक दल ने संचालित किया।
- 1988- भारत के पूर्व गेंदबाज नरेंद्र हिरवानी ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुये वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने पहले टेस्ट मैच में ही 16 विकेट लिए।
- 1998- भारत के भूतपूर्व कार्यकारी प्रधानमंत्री गुलज़ारीलाल नन्दा का निधन।
- 2008- खगोलविदों ने धरती से 25 करोड़ प्रकाश वर्ष दूर की आकाश गंगा पर जीवन के लिये जरूरी तत्व खोजने का दावा किया।
- 2009- दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित प्रसिद्ध फ़िल्म निर्माता तपन सिन्हा का निधन।
- 2010- तीन घंटे से भी अधिक की अवधि वाला शताब्दी का सबसे लंबा सूर्य ग्रहण लगा। भारत में यह 11 बजकर छह मिनट पर शुरू होकर 3 बजकर पांच मिनट पर खत्म हुआ।
- 2013- सीरिया की अलेप्पो यूनिवर्सिटी पर रॉकेट हमले में 83 लोगों की मौत, 150 लोग घायल।
- 2016- पश्चिमी अफ्रीकी देश बुर्किना फासो में ऑगाडोगू के होटल में आतंकवादी हमले में 28 लोगों की मौत, 56 अन्य घायल।

बोल ब्यूटीफुल

शेखर कपूर: लास एंजिलिस में लगी आग में करोड़ों डालर की संपत्ति खाक होने को मुख्य चिंता के रूप में पेश किया जा रहा है, लेकिन याद रखिए कि घर तो घर ही होता है, चाहे वह दुनिया के किसी भी कोने में हो। इसी तरह मानवीय जीवन भी अनमोल है, चाहे वह कहीं भी हो। जलवायु संकट हर जगह दस्तक दे चुका है। आग जोर पकड़ने से पहले संपत्ति का मूल्य नहीं देखती।

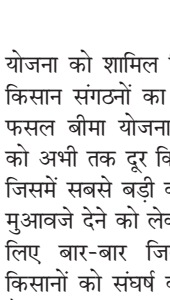

अमिताभ अग्निहोत्री: विश्व के विशालतम आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक समागम महाकुंभ का तीर्थराज प्रयाग में शुभारंभ हो गया। संतों की आध्यात्मिक आभा और कल्पवासियों की श्रद्धा से आलोकित यह महाकुंभ अद्भुत है। भारत के स्व और आत्म तत्व का शंखनाद भी यह महाकुंभ।

मुद्दा

तीन कृषि कानूनों की बैकडोर से एंट्री कराने की कोशिश

कृषि क्षेत्र देश की आर्थिक स्थिरता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत में कृषि को शोषण से बचाने के लिए सरकारी मंडी व्यवस्था लागू की गई थी। देश के विभिन्न प्रदेशों में कृषि उपज विपणन विनियमन अधिनियम, 1956 (एपीएमआर) के अंतर्गत राज्य सरकारों को स्वायत्तशासी कृषि उपज विपणन मंडी समिति (एपीएमसी) द्वारा सरकारी प्राथमिक और सब मंडियां स्थापित करने के लिए प्रावधान दिए गए हैं। यह अधिनियम क्षेत्र में उत्पादित कृषि खाद्यान्नों और अन्य उत्पादों दाल, तिलहन, चीनी, फल, सब्जी, दूध, डेयरी उत्पाद मीट, मछली, पोल्ट्री चिकन, भेड़, बकरी, पटसन, नारियल, मूंगफली को अधिसूचित करता है। इसका उद्देश्य किसानों की कृषि उपज को बिक्री और भंडारण के लिए उचित व्यवस्था देना है। इन उत्पादों की पहली बिक्री अधिनियम के अंतर्गत गठित एपीएमसी के संरक्षण में मंडी में होगी।

किसान संगठनों का कहना है कि हालांकि, एपी एमसी अधिनियम के अंतर्गत मंडी व्यवस्था में ढांचागत सुधारों की आवश्यकता है, लेकिन जो संरक्षण किसानों को इस अधिनियम के अंतर्गत मिल रहा है, उसको भी सुधारों के नाम पर वर्तमान सरकार खत्म करने की नीतियों को बढ़ा रही है। किसानों को कृषि के उत्पादन में होने वाली कठिनाइयों के समाधान करने की बजाय सरकार ऐसी नीतियों को लागू कर रही है, जो सीधे पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए हैं।

वर्ष 2020 में लाये गए तीन कृषि कानूनों को रद्द करवाने के लिए एक लम्बा आंदोलन किसानों ने किया था। अब फिर से उन कानूनों को नए प्रारूप में सरकार राज्यों के द्वारा आगे बढ़ा रही है। नेशनल पालिसी ड्राफ्ट फ्रेमवर्क ऑन एग्रीकल्चर मार्केटिंग का मसौदा इसका सबूत है। 4 जनवरी को हरियाणा के टोहाना में हुई महापंचायत में किसान संगठन के नेताओं ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि सरकार के द्वारा लाये जा रहे इस नए मसौदे का पूरे देश में विरोध किया जायेगा। किसान नेताओं और पंजाब सरकार ने इस नीति की आलोचना करते हुए कहा है कि यह 2020 में पेश किये गए तीन कृषि कानून और किसानों के विरोध के बाद 2021 निरस्त किये गए कानूनों से ज्यादा घातक है।

तीन कृषि कानून 2020 में भारत की संसद में पास किये गए थे, जिन्हें किसान संगठनों के विरोध के बाद दिसंबर, 2021 में निरस्त कर दिया गया था। उनमें पहला कानून किसान उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) अधिनियम, 2020 था। इस कानून में किसानों को अधिसूचित मंडियों के बाहर अपनी उपज बेचने की अनुमति दी गई थी।

इसका उद्देश्य किसानों को अधिक विकल्प और बेहतर मूल्य प्रदान करना बताया गया था, लेकिन किसानों की आशंका थी कि ऐसा करने से स्थापित मंडी व्यवस्था टूट जाएगी और किसानों को अपनी फसल बड़े व्यापारियों द्वारा बनाई गई प्राइवेट मंडियों में औने-पौने दामों में बेचने के लिए विवश होना पड़ेगा। किसान फिर से शोषण के कुचक्र में फंस जाने को बाध्य होगा।

नए नेशनल पालिसी फ्रेमवर्क ड्राफ्ट ऑन एग्रीकल्चर मार्केटिंग का मसौदा एपीएमसी के तहत बनाई गई किसान पारम्परिक मंडियों के समानांतर निजी खरीददारों व अन्य उपभोक्ताओं को प्रत्यक्ष रूप में कृषि उपज खरीदने के लिए प्राइवेट मंडी बनाने पर प्रावधान करता है। यह गोदामों और शीत भंडारण सुविधाओं जैसे स्थायी बुनियादी ढांचे में निजी पूंजी के प्रवेश को प्रोत्साहित करता है। कृषि क्षेत्र में दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए डिजिटल ट्रेडिंग और इ-मार्केटिंग को बढ़ावा देता है, जिस का सीधा प्रभाव किसानों के सीमित कार्यप्रणाली पर पड़ेगा और किसानों के शोषण को निजी बड़े कॉर्पोरेट्स के हवाले करने की कवायद बन सकता है।

दूसरा कानून मूल्य आश्वासन और कृषि सेवाओं पर किसान (सशक्तिकरण और संरक्षण) अधिनियम, 2020 था, जिसमें अनुबंध खेती के लिए ढांचा प्रदान किया गया था। किसानों को कृषि व्यवसाय फर्मों प्रसंस्करणकर्ता थोक विक्रेताओं निर्यातकों या बड़े खुर्द व्यापारियों के साथ पूर्व सहमत मूल्य पर भविष्य के कृषि उपज बिक्री के लिए अनुबंध करने के लिए सक्षम बनाया गया था।

मसौदा नीति निजी निवेश और बुनियादी ढांचे के विकास में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप को बढ़ावा देता है, जो कि निरस्त किये गए दूसरे कानून कृषक मूल्य आश्वासन समझौता के अनुरूप ही है। किसानों की चिंताएं हैं कि सरकार निरस्त किये गए कानूनों के कुछ प्रावधानों को इसमें शामिल कर रही है। इसके अलावा मसौदे में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पद्धति को सुनिश्चित और सुदृढ़ करने के कोई सुझाव नहीं, जिससे आशंका बढ़ती है कि किसी अन्य वैकल्पिक व्यवस्था के नाम पर न्यूनतम समर्थन मूल्य को कमजोर किया जा सकता है।

इस नई नीति में त्वस्ज्ञ पर राज्यों के वित्त मंत्रियों की अधिकार प्राप्त परिषद के समरूप राज्य कृषि मंत्रियों की अधिकार प्राप्त कृषि विपणन सुधार परिषद के गठन का प्रस्ताव है, जो कि संघीय ढांचे में निहित राज्यों के कृषि क्षेत्र पर अधिकार को सीमित करता है। इस नीति में एग्री ट्रेड को सुगम बनाने के प्रस्ताव भी हैं। कृषि के जानकारों का मानना है कि यह सीधे-सीधे बड़े कॉर्पोरेट्स के लिए एग्री ट्रेड में निवेश का रास्ता बनाया गया है।

इसमें फसल बीमा योजना के आधार पर फसल मूल्य बीमा योजना को शामिल किया गया है। किसान संगठनों का कहना है कि फसल बीमा योजना की खामियों को अभी तक दूर किया नहीं गया, जिसमें सबसे बड़ी कमी समय पर मुआवजे देने को लेकर है, जिसके लिए बार-बार जिला स्तर पर किसानों को संघर्ष करना पड़ रहा है।

आवश्यक वस्तु (संशोधन) अधिनियम, 2020 अनाज, दालें, तिलहन, खाद्य तेल, प्याज और आलू जैसी वस्तुओं को आवश्यक वस्तुओं की सूची से हटा दिया गया, जिसका उद्देश्य इन वस्तुओं के उत्पादन, भंडारण और बिक्री को नियंत्रण मुक्त करना था। इसके बारे में नए मसौदे कोई स्पष्टता नहीं दी गई है।

किसान संगठनों ने टोहाना में फैसला किया है कि इस नई नीति के विरोध फिर से आंदोलन करना होगा, जो पूरे देश में सभी संगठन मिलकर करेंगे। वर्तमान में चल रहे किसान आंदोलन पर राष्ट्रीय संयुक्त किसान मोर्चा के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा है कि किसान अपनी मांगों के लिए केंद्र सरकार के खिलाफ मिलकर ल?ेंगे और मांगें मंजूर होने तक खनौरी और शम्भू मोर्चों पर आंदोलन जारी रहेगा।

रिपोर्ट: जगदीप सिंह सिंधु

सभी पात्र परिवारों को जल्द ही मिलेंगे 100-100 गज के प्लाट: मुख्यमंत्री

सीएम नायब सैनी ने हाउसिंग फॉर आल विभाग की सभी योजनाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

- बुनियादी सुविधाओं के लिए 100 करोड़ रूपए की राशि की पहले ही स्वीकृत
- हाउसिंग बोर्ड के प्रॉपर्टी मैनेजमेंट सिस्टम को परिवार पहचान पत्र के साथ जोड़े

अर्थ प्रकाश संवाददाता

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ में हाउसिंग फॉर आल बैठक की अध्यक्षता करते हुए। फोटो: अजय गौतम

चंडीगढ़, 14 जनवरी। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 'मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना' और 'प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना' के तहत प्रदेश सरकार सभी गरीब परिवारों को जल्द ही आशियाना उपलब्ध कराएगी। इसके लिए हाउसिंग फॉर आल विभाग द्वारा सभी आवश्यक प्रबंध किये जा चुके हैं। प्रदेश के पात्र लोगों को 100-100 वर्ग गढ़ के प्लाट आबंटन की प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से पूर्ण की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहाँ आयोजित की गई हाउसिंग फॉर आल विभाग की समीक्षा बैठक में यह जानकारी प्रदान की गई।

योजना के तहत 100-100 वर्ग गज के प्लॉट शहरों की तर्ज पर सभी बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित विकसित कॉलोनियों में दिए जाएंगे। इसके लिए मुख्यमंत्री द्वारा 100 करोड़ रूपए की राशि की स्वीकृति पहले ही प्रदान की जा चुकी है।

बैठक में मुख्य सचिव डॉ विवेक जोशी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता, वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ साकेत कुमार, हाउसिंग फॉर आल विभाग के आयुक्त एवं सचिव मोहम्मद शाईन, महानिदेशक श्री जे गणेशन, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के मुख्य प्रशासक श्री चंद्रशेखर खरे सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

पेमेंट के लिए लोन की भी हो व्यवस्था

बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र परिवारों को फ्लैट या प्लाट आबंटन के लिए दी जाने वाली राशि को बैंकों के माध्यम से फाइनेंस करवाए जाने की सुविधा भी हो ताकि एकमुश्त भुगतान की व्यवस्था न होने की स्थिति में भी कोई पात्र परिवार योजना के लाभ से वंचित न रहे। बैठक में बताया गया कि योजनाओं के तहत प्रदेश में ऐसे सभी पात्र परिवारों को चिन्हित किया जा चुका है, जिनके पास अपने स्वयं के घर, घर बनाने के लिए जमीन अथवा फ्लैट नहीं है और जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से कम है। मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत 5 लाख से अधिक लोगों ने 100 वर्ग गज के प्लॉट के लिए आवेदन किया है और सभी पात्र लाभार्थियों को जल्द ही विभिन्न चरणों में प्लॉट मिलेंगे। इसकी प्रकार, योजना के तहत महाग्राम पंचायतों में 50 वर्ग गज के प्लाट आबंटित किये जायेगे। इसी प्रकार, राज्य सरकार द्वारा 'मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना' के तहत शहरों में रहने वाले वाले लगभग 2.89 लाख से अधिक ऐसे परिवारों द्वारा घर के लिए आवेदन किया गया था, जिनके पास अपना घर नहीं है और जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से कम है। इसमें प्लाट के लिए लगभग 1.51 लाख तथा फ्लैट के लिए 1.38 लाख लोगों ने आवेदन किया है। इसमें से 15256 को गत वर्ष प्रोविजनल अलॉटमेंट लेटर जारी किये जा चुके हैं।

हाउसिंग बोर्ड के प्रॉपर्टी मैनेजमेंट सिस्टम को परिवार पहचान पत्र के साथ जोड़ें: मुख्यमंत्री

बैठक में जानकारी दी गई कि हाउसिंग बोर्ड हरियाणा ने लगभग 80,000 आवंटियों के डेटा के प्रबंधन के लिए प्रॉपर्टी मैनेजमेंट सिस्टम सॉफ्टवेयर को सफलतापूर्वक डिजाइन और विकसित किया है। इससे पहले, संपत्तियों के सभी रिकॉर्ड भौतिक बहीखातों में एस्टेट मैनेजरों द्वारा मैन्युअल रूप से बनाए रखे जाते थे। आवंटियों को अपने ईएमआई भुगतान करने के बाद इन बहीखातों में अपने विवरण को अपडेट करने के लिए संबंधित एस्टेट मैनेजर के कार्यालय के चक्कर काटने पड़ते थे। इसके अलावा, प्रॉपर्टी मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल को जमाबंदी पोर्टल के साथ एकीकृत किया गया है, जिससे हाउसिंग बोर्ड हरियाणा के तहत संपत्तियों के निर्बाध पंजीकरण की सुविधा मिलती है। यह एकीकरण संपत्ति रिकॉर्ड में पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाउसिंग बोर्ड के प्रॉपर्टी मैनेजमेंट सिस्टम को परिवार पहचान पत्र के साथ भी लिंक किया जाए ताकि भविष्य में योजनाओं का और बेहतर क्रियान्वयन हो।

प्रदेश की सभी सहकारी चीनी मिलों में 'जैव ईंधन ब्रिकेटिंग प्लांट' स्थापित किए जाएं: मुख्यमंत्री

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश की सभी सहकारी चीनी मिलों में 'जैव ईंधन ब्रिकेटिंग प्लांट' स्थापित किए जाएं ताकि चीनी-मिलों की वित्तीय स्थिति में भी सुधार आ सके। वे आज यहां चंडीगढ़ में नारायणगढ शुगर मिल की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कैथल सहकारी चीनी में पायॅलट प्रोजेक्ट के तौर पर जैव ईंधन ब्रिकेटिंग प्लांट की स्थापना का कार्य शुरू किया जा चुका है, जिसमें बैगास की ब्रिकेट बनाकर हरियाणा के थर्मल पावर प्लाटों तथा अन्य उपभोक्ताओं को विक्रय किया जा रहा है। इससे चीनी-मिल की वित्तीय स्थिति में भी काफी सुधार आया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि इसी तर्ज पर प्रदेश की अन्य सहकारी चीनी मिलों में भी 'जैव ईंधन ब्रिकेटिंग प्लांट' की स्थापना की जाए। इससे चीनी-मिलों की वित्तीय स्थिति में भी सुधार आ सकेगा। उन्होंने निर्देश दिए कि सहकारी चीनी मिलों को घाटे से उभारने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने राज्य में सरकार द्वारा सहकारी चीनी मिलों एवं किसानों के हित में उठाए जा रहे कदमों एवं सहकारी चीनी मिलों की कार्यकुशलता में लगातार सुधार पर खुशी जाहिर की। मुख्यमंत्री को बैठक में जानकारी दी गई कि वर्तमान पिराई सत्र 2024-25 में 13 जनवरी तक शुगरफैड से संबंधित सभी सहकारी चीनी मिलों ने कुल 113.56 लाख क्विंटल गन्ने की पिराई करते हुए औसत चीनी रिकवरी 8.70 प्रतिशत के साथ 9.18 लाख क्विंटल चीनी का उत्पादन किया है। पिछले पिराई सत्र 2023-24 में रोहतक, सोनीपत, जींद, पलवल, महम, कैथल और गोहाना सहकारी चीनी मिलों ने लगभग 7.14 लाख क्विंटल बैगास की बचत करते हुए 1630.31 लाख रुपये का अतिरिक्त राजस्व अर्जित किया था। बैठक में शुगरफेड के चेयरमैन श्री धर्मबीर सिंह डागर ने भी चीनी -मिलों की वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए सुझाव दिए। इस अवसर पर बैठक में मुख्य सचिव श्री विवेक जोशी , मुख्यमंत्री के प्रमुख प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर , प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता , वित्त एवं योजना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी , खाद्य , नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री आनंद मोहन शरण ,मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव श्री साकेत कुमार , कृषि विभाग के निदेशक श्री राजनारायण कौशिक , खाद्य , नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के निदेशक श्री राजेश जोगपाल , हरियाणा स्टेट फेडरेशन ऑफ कोपरेटिव शुगर मिल्स के प्रबंध निदेशक श्री शक्ति सिंह के अन्य अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जिला फरीदाबाद के तिगांव विधानसभा क्षेत्र में आगरा नहर सेक्टर 8 से गांव घरोरा तक चार लेन सड़क का किया जायेगा निर्माण

हरियाणा के जिला फरीदाबाद के तिगांव विधानसभा क्षेत्र में आगरा नहर सेक्टर 8 से गांव घरोरा तक एमआईटीसी मुख्य चैनल के उपलब्ध आरओडब्ल्यू के भीतर चार लेन सड़क का निर्माण किया जायेगा। इस संबंध में मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी ने आज अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। एक सरकारी प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इस सड़क के निर्माण के लिए भारत सरकार के राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर, हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले मंत्री श्री राजेश नागर और पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री मूलचंद शर्मा तथा आसपास के क्षेत्रों के ग्रामीणों द्वारा मांग की गई थी और इस सड़क पर लगभग 81 करोड रुपए खर्च आएगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में, अधीक्षण अभियंता, गुरुग्राम सर्कल, पीडब्ल्यूडी बी एंड आर शाखा, गुरुग्राम ने प्रस्तुत किया था कि एचएसएमआईटीसी ने फरीदाबाद में लगभग 30 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की थी और एक मुख्य चौनल का निर्माण किया था जिसे एमआईटीसी चैनल नंबर 1 कहा जाता है और फीडर चैनल जिसे एमआईटीसी चैनल नंबर 1 और 2 कहा जाता है, फरीदाबाद जिले में बनाया गया है। भारी नुकसान होने के कारण एचएसएमआईटीसी की गतिविधियां औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 की धारा 25-0 के तहत 30.6.2002 को बंद कर दी गई थीं। 30.6.2002 से, ये चैनल छोड़ दिए गए हैं और चैनल की कुछ भूमि पर स्थानीय लोगों द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा है और 13.490 किलोमीटर लंबाई में 23.46 मीटर चौड़ी पट्टी के साथ एमआईटीसी चैनल नंबर 1 की लगभग 30 हेक्टेयर भूमि है। उन्होंने बताया गया कि मंझावली में यमुना पर पुल का निर्माण पूरा हो चुका है और इसके निर्माण के बाद फरीदाबाद मंझावली रोड पर यातायात की तीव्रता में भारी वृद्धि होगी, जिससे जाम की स्थिति पैदा होगी क्योंकि यह सड़क कई गांवों से होकर गुजरती है। इस समस्या के समाधान के लिए, एमआईटीसी की भूमि का उपयोग फरीदाबाद को मंझावली और नोएडा से गांव घरोरा के माध्यम से जोड़ने के लिए नई सड़क के विकास के लिए किया जा सकता है और यह विभिन्न गांवों यानी मिर्जापुर, नीमका, तिगांव, भैंसरावली, रायपुर कलां और घरोरा आदि के लिए बाईपास के रूप में भी काम करेगी। इन गांवों को मौजूदा सड़कों के नेटवर्क के माध्यम से प्रस्तावित कॉरिडोर से भी जोड़ा जाएगा। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, जिला फरीदाबाद के तिगांव निर्वाचन क्षेत्र में खाली एचएसएमआईटीसी चैनल नंबर 1 पर नई सड़क का प्रस्ताव है।

न्यूज ब्रीफ

कल टोल प्लाजा फ्री करेगी किसान यूनियन: महावीर चहल

कैथल (अप्रस/ओम प्रकाश)। भारतीय किसान मजदूर यूनियन कमेरा वर्ग के पदाधिकारियों ने मंगलवार को खनौरी बॉर्डर और शंभू बॉर्डर पर करीब एक साल से चल रहे आंदोलन और सरदार जगजीत सिंह डल्लेवाल के 49 दिन से चल रहे आमरण अनशन को लेकर अहम मीटिंग की। मीटिंग में आंदोलन की अगली रुप रेखा तय की जिसमें फैसला लिया गया कि कैथल के नजदीक थाना टोल प्लाजा को 12 बजे से लेकर 2 बजे तक बंद रखा जाएगा। यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष महावीर चहल नरड़ ने कहा कि सरकार किसान मजदूरों से वादा खिलाफी कर रही है और किसानों पर अत्याचार कर रही है जिसका हम कड़ा विरोध करते हैं। युवा प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र मागो माजरी व जिला अध्यक्ष बलकार मलिक खुराना ने कहा कि सरकार को हठधर्म और तानाशाही को छोड़ कर नर्म रवैया रख कर किए गए वादे पूरे करने चाहिए और किसान नेता जगजीत सिंह डलेवाल की जान बचानी चाहिए। किसान नेताओं ने सरकार के प्रति नाराजगी जाहिर की और सभी किसान संगठनों को एक साथ लड़ाई लडने की अपील भी की। इस मौके पर कृष्ण मालखेड़ी, दीप लैलर कसान, बिन्दर सिरटा, जोगिंद्र कुंडू, सोनू सजुमा, सूखा मालखेड़ी, विक्रम चहल, अमन दलाल, जोरा भैणी माजरा, देवीलाल शेरू खेड़ी आदि किसान मजदूर मौजूद रहे।

फिरौती गैंग चलाने वाले गिरोह के तीन सदस्य काबू

कैथल (अप्रस)। स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट द्वारा विदेश में बैठ कर फिरौती गैंग चलाने वाले गिरोह के 3 सदस्य काबू कर लिए गए हैं। उनके कब्जे से एक देशी पिस्तौल व दो कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट प्रभारी एसआई रमेश कुमार की अगुवाई में एएसआई तरसेम कुमार की टीम सांयकालीन गश्त के दौरान मूंदड़ी पशु अस्पताल के पास मौजूद थी। वहां पुलिस को जानकारी मिली कि मोनु गुर्जर निवासी छपरिया जिला करनाल तथा प्रवीण निवासी नैना विदेश में बैठ कर विभिन्न जगहों पर फिरौती की मांग करते हैं तथा ना देने पर फायरिंग करवा देते हैं। उन्होंने फिरौती की मांग करने के लिए विभिन्न लड़कों को अपन गैंग में शामिल कर रखा है। इस गैंग का सदस्य सिसला निवासी जीतू इस समय गैंग के अन्य सदस्यों के पास देशी पिस्तौल भिजवाने के लिए मुंदड़ी नहर पुल के पास खड़ा है। पुलिस ने मुंदड़ी नहर पुल के पास दबिश देकर जीतू को काबू कर लिया। जांच में उसके कब्जे से .32 बोर का एक अवैध देसी पिस्तौल तथा 2 कारतूस बरामद हुए। उसके खिलाफ थाना पूंडरी में मामला दर्ज करके एसआई विरेंद्र सिंह ने गिरफ्तार कर लिया। जीतू से पूछताछ के बाद उनके गिरोह में शामिल कठवाड़ निवासी गुरुनाथ तथा रसूलपुर निवासी शिवकुमार को भी काबू कर लिया गया। सभी मंगलवार को अदालत में पेश किए गए जहां से आरोपी गुरुनाथ का 3 दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया गया तथा शेष दोनों को अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

महिलाओं को करवाया सूर्य नमस्कार का अभ्यास

इंद्री (अप्रस/सीमा देवी)। मंगलवार को इंद्री के गांव खेड़ा व्यायशाला में योग आयोग हरियाणा के निर्देशानुसार व जिला में आयुर्वेदिक अधिकारी डॉक्टर सतपाल के मार्गदर्शन में हर घर परिवार सूर्य नमस्कार का कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में आयुष योग सहायक मीनाक्षी ने महिलाओं को सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाया उन्होंने बताया कि सूर्य नमस्कार 12 योगासनों को मिलाकर बनाया गया है हर एक आसन का अपना एक महत्व है। इसे करने से कार्डियोवैस्कुलर स्वास्थ्य अच्छा होता है। शरीर में खून का संचार अच्छे से होता है। सूर्य नमस्कार के अभ्यास से तनाव कम होता है। सूर्य नमस्कार के करने के कुछ ही समय के बाद आप अपने शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य में बहुत अंतर पाएंगे । सूर्यनमस्कार के करने से आपका सौंदर्य बढ़ता है व वजन कम करने में काफी सहयोग मिलता है। सर्दी के मौसम में सूर्य नमस्कार करने से शरीर में गर्मी पैदा होती है जिससे हमें ठंड का अनुभव बहुत ही कम होता है। जिससे बीमार होने की संभावना बहुत ही कम हो जाती है। इस अवसर पर , मीनाक्षी, सहित गांव की महिलाएं उपस्थित रही। सभी को सूर्यनमस्कार का अभ्यास कराया गया इस दौरान सभी को योग द्वारा शारीरिक,बौद्धिक रूप से विकसित होकर निरोगी रहने का मूल मंत्र (पहला सुख निरोगी काया)का महत्व बताया गया।

टीडीके सोहना में जल्द पूरा करेगी प्रोजेक्ट, युवाओं को मिलेगा रोजगार

- जापानी प्रतिनिधियों ने सीएम से मुलाकात में प्रोजेक्ट्स पर की चर्चा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 14 जनवरी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से आज एक जापानी डेलिगेशन ने मुलाकात की और हरियाणा में लगाए जा रहे विभिन्न प्रोजेक्ट्स पर चर्चा हुई। डेलिगेशन में फुमियो सशीडा, चेयरमैन, काजुनूबो मियाके, गुआन जैमिन, जनरल मैनेजर, एटीएल व सुमित शामिल थे।

डेलिगेशन ने बताया कि जापानी कंपनी टीडीके सोहना में बड़ा प्लांट लगा रही है। इससे न केवल युवाओं को रोजगार उपलब्ध होगा बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था में भी उत्तरोत्तर वृद्धि होगी।

इस मौके पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता व विदेश सहयोग विभाग के सलाहकार पवन चौधरी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने बताया कि विदेशी निवेश को आकर्षित करने व विदेशी निवेशकों की मदद के लिए विदेश सहयोग विभाग स्थापित किया गया है। अनेक बड़ी कंपनियां आज हरियाणा में अपने प्रोजेक्ट्स लगाने की इच्छुक हैं। सरकार ने निवेशकों के लिए बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर व कनेक्टिविटी की सुविधा उपलब्ध कराई है जिसके चलते आज गुरुग्राम सहित एनसीआर रीजन में अनेक नामी कंपनियां निवेश करने की इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि कि प्रोजेक्ट्स को शुरू करने के लिए सभी प्रकार की जरूरी सुविधाएं अब एक छत के नीचे उपलब्ध हो रही है। इसी के चलते हरियाणा निवेशकों की पहली पसंद बन गया है।

हरियाणा में ब्लाक स्तर पर खुलेंगे मिनी बाल भवन

स्लम एरिया में वर्चुअल क्लासरूम प्रोजेक्ट को दी जाएगी गति

- बेसहारा बच्चों का सहारा बनेगी बाल कल्याण परिषद

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 14 जनवरी। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद ने जिला स्तर के बाद अब ब्लॉक स्तर पर मिनी बाल भवन खोलने का एक्शन प्लान तैयार किया है। नए साल पर परिषद का ब्लाक स्तर पर मिनी बाल भवन खोलना नया विजन है। परिषद ने बड़े जिलों के ब्लाक में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके साथ ही बेसहारा बच्चों को सहारा देने के साथ भिक्षावृत्ति को रोकने पर भी परिषद पूरी तत्परता के साथ काम करेगी।

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद ने नए साल में नए विजन तैयार किए हैं। इनमें मिनी बाल भवन के साथ बच्चों का सर्वांगीण विकास, स्लम एरिया में बच्चों को शिक्षा के साथ जोड़ना और नई शिक्षा नीति के तहत निशुल्क ब्लेंडेड लर्निंग की कोचिंग का विजन है। यही नहीं,स्लम एरिया में वर्चुअल क्लासरूम के इनोवेटिव एजुकेशनल प्रोजेक्ट को बढ़ावा दिया जाएगा।

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की मानद महासचिव सुषमा गुप्ता ने मंगलवार को बताया कि अधिकारियों को बाल श्रम रोकने व बाल श्रम स्थानों को चिह्नित करने के निर्देश दिए।

बाल कल्याण परिषद की मानद महासचिव सुषमा गुप्ता का कहना है कि बच्चों की प्रतिभाओं को निखारने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन होंगे। इनमें डांस, पेटिंग, ड्राइंग, गीत व भाषण सहित अन्य गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बच्चे अपनी प्रतिभा को निखार सकें। जिला स्तर पर प्रतिभा खोज कार्यक्रमों के आयोजन के साथ राज्य स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही बाल महोत्सव के जरिये भी बच्चों की प्रतिभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

सुषमा गुप्ता के अनुसार प्रदेशभर के हर जिले में परिषद की ओर से बाल भवन संचालित हैं। इनमें अलग-अलग गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

हंस सद्भावना मंदिर में जरूरतमंदों को बांटे गए कंबल

कैथल (अप्रस)। मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा मकर संक्रांति के अवसर पर एक्ट ऑफ काइंडनैस कार्यक्रम के तहत जरूरतमंदों को कंबल बांटे गए। सतपाल महाराज की प्रेरणा से पूरे भारत में आज यह अभियान चल रहा है। कार्यक्रम महात्मा अनुरक्ति बाई के मार्गदर्शन में सुचारू रूप से संचालित किया गया जिसमें झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले जरूरतमंद लोगों की पहचान कर उनकी कंबल देकर मदद की गई ताकि ठंड के समय गरीब और जरूरतमंद व्यक्ति को किसी प्रकार की दिक्कत ना आए। समिति द्वारा समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करके इन लोगों की मदद की जाती है एवं सामाजिक कार्यों के लिए दूसरों को भी प्रोत्साहित किया जाता है। मुख्य अतिथि ने कहा कि सतपाल महाराज का जो मानवता का संदेश है उसे संदेश को भली भांति कैथल की शाखा द्वारा प्रसारित किया जा रहा है।

करनाल की बेटयां बनीं प्रधानमंत्री के समक्ष देश की बेटियों की आवाज

कहा- मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा में स्किल, भ्रूण हत्या पर सोच बदले बिना यह अंसभव

- प्रधानमंत्री मोदी जी के सामने 2047 के भारत को लेकर प्रजेंटेशन दिए

अर्थ प्रकाश/शैलेंद्र जैन

करनाल, 14 जनवरी। करनाल का नाम अपनी सोच से ऊंचा कर चुकीं करनाल की दो बेटियां अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से रुबरू हुई। उन्होंने दि ल्ली के भारत मंडपम में आयोजित युवा उत्सव में प्रधानमंत्री के सामने अपना प्रजेंटेशन दिया। उन्होंने इस कार्यक्रम में मैंटर की हैसियत से भाग लिया।

इस कार्यक्रम से लौट कर दोनों बहनें आज करनाल पहुंचीं। यहां उनका स्वागत किया गया। उन्होंने लज़ैट कर बताया कि इस दो दिवसी य कार्यक्रम में 2047 में विकसित भारत किस तरह से बनें इस पर प्रजेंटेशन दिया। उन्होंने इस कार्यक्रम में शिक्षा में सुधार, मानसिक विकास मानसिक स्वास्थ्य और बेटियों की सुरक्षा और कन्या भ्रूण हत्या विषय पर बात की। उन्होंने बताया कि वह युवा खेल मंत्री मनसुख मांडविया से मिलीं। उनसे अपने विषयों को लेकर चर्चा की। उन्होंने बताया कि उनका प्रजेंटेशन में कहना था कि मानसिक स्वास्थ्य पा ध्यान दिए बिना विकसित भारत की कल्पन करना व्यर्थ है। इसके रहते स्कूलों कालेजों और कार्यस्थलों पर मानसिक स्वस्थ्य को लेकर व्यवस्था मानसिक चैकअप जैसे विषयों पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि स्कूल और कालेजों में स्किल पर ध्यान दियाजाए। नंबर की दौड़ को समाप्त किया जाए। इसके साथ ही भ्रूण हत्या पर राक लगाने के लिए प्रयास करने कीबात कही।

पिछले दिनों में कन्या जन्म दर गिरी हैं। आज से 11 साल पहले उन्होंने बेटियों को बचाने की अपील के साथ पीएमको पत्र लिखा था। इनमें से एक आस्ट्रेलिया में एक दिन की सांसद बन चुकी हैं। करनाल की बेनर्जी सिस्टर्स संजोली बैनर्जी तथा अन्या बनर्जी 11 और 12 जनवरी को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित विकसित भारत यूथ डायलॉग 2025 में भाग ले कर लज़ैटीं। इसमें देश भर से अढ़ाई लाख युवाओं ने भाग लिया। दोनों बहनों, संजोली (25) और अनन्या बैनर्जी (21) को युवा मंत्रालय से निमंत्रण मिला था।

दोनों बेटियों को युवा व खेल मंत्रालय तथा स्पोर्ट्स के युवा आईकोन के तौर पर भाग लिया। जिसमें उन्हें पूर्ण भारत से भाग लेने वाले युवाओं को मैंटर्स किया। दोनों बहने करनाल स्थित, सारथी नामक संस्था चलाती हैं जिसके द्वारा वे मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा व मासिक धर्म और महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दों पर जागरूकता फैलाने का काम करती हैं। वे भारत के सात से ज्यादा राज्यों और 1.5 लाख से ज्यादा लोगों तक पहुंच चुकी हैं।

इस अवसर पर उन्हें प्रधानमंत्री मोदी से मिलने व अपनी सोच रखने का अफसर मिलेगा। आनंद महिंद्र, सुपर 30 के आनंद कुमार, भाईचंग भूटिया जैसे गणमान्य व्यक्तियों के साथ मंच साझा करने का अफसर मिला। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने उनकी बात को ध्यान से सुना। प्रधानमंत्री ने 2047 के भारत को लेकर अपनी कल्पना सांझा की।

सब जूनियर एवं कैडेट स्टेट जूडो में कैथल की टीम बनी चैंपियन

- 8 गोल्ड, 6 सिल्वर और 7 कांस्य पदक सहित जीते कुल 21 पदक

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

कैथल, 14 जनवरी। दनौदा में संपन्न हुई सब जूनियर एवं कैडेट स्टेट जूडो चैंपियनशिप में इतिहास रचते हुए कैथल की सब जूनियर टीम लड़के और लड़कियां दोनों वर्गों में चैंपियन बनी। कैडेट लड़कों में भी चैंपियन और लड़कियों में रनर अप रही। संदीप कुमार डीपी सचिव जिला जूडो संघ ने बताया कि कैथल ने 8 गोल्ड, 6 सिल्वर और 7 कांस्य पदक सहित कुल 21 पदक जीते। जूडो कोच जोगिंदर ने बताया कि विहान, जशन, यश, हेतल, दिशा, जैशना, गुरप्रीत, प्राची और खुशी का चयन 18 से 22 तक पूणे महाराष्ट्र में होने वाली नेशनल चैंपियनशिप के लिए हुआ है। इस उपलब्धि के लिए टेक सिंह जूडो कोच, राज रानी जिला खेल अधिकारी कैथल, हरिओम शर्मा, राजकमल ढांडा, अनिल कुमार प्रेसिडेंट अवार्डी, सुमित शर्मा, सुखबीर राविश, अमरजीत राविश और सपना जूडो कोच ने खिलाड़ियों को बधाई दी। प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे। सब-जूनियर लड़कों के 35 किलोग्राम भार वर्ग में नमन कांस्य, 45 किलोग्राम भार वर्ग में विहान स्वर्ण, 50 किलोग्राम भार वर्ग में जशन स्वर्ण, 50 किलोग्राम भार वर्ग में जशन रजत, 55 किलोग्राम भार वर्ग में यश स्वर्ण पदक विजेता रहे। इनके कोच राजेश व मैनेजर डीपीई मनोज कुमार हजवाना थे। इसी प्रकार लड़कियों के 32 किलोग्राम भार वर्ग में तेजस्वी कांस्य, 36 किलोग्राम भार वर्ग में हेतल स्वर्ण, 44 किलोग्राम भार वर्ग में दिशा स्वर्ण, 52 किलोग्राम भार वर्ग में जैशना स्वर्ण, 52 किलोग्राम भार वर्ग में सिमरन कांस्य और 57 किलोग्राम भार वर्ग में वशु रजत पदक विजेता बनी। इनके कोच डीपीई संदीप कुमार दीवाल और मैनेजर ऋषिपाल जूडो कोच थे। कैडेट लड़कों के 55 किलोग्राम भार वर्ग में गुरप्रीत स्वर्ण, 55 किलोग्राम भार वर्ग में चिराग रजत, 60 किलोग्राम भार वर्ग में कृष रजत, 66 किलोग्राम भार वर्ग में विनीत कांस्य, 90 किलोग्राम भार वर्ग में इलेश रजत और 90 प्लस किलोग्राम भार वर्ग में प्रिंस कांस्य पदक विजेता रहे। टीम कोच संजु जुडो कोच और मैनेजर डीपीई संदीप कुमार गुहणा थे। कैडेट लड़कियों के 40 किलोग्राम भार वर्ग में एकता कांस्य, 44 किलोग्राम भार वर्ग में प्राची रजत, 52 किलोग्राम भार वर्ग में खुशी स्वर्ण और 63 किलोग्राम भार वर्ग में प्रतिज्ञा ने कांस्य पदक पर कब्जा किया। इनके कोच जितेंद्र और मैनेजर पीजीटी इंदिरा कैथल रहे।

टूर एंड ट्रैवल कंपनी के 2 डायेक्टर गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। लोगों से फर्जीवाडा करने व विदेश भाग जाने के बाद एलओसी जारी करवा आरोपियों को दिल्ली एयरपोर्ट से हिरासत में ले लिया गया हैपंचकूला अपराध शाखा सेक्टर-19 ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टूर एंड ट्रैवल कंपनी की आड़ में लोगों से ठगी करने वाले कंपनी के दो डायरेक्टर को गिरफ्तार किया है। पंचकूला पुलिस ने कंपनी की आड़ में लोगों से फर्जीवाडा करने व विदेश भाग जाने के बाद एलओसी जारी करवा आरोपियों को दिल्ली एयरपोर्ट से हिरासत में ले लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वाइब्रल टूर एंड ट्रैवल कंपनी के दो डायरेक्टर सुनील देवतवाल और अनिल कुमार को पंचकूला 19 पुलिस अपराध शाखा ने इंस्पेक्टर निर्मल सिंह के नेतृत्व में एएसआई संजीव ने दोषियों की गिरफ्तारी की है। इन्हें दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार करके लाया गया है। यह पुलिस को गच्चा दे बैंकॉक भाग गए थे। पुलिस ने इनकी संदिग्ध गतिविधियों और पुख्ता सबूत मिलने के बाद इनके खिलाफ एलओसी जारी करवा रखी थी। बैंकॉक से यह जैसे ही दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरे तो एयरपोर्ट अथॉरिटी ने पंचकूला 19 अपराध शाखा के जांच अधिकारी एएसआई संजीव तथा दिल्ली पुलिस को इसकी सूचना दी। यह लोग सोमवार देर शाम दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरे थे। आज सुबह पंचकूला सेक्टर 19 पुलिस ने आरोपी वाइब्रल टूर एंड ट्रैवल कंपनी के डायरेक्टर सुनील देवतवाल और अनिल कुमार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए दोनों व्यक्तियों तथा इनकी कंपनी वाइब्रल द्वारा कई राज्यों के दर्जनों लोगों के साथ लाखों रुपए की ठगी का मामला पुलिस के सामने आया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ पंचकूला के एक परिवार को एक टूर पैकेज बेचने के बाद निर्धारित स्थानों पर होटल सुविधा ना देने के मामले में एफआईआर नंबर 379, धारा 406, 420, 120 बी 28-12-2023 को दर्ज की गई थी।

क्या है मामला...

पंचकूला निवासी पीड़ित व्यक्ति ने बताया कि उन्होंने अपने परिवार के साथ 25 नवंबर 2023 से दो दिसंबर 2023 तक केरल व रामेश्वरम का टूर बनाया था। इसके लिए उन्होंने वाइब्रल टूर एंड ट्रैवल कंपनी के डायरेक्टर सुनील देवतवाल, अनिल कुमार से संपर्क किया तो उसने इसकी एवज में एक लाख 73 हजार 876 रुपए की पेमेंट ली। इसकी एवज में परिवार के चार सदस्यों की आने-जाने की एयर टिकट, रुकने के लिए दो एसी कमरे, वोटिंग, टैक्सी और नाश्ता दिलाना था। इस पर टैक्सी के लिए उसने केवल 12 हजार रुपए ही दिए, जबकि पीड़ित ने 20 हजार रुपए अलग से टैक्सी चालक को दिए। इतना ही नहीं आरोपी सुनील ने पीड़ित व्यक्ति और उनके परिवार के लिए कहीं पर भी होटल में कमरे बुक नहीं करवाए थे, जिसके चलते उन्हें खुद ही किसी अन्य होटल में पैसे देकर कमरे बुक करवाने पड़े। इसी प्रकार से वर्कला में बुक इंडिया होटल में एक एसी और एक नॉन एसी रूम अपनी कंपनी की बजाए मेक माई ट्रिप के जरिए बुक करवाए गए थे, दोनों रुम एक ही होटल में अलग-अलग किनारों पर थे। इसे लेकर जब पीड़ित ने सुनील को फोन किए तो उसने उनकी कॉल नहीं उठाई। इस पर जब पीड़ित ने खुद होटल में बात की तो वहां तैनात कर्मचारी ने 700 रुपए और देने के बाद ही दूसरा एसी रूम देने की बात कही। इसके बाद जब सुनील से फोन पर बात हुई तो वह धमकाने लगा परिवार के साथ होने के कारण पीड़ित घबरा गया। इसी प्रकार से कोवलाम में आदि शक्ति रिसोर्ट में दो कमरे बुक होने की बात सुनील की ओर से कही गई, लेकिन जब पीड़ित परिवार के साथ वहां पहुंचा तो वहां भी उनके नाम से कोई कमरा बुक नहीं था। वापस आने के लिए भी काफी परेशान करने के बाद ही आरोपी ने पीडित को टिकट मुहैया करवाई। इस पर पीड़ित की ओर से मामले की शिकायत देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। पंचकूला पुलिस ने इस संबंध में अलग-अलग धाराओं के तहत आरोपी सुनील के खिलाफ मामला दर्जकर उसकी तलाश शुरू की गई, लेकिन वह पुलिस को चकमा देता रहा। इस पर पुलिस की ओर से उसका लुक आउट नोटिस जारी किया गया। फिलहाल पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद उनसे पूछताछ में जुटी है।

इन लोगों को भी बनाया अपना शिकार

अकेले पंचकूला निवासी शिकायतकर्ता को ही नहीं, बल्कि इस कंपनी ने कई अन्य लोगों को भी अपना शिकार बनाया है। इनमें शिमला के अश्वनी शर्मा, चंडीगढ़ के भगवान दास, सरकाघाट के दिनेश ठाकुर, मोहाली के पुष्पेंद्र, लुधियाना के संजीव सूद और राजेंद्र कुमार, बरनाला के सौरभ बंसल, रोहित मित्तल, पटियाला के अनूप कुमार, मेरठ के मोहम्मद शहजाद कुरैशी, मोहाली के गगनदीप सिंह, लुधियाना के विजय कुमार, चंबा के अनूप शर्मा, राजस्थान के प्रदीप, छोटा शमिला के सुधीर भारद्वाज, बिलासपुर के अनूपम कुमार, रोहतक के नितिन, शिमला की कविता नेगी, कपिल शर्मा और पंचकूला के अचनित कुमार शामिल है। सभी ने अपने-अपने क्षेत्र की पुलिस को आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए शिकायत भी दी हुई है। अब पंचकूला पुलिस की ओर से आरोपियों को गिरफ्तार किए जाने के बाद इन लोगों की भी उम्मीद जगी है।

क्राइम ब्रांच 19 के इंचार्ज निर्मल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पंचकूला के सेक्टर 14 थाने में एक मामला दर्ज किया गया था वाइब्रल हॉस्पिटैलिटी ग्रुप द्वारा एक ट्रैवल पैकेज मुहैया करवाया गया था और कई सुविधाओं के बारे में बताया गया था। शिकायतकर्ता ने जैसे ही पैकेज लेकर मौके पर पहुंचे तो उन्होंने पाया कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है और इस ट्रैवल कंपनी ने गलत तरीके से पैसे कमाने के लिए शिकायतकर्ता को नुकसान पहुंचा। उन्होंने बताया कि यह आरोपी और किन-किन लोगों को अपना शिकार बन चुके हैं इनसे पूछताछ और रिमांड के दौरान जानकारी हासिल करने की कोशिश की जाएगी । पुलिस ने बताया कि इस मामले में आरोपियों से पूछताछ की जा रही है । शिकायतकर्ता ने बताया था कि आरोपियों ने डेढ़ लाख का पैकेज बुक करवाया लेकिन उन्हें सुविधा नहीं दी गयी। उन्होंने बताया कि इस गैंग में कौन-कौन लोग शामिल हैं उसको लेकर आरोपियों से पूछताछ की जाएगी फिलहाल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। **निर्मल सिंह-इंचार्ज क्राइम ब्रांच 19, पंचकूला**

जीरकपुर के फ्लाई ओवर के नीचे रहने वाले प्रवासियों में चले चाकू छुरियां

दो लोग हुए गंभीर घायल, सीएचसी ढकोली में हुए भर्ती

फ्लाईओवर के नीचे से प्रवासी लोगों को ना हटाकर प्रशासन कर रहा है किसी बड़ी घटना होने का इंतजार

अर्थ प्रकाश /राजेश गर्ग

जीरकपुर । चंडीगढ़ अंबाला हाईवे पर जीरकपुर में बने फ्लावर के नीचे भारी संख्या में अज्ञात प्रवासी लोग कब्जा जमा कर बैठे हुए हैं बीती रात इन लोगों का आपस में झगड़ा हो गया यह झगड़ा इतना बढ़ गया के आज मंगलवार को दोपहर करीब 1.00 बजे इस झगड़े ने खूनी लड़ाई का रूप धारण कर लिया इस लड़ाई में खूब चाकू तथा डंडे चले जिस दौरान दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए जिनको सीएचसी ढकोली में इलाज के लिएभर्ती करवा दिया गया है और दोनों वहीं पर अब उपचार आधीन है।

इस लड़ाई में घायल हुए राजेंद्र नामक व्यक्ति का कहना है कि वह रात को अपनी झुग्गी में सोए हुए थे इस दौरान रात को करीब 1.00 शिव कुमार नामक व्यक्ति उनकी झुग्गी में घुस गया और उसकी पत्नी के साथ छेड़छाड़ की इसी दौरान उसकी आंख खुल गई और उसने दो चार थप्पड़ मार कर उसे झुग्गी से बाहर निकाल कर भगा दिया। उसने आगे बताया कि सुबह करीब 10.00 बजे उसकी फिर से शिव कुमार के साथ बहस हो गई जिस बात को फिर मौके पर ही खत्म कर दिया गया। राजेंद्र ने आगे बताया कि इसके बाद करीब 1.00 बजे शिव कुमार तथा 8 से 10 अन्य लोग चाकू तथा डंडे लेकर उसे पर हमला करने के लिए आ गए। उन्होंने राजेंद्र पर चाकू तथा डंडे से वार करने शुरू कर दिए। जिस दौरान राजेंद्र के शरीर पर चार जगह पर चाकू से वार किया गया और वह गंभीर घायल हो गया। इस लड़ाई के दौरान उसने भी डंडे से विरोधियों पर दो-चार वार कर दिए। इसके बाद उन्होंने पुलिस को 112 पर फोन किया। राजेंद्र ने आगे बताया कि मौके पर पहुंचे हुए पुलिस कर्मियों ने उन्हें डेराबस्सी के सरकारी अस्पताल में जाने के लिए बोल दिया। पहले वह ऑटो में बैठकर डेरा बस्सी अस्पताल में चले गए और वहां से फिर उन्हें ढकोली के अस्पताल में भेजा गया। हमने अब ढकोली के अस्पताल में आकर अपना इलाज शुरू करवाया है, लेकिन अब भी विरोधी ग्रुप वाले जिनमें शिव कुमार की घरवाली, विनोद, अजय, संजय, अरुण, मुकेश आदि उन्हें धमकी दे रहे हैं कि जब भी तुम अस्पताल से बाहर निकलोगे हम तुम्हारे साथ फिर से मारपीट करेंगे।

दूसरी और इस लड़ाई में घायल हुए शिवकुमार का कहना है कि यह लड़ाई हमारे साथ न होकर किसी और के साथ हुई थी, लेकिन मैं तो उन्हें छुड़वाने गया था। जिस दौरान राजेंद्र ने मुझ पर चाकू से वार करके मुझे घायल कर दिया।

मैं किसी भी घायल को डेराबस्सी के अस्पताल में जाने के लिए नहीं कहा। दोनों पार्टियों ढकोली के अस्पताल में दाखिल है। अब हमारे पास ढकोली के अस्पताल से संदेश आएगा। इसके बाद हम वहां पर भर्ती घायलों के बयान लेने जाएंगे और बयान लेने के बाद बनती कार्रवाई की जाएगी।

बलराज सिंह, जांच अधिकारी, थाना जीरकपुर।

फ्लाईओवर के नीचे बैठे प्रवासियों को यहां से जल्द हटाया जाए - निवासी

'चंडीगढ़ अंबाला हाईवे पर स्थित जीरकपुर के फ्लाई ओवर के नीचे भारी संख्या में प्रवासी लोग कब्जा करके बैठे हुए हैं जो कि यहां पर गंदगी का कारण तो बन ही रहे हैं लेकिन कानून व्यवस्था के लिए भी खतरा बने हुए हैं और यहां पर प्रतिदिन इनका आपस में लड़ाई झगड़ा होता है।' यह कहना है फ्लाइओवर के आसपास रहने वाले लोगों तथा आसपास के दुकानदारों का। उन्होंने कहा कि यह लोग हर रोज रात के समय आपस में लड़ाई झगड़ा करते हैं और हुल्लड़बाजी करते हैं जिसके कारण उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आसपास के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इन प्रवासी लोगों को जल्द से जल्द फ्लाई ओवर के नीचे से हटाया जाए और यहां पर साफ सफाई करवाई जाए।

जीरकपुर प्रशासन कर रहा है किसी बड़ी घटना का इंतजार

जीरकपुर के फ्लाइओवर के नीचे कब्जा करके बैठे हुए प्रवासी लोगों को हटाने के लिए समाज सेवी संस्था पुकार द्वारा भी डिप्टी कमिश्नर मोहाली को पत्र लिखा था, जिसके बाद डिप्टी कमिश्नर मोहाली द्वारा भी नगर कौंसिल जीरकपुर तथा पुलिस प्रशासन को आदेश जारी किए गए थे कि फ्लाईओवर के नीचे बैठे प्रवासियों को हटाया जाए, लेकिन दो दिन पहले नगर कौंसिल द्वारा इन लोगों को हटाने का मात्र ड्रामा ही किया गया था और डिप्टी कमिश्नर के आदेशों को हल्के में ही लिया गया था। इसके बाद यह लड़ाई की घटना हो गई। अब यह प्रश्न उठता है कि इस घटना के लिए क्या नगर कौंसिल जीरकपुर के अधिकारी जिम्मेदार हैं अथवा जीरकपुर पुलिस जिम्मेवार है? क्योंकि उनकी ही जिम्मेदारी बनती है के फ्लाई ओवर के नीचे से प्रवासियों को हटाया जाए। यहां पर यह भी प्रश्न उठता है कि क्या जीरकपुर प्रशासन किसी बड़ी घटना के इंतजार में है? क्या इन लोगों को कोई बड़ी घटना होने के बाद ही यहां से हटाया जाएगा?

न्यूज ब्रीफ

एसडी कॉलेज के स्टूडेंट्स ने अतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में बिखेरा जलवा

चंडीगढ़ (अप्रस)। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के स्टूडेंट्स ने अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में अपना जलवा बिखेरा है। कॉलेज के स्टूडेंट्स ने नए साल की शुरुआत उल्लेखनीय उपलब्धियों के साथ की है, जिससे संस्थान को प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुआ है। बी.वोक (मीडिया एवं एंटरटेनमेंट) कोर्स के प्रतिभाशाली छात्र अनमोल ने अपनी उत्कृष्ट लघु फिल्म अनकंसीडर्ड वर्क आफ्टर वर्क के लिए बठिंडा में आयोजित सिने इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में प्रथम पुरस्कार जीता है। कॉलेज के गौरव में वृद्धि करते हुए, छात्रों की एक टीम जिसमें अरीश गोयल, अंशुल गुप्ता, मोहित शर्मा, दिव्यांशु, माहिन वैद्य और खुशी सहगल शामिल थे, को चंडीगढ़ में ग्लोबल यूथ फिल्म फेस्टिवल में उनकी प्रभावशाली डॉक्यूमेंट्री इकोज़ ऑफ़ रेजिलिएंस (ए फाइट अगेंस्ट इ्रग एब्यूज) के लिए सर्वश्रेष्ठ सिनेमैटोग्राफी और सर्वश्रेष्ठ संपादन के खिताब से सम्मानित किया गया है। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने स्टूडेंट्स को बधाई देते हुए कहा कि ऐसी उपलब्धियां जीजीडीएसडी कॉलेज के स्टूडेंट्स की प्रतिभा और समर्पण तथा संस्थान द्वारा प्रदान की जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता को उजागर करती हैं। उन्होंने कहा कि कॉलेज अपने स्टूडेंट्स के रचनात्मक प्रयासों को समर्थन और पोषण प्रदान करता है तथा उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है। फैकल्टी समन्वयक डॉ. रिंकू कालिया और डॉ. गुरजीत कौर ने भी छात्रों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए बधाई दी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी कॉलेज के स्टूडेंट्स ने अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में विभिन्न उपलब्धियां हासिल की हैं।

बच्चों को गुड टच व बेड टच के बीच का अंतर समझाया

पंचकूला (अप्रस)। उपायुक्त मोनिका गुप्ता के मार्गदर्शन में खंड मोरनी में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओ बेटी पड़ाओ के तहत बाल विवाह रोकथाम व टीबी की रोकथाम के लिए जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें लोगों को समझाया कि वे बेटियों को भी बेटों के समान ही बराबर का अवसर दें। शिविर में परियोजना अधिकारी डॉ. सविता नेहरा ने अध्यक्षता व चिकित्सा अधिकारी डॉ. सागर जोशी ने सहयोग दिया। लोगों द्वारा शपथ ली गई कि वह लड़कियों व अपनी बेटियों को एक बेहतर वातावरण व समाज देने में अपना पूरा सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि आज लड़कियां भी देश की प्रगति में अपना पूरा योगदान दे रही है। इसी के साथ ही हम देश के बेहतर भविष्य की तरफ कदम भी बड़ा रहे हैं, जहां हमारी बेटियां खुलकर व बिना किसी डर के समाज में रह सके। कार्यक्रम में पोक्सो एक्ट, गुड टच बेड टच, स्पॉन्सरशिप स्कीम, मिशन वात्सल्य के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई। बच्चों को गुड टच व बेड टच के बीच का अंतर समझाया गया। साथ ही उन्हें बताया कि यदि उन्हें कोई छेड़ता है या गलत वीडियो बनाता है या गलत बात करता है तो वह घबराएं नहीं तुरंत इस बारे में अपने अभिभावकों को व अपने अध्यापकों को इसकी जानकारी दें। उन्होंने बताया कि पोक्सो एक्ट के तहत अपराधों की रिपोर्टिंग के लिए 1098 और 112 हेल्पलाइन नंबरों पर शिकायत कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि यदि कोई अनचाहा बच्चा जन्म ले रहा है और उसे अभिभावक रखना नहीं चाहते तो वे उसे फेकने की बजाए महिला एवं बाल विकास विभाग पंचकूला द्वारा जिले में स्थित बाल देखरेख संस्थान शिशु ग्रह सेक्टर-15, बाल निकेतन सेक्टर-2, बाल सदन सेक्टर-12 व आशियाना सेक्टर-16 में शिशु पालना ग्रह में छोड़ सकते हैं। यहां कोई बच्चा छोड़ने वाले की पहचान उजागार नहीं की जाती। बच्चा जीवित रहेगा तथा इच्छुक परिवार को कानूनी प्रक्रिया के तहत गोद दे दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि यदि किसी को कोई बेसहारा बच्चा मिलता है तो इस बारे में तुरंत 112, 1098, 0172- 258 2220 पर जानकारी दें।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, बाल विवाह व टीबी की रोकथाम के लिए जागरूकता शिविर

15वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम का होगा आयोजन

पंचकूला (अप्रस)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने बताया कि 15वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर 25 जनवरी 2025 को पंचकूला में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हर साल 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस बार राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन पंचकूला के सेक्टर-1 स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पंचकूला में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्य सचिव हरियाणा बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया कि इस उत्सव का उद्देश्य आमजन के बीच जागरूकता फैलाना है। साथ ही पात्र नागरिक को मतदाता सूची में मतदाता के रूप में शामिल करना है। स्कूल व कॉलेजों में रंगोली बनाना, निबंध लेखन, भाषण प्रतियागिताओं, रैलियों, परेड दल, नुक्कड़ नाटक गतिविधियों से चुनावी भागीदारी को बढ़ाया दिया जाता है।

स्वच्छ पंचकूला सुन्दर पंचकूला, नाट्य मंचन का आधार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला । पंचकूला की निगम आयुक्त अपराजिता के मार्गदर्शन में नगर निगम पंचकूला द्वारा प्रायोजित एवं एच एस वी पी, हरियाणा पुलिस और शिक्षा विभाग के सानिध्य में इन्द्रधनुष आडिटोरियम परिसर में 7 जनवरी को नाट्य कार्यशाला आरंभ हुई थी। यह कार्यशाला गणतंत्र दिवस के अवसर पर सम्पन्न होगी। अब तक कार्यशाला के दस दिनों में दृश्य, संवाद, भाषा, मंच-सज्जा, कोरियोग्राफी जैसे विषयों पर बखूबी कार्य किया गया है। निगम आयुक्त अपराजिता ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य नयी पीढ़ी को प्रकृति शिक्षा के महत्व से रूबरू कराया जाय। उन्होंने बताया कि पंचकूला शिवालिक जोन का महत्वपूर्ण शहर है। यहां की जैव विविधता आने वाली पीड़ियों की धरोहर है, इसलिए हमने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के फैकेल्टी सहयोग से 7 जनवरी से 27 जनवरी तक व्यक्तित्व विकास की कार्यशाला आयोजित की है। कार्यशाला में स्वच्छ पंचकूला-सुन्दर पंचकूला, प्रकृति आच्छादित पंचकूला और सुरक्षित पंचकूला थीम को आधार में रखकर नाट्य प्रस्तति की रचना की जा रही है। ऐसे में यह प्रयोग शिवालिक क्षेत्र के लिए नवजागरण का विषय बनेगा। निगम आयुक्त अपराजिता ने बताया कि कार्यशाला के समापन के समय 27 से 29 जनवरी तक प्रकृति शिक्षा में चित्रकला की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय चित्रकला शिविर का आयोजन किया जायेगा जिसमें देशभर से प्रख्यात चित्रकार हिस्सा ले रहे हैं। इस शिविर में कला शिक्षा की अवधारणा को साकार करते हुए पंचकूला के सभी शिक्षण संस्थाओं से चित्रकला विषय के 5-5 विद्यार्थी आमंत्रित किये जा रहे हैं जो शिविर का हिस्सा बनकर पंचकूला के तारे जमीन पर की अवधारणा को साकार करेंगे।

पंचकूला में कंस्ट्रक्शन के दौरान हादसा

5 मंजिला इमारत से गिरकर मजदूर की मौत, दूसरा घायल

अर्थ प्रकाश संवाददाता

अचानक बल्ली टूटने से वे नीचे गिर गए और मौके पर ही उनकी जान चली गई

पंचकूला। पंचकूला के सेक्टर 25 में एक निर्माणाधीन पांच मंजिला इमारत से गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि एक अन्य मजदूर घायल हो गया। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे हुई इस दर्दनाक घटना में बिहार निवासी 35 वर्षीय कृष्णा लिफ्ट का काम कर रहे थे, तभी अचानक बल्ली टूटने से वे नीचे गिर गए और मौके पर ही उनकी जान चली गई। वहीं कृष्णा के साथ काम कर रहे दूसरे मजदूर राजा राम ने सूझबूझ दिखाते हुए सरिया पकड़कर अपनी जान बचा ली, हालांकि उन्हें मामूली चोटें आई। दोनों मजदूर पंचकूला के सेक्टर 16 स्थित बुद्दनपुर गांव में रहते थे।

घटना के बाद मौके पर मौजूद अन्य मजदूरों ने कृष्णा को तत्काल जिला हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सेक्टर 6 स्थित अस्पताल की मॉर्च्युरी में भेज दिया गया है। सेक्टर 25 चौकी की इंचार्ज सुनीता चोकन ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक बयान दर्ज किए हैं। प्रशासन द्वारा घटना की विस्तृत जांच के बाद जिम्मेदार पक्षों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एसबीआई ने पीजीआई को किए 75 व्हील चेयर और 160 बैरिकेड्स दान

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़ । एसबीआई ने पीजीआई को 75 व्हील चेयर और 160 बैरिकेड्स दान किए। सीएसआर पहल के तहत, श्री कृष्ण शर्मा, मुख्य महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, चंडीगढ़ सर्कल ने पीजीआई, चंडीगढ़ को मरीजों के लिए 75 व्हील चेयर और पीजीआई के अंदर बेहतर यातायात प्रबंधन के लिए 160 बैरिकेड्स दान किए। कार्यक्रम के दौरान निदेशक पीजीआई श्री विवेक लाल भी उपस्थित थे। इस प्रयास के माध्यम से बैंक ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया है। यह पहल एसबीआई के सीएसआर प्रयासों का एक हिस्सा है, जो सामुदायिक कल्याण के लिए हमारी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह अवसर केवल व्हील चेयर और बैरिकेड्स दान करने का नहीं है, बल्कि रोगियों के कल्याण के बारे में है, जो भारतीय स्टेट बैंक के विश्वास की पुष्टि करता है कि जब भी उन्हें आवश्यकता हो, इन संस्थानों का समर्थन करने के अवसर पैदा किए जाते हैं।

केंद्रीय कारागार अंबाला में जेल लोक अदालत का आयोजन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। अजय कुमार घनघस, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), पंचकूला ने बताया कि आज केंद्रीय कारागार अंबाला में जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत, जो लंबित मामलों को त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से निपटाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है, में कार्यवाही के दौरान एक मामले का निपटारा किया गया।

यह उल्लेखनीय है कि जिला पंचकूला में कोई अलग जेल सुविधा नहीं है, और इसलिए, केंद्रीय कारागार अंबाला पंचकूला और अंबाला जिलों के लिए सामान्य जेल के रूप में कार्य करता है। जेल लोक अदालत का आयोजन विचाराधीन कैदियों और दोषी व्यक्तियों के लिए त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए किया गया था, जो कि पुनर्स्थापनात्मक न्याय के सिद्धांतों और विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम के अधिदेश के अनुरूप है। लोक अदालत के दौरान, पुलिस स्टेशन चंडीमंदिर में दर्ज एफआईआर संख्या 370, दिनांक 23 अगस्त, 2024 से संबंधित मामले की सुनवाई की गई। आरोपी आदित्य राणा, पुत्र राम सिंह ने कार्यवाही के दौरान अपना अपराध स्वीकार किया। उसके अपराध स्वीकारोक्ति, मामले की परिस्थितियों और उसके द्वारा पहले से काटी गई कैद की अवधि को ध्यान में रखते हुए, उसे दोषी ठहराया गया और पहले से काटी गई अवधि की सजा सुनाई गई।

पीएम-विश्वकर्मा योजना से दस्तकारों के जीवन स्तर में होगा सुधार- मोनिका गुप्ता

अर्थ प्रकाश /सुशील सिंघई

पंचकूला। उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने कहा कि सरकार द्वारा श्रमिकों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने के लिए पीएम-विश्वकर्मा योजना शुरू की है। इस योजना में 18 हस्त व्यवसायों को शामिल किया गया है। इसलिए इस योजना में जिला के अधिक से अधिक नागरिकों को लाभ मिलें ताकि सरकार का अन्त्योदय का लक्ष्य पूरा हो सके।

उपायुक्त ने कहा कि योजना का मुख्य उद्देश्य दस्तकारों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाना है। योजना से गांवों और शहरों के उन कुशल कारीगरों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जो अपने हाथों से काम करके अपना जीवनयापन करते हैं। उन्होंने बताया कि पंजीकरण के बाद इन कारीगरों को जिला में स्थापित किए गए कौशल विकास केंद्रों में पांच दिन की ट्रेनिंग करवाई जाएगी और टूल किट खरीदने के लिए 15 हजार रुपए का अनुदान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना का गांव स्तर पर पूरा प्रचार किया जाए ताकि अधिक से अधिक लोग इसका फायदा उठा कर अपने जीवन स्तर में बदलाव ला सके। उन्होंने बताया कि इस योजना में नाव बनाना, शस्त्रागार, लुहार, हथौड़ा व लोहे के औजार बनाना, ताला बनाना, सुनार, कुंभकार, मूर्तिकार, मोची, राजमिस्त्री, टोकरी, सुथार, चटाई बनाना, गुडिया व खिलौने बनाना, बारबर, धोबी, दर्जी और मछली पकड़ने के जाल बनाने का काम शामिल है। योजना में विभिन्न व्यवसायों से जुड़े दस्तकारों को प्रशिक्षण, टूल किट व बैंक लोन की सुविधा प्रदान की जाती है। योजना में कारीगरों को पहले पीएम विश्वकर्मा.जीओवी.इन पोर्टल पर पंजीकरण करवाना होगा। उन्होंने कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत, कारीगरों और शिल्पकारों को पीएम विश्वकर्मा प्रमाण-पत्र और पहचान-पत्र के माध्यम से मान्यता प्रदान की जाएगी। इस योजना के तहत पांच प्रतिशत की रियायती ब्याज दर के साथ एक लाख रुपये (पहली किस्त) और दो लाख रुपये (दूसरी किस्त) तक ऋण सहायता प्रदान की जाएगी। योजना के तहत कौशल उन्नयन, टूलकिट प्रोत्साहन, डिजिटल लेनदेन के लिए प्रोत्साहन और विपणन सहायता प्रदान की जाएगी। योजना के लागू होने से श्रमिकों के बच्चों को मिलने वाली सहायता में भी वृद्धि हुई है।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत फर्नीचर मार्केट बलटाना से सफाई अभियान का किया शुभारंभ

अर्थ प्रकाश संवाददाता

जीरकपुर । 'स्वच्छता ही सेवा है' के उद्देश्य से फर्नीचर मार्केट बलटाना में मंगलवार सुबह 10 बजे से स्वच्छ भारत मिशन के तहत सफाई अभियान का शुभारंभ किया गया। यह अभियान नगर कौंसिल और फर्नीचर मार्केट के सौजन्य से आयोजित किया गया।

इस सफाई अभियान में समाज के कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया और इस मुहिम को समर्थन प्रदान किया। उपस्थित प्रमुख व्यक्तित्वों में वरुण कंसल, पारवीन गर्ग, नरेश गर्ग, विकास गोयल, विकास सिंगला, सुमित सिंघल, पर्दीप कुमार, संजय गुलाटी, संदीप, त्रिलोकचंद , लक्षय गोयल, और तुषार सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल रहे। साथ ही, नगर कौंसिल जीरकपुर से इंस्पेक्टर राम गोपाल, मनमंदर सिंह, स्वच्छ भारत मिशन के सदस्य, और राकेश (सुपरवाइजर) ने भी अपनी उपस्थिति से इस अभियान को प्रेरित किया।

इस अभियान का उद्देश्य फर्नीचर मार्केट बलटाना को स्वच्छ और सुंदर बनाना है। सभी ने मिलकर यह संकल्प लिया कि स्वच्छता को प्राथमिकता देकर समाज को एक सकारात्मक संदेश दिया जाएगा। ÷स्वच्छता अपनाएं, स्वस्थ समाज बनाएं÷ के नारों के साथ इस अभियान को फर्नीचर मार्केट के दुकानदारों व अन्य लोगों से भरपूर सहयोग मिला। आयोजन को सफल बनाने के लिए नगर कौंसिल और फर्नीचर मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन का विशेष आभार प्रकट किया गया।

राज्यपाल ने नशामुक्त हिमाचल के लिए सामूहिक प्रयासों का समर्थन किया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला। जिला सोलन के अर्की में 'खेल खिलाओ-नशा भगाओ' अभियान के समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने सामुदायिक प्रयासों के माध्यम से नशे की लत से निपटने के महत्व पर जोर दिया। अर्की वेल्फेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित एक माह तक चलने वाले इस अभियान की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि यह अनूठी और प्रभावशाली पहल समाज को नशे के दुष्प्रभाव से मुक्त करने के लिए प्रभावी बनाती है। राज्य की समृद्ध परंपराओं और मूल्यों की रक्षा और संवर्धन के लिए सामाजिक जागरूकता के साथ-साथ सरकारी एवं सामूहिक प्रयास भी आवश्यक हैं।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन से प्रेरित होकर, मैंने एक वर्ष पूर्व हिमाचल प्रदेश में नशा विरोधी अभियान आरम्भ किया था। हालांकि प्रगति धीरे-धीरे हुई है, लेकिन इस खेल-आधारित जागरूकता कार्यक्रम का सफल क्रियान्वयन सकारात्मक गति को दर्शाता है।

श्री शुक्ल ने कहा कि इस तरह की पहल तभी सफल हो सकती है जब इसे राजनीतिक प्रभावों से मुक्त रखा जाए। इस आंदोलन में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए उन्होंने महिलाओं को नशे की लत के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व करने वाली सबसे मजबूत ताकत बताया। वीरता की भूमि के

रूप में हिमाचल की समृद्ध विरासत को दर्शाते हुए उन्होंने चिंता व्यक्त की कि युवाओं में नशे की लत भविष्य की पीढ़ियों को कमजोर कर सकती है।

राज्यपाल ने पंचायती राज प्रतिनिधियों से नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ पुलिस द्वारा चलाए गए अभियान में सक्रिय रूप से योगदान देने का आग्रह किया। राज्यपाल ने 'खेल-खिलाओ-नशा भगाओ' अभियान के माध्यम से युवाओं, अभिभावकों, शिक्षकों और समुदायों के सदस्यों से अपील करते हुए कहा कि वह लोगों को स्वास्थ्य और सकारात्मकता को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित करें।

उन्होंने इस लक्ष्य को प्राप्त करने में परिवारों, स्कूलों, समाज और सरकार की सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर एक ऐसा हिमाचल बनाएं, जहां हमारे युवा नशे की बेड़ियों से मुक्त होकर शिक्षा, खेल और सामुदायिक जुड़ाव के माध्यम से सशक्त बनकर प्रदेश के विकास में सहयोग दें। उन्होंने निरंतर और ईमानदार प्रयासों के माध्यम से बदलाव लाने और नशामुक्त हिमाचल बनाने के लिए एकजुट प्रतिबद्धता का आह्वान किया।

राज्यपाल ने इस अवसर पर आयोजित महिला रस्साकशी प्रतियोगिता के फाइनल मैच का भी आनंद लिया। उन्होंने क्रिकेट और रस्साकशी प्रतियोगिता की विजेता टीमों को पुरस्कृत भी किया।

इससे पहले, कार्यक्रम के समन्वयक सुरेंद्र ठाकुर ने राज्यपाल का स्वागत करते हुए एक महीने तक चलने वाली इस प्रतियोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

पूर्व विधायक गोविंद ठाकुर, राज्य गऊ सेवा प्रमुख दिनेश शास्त्री और समाजसेवी म्यूराक्षी सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

वन संरक्षण मीटिंग से कई अधिकारी गायब, डीसी ने 7 को भेजा नोटिस

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंबा। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में वन संरक्षण अधिनियम की समीक्षा मीटिंग से गैरहाजिर रहने वाले अधिकारियों पर प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। उपायुक्त मुकेश रैप्सवाल ने 5 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उपायुक्त कार्यालय के सभागार में आयोजित इस मीटिंग का उद्देश्य जिले में चल रही विकास परियोजनाओं के लिए वन संरक्षण अधिनियम (एफसीए) की मंजूरी से जुड़े मामलों की समीक्षा करना था। चंबा जिले की विशेष स्थिति को देखते हुए यह बैठक अत्यंत महत्वपूर्ण थी, क्योंकि यहां की अधिकांश सरकारी भूमि वन विभाग के अधीन आती है। ऐसे में किसी भी विकास कार्य को शुरू करने से पहले एफसीए की अनुमति अनिवार्य है। डीसी रैप्सवाल ने कहा कि अधिकारियों की अनुपस्थिति से विकास कार्यों में अनावश्यक देरी हो रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नोटिस प्राप्त करने वाले अधिकारियों को अपनी अनुपस्थिति का उचित कारण बताना होगा। यह कार्रवाई उन सभी अधिकारियों के लिए एक सख्त संदेश है, जो महत्वपूर्ण बैठकों में भाग लेने को प्राथमिकता नहीं देते।

प्रदेश सरकार वनों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज यहां गैर सरकारी संस्था 'नीडल लीफ फांऊडेशन -द सेवियर' द्वारा प्रदेश में कार्यान्वित की जाने वाली दो परियोजनाओं का शुभारम्भ किया। संस्था द्वारा इन परियोजनाओं के माध्यम से वनों की आग के नियंत्रण और युवाओं में नशा निवारण व रोकथाम के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा वन संरक्षण व वनों की आग को नियंत्रित करने के लिए बहुआयामी उपाय सुनिश्चित किये गए हैं। इसके दृष्टिगत आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मादक पदार्थों व नशीली दवाओं के दुरूपयोग के लिए व्यापक स्तर पर अभियान आरम्भ

किया गया है। मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए अंतरराज्यीय स्तर पर समन्वय से कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि संस्था के प्रयासों से सरकार द्वारा इस दिशा में किये जा रहे कार्यों को संबल मिलेगा।

संस्था के अध्यक्ष सुनील ग्रोवर ने नवीन योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव के.के. पंत, प्रधान सचिव वित्त देवेश कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर, मुख्यमंत्री के ओएसडी गोपाल शर्मा, नीडल लीफ फांऊडेशन के सदस्य डा. अनिल चौहान, प्रदीप कुमार, एस.एन.कपूर, अजय कोचर, कोषाध्यक्ष राजीव सूद और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सुक्खू ने वित्त विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार व्यवस्था परिवर्तन के ध्येय के साथ आदर्श वित्तीय प्रबंधन सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने दो वर्ष के कार्यकाल के दौरान वित्तीय अनुशासन की दिशा में कारगर कदम उठाये हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी कार्य या परियोजना के लिए बजट आवंटन के उपरान्त उसे पूर्ण करने के लिए निर्धारित अवधि की अक्षरशः अनुपालना की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार, राज्य के संसाधनों का संतुलित उपयोग कर समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से वित्त प्रबंधन पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है। उन्होंने लोक निर्माण और जल शक्ति विभाग के सभी लंबित बिलों का भुगतान करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने ई-वितरण, बजट, व्यय, ट्रेजरी इत्यादि से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना, प्रधान सचिव वित्त देवेश कुमार, सचिव वित्त अभिषेक जैन, मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर, विशेष सचिव वित्त व निदेशक कोष व लेखा रोहित जम्वाल, मुख्यमंत्री के ओएसडी गोपाल शर्मा, अतिरिक्त निदेशक दीपक भारद्वाज और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जय राम ठाकुर तथ्यहीन बयानबाजी कर लोगों को गुमराह करने का कर रहे प्रयास : विक्रमादित्य सिंह

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह तथा तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने आज यहां जारी प्रेस वक्तव्य में कहा है कि नेता प्रतिपक्ष जय राम ठाकुर तथ्यहीन बयानबाजी कर लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जय राम ठाकुर टेऊजरी के सम्बन्ध में अनर्गल व भ्रामक बयानबाजी कर रहे हैं जोकि मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की वित्तीय स्थिति के बारे में कोरी कल्पनाएं करना जय राम ठाकुर की आदत बन गई है। जबकि वास्तविकता यह है कि मात्र एक दिन यानि 13 जनवरी, 2025 को ही प्रदेश के टेऊजरी से 550 करोड़ रूपये के बिल पास हुए हैं, जिससे लगभग 10000 लाभार्थियों की अदायगी सुनिश्चित हुई है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की ट्रेजरी सिर्फ तभी बंद होती है जब प्रदेश सरकार द्वारा उस दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित कर अधिसूचित किया हो। उन्होंने कहा कि विपक्षी नेताओं के हवा-हवाई वक्तव्य पिछले दो वर्षों में कांग्रेस सरकार द्वारा लागू की गई नीतियों और परिवर्तनकारी पहलों के बारे में विपक्ष की समझ और जागरूकता की कमी को दर्शाते हैं। इन नेताओं ने वास्तविक प्रगति को स्वीकार करने के बजाय निराधार आलोचनाओं के साथ जनता को गुमराह करने का विकल्प चुना है।

मंत्रियों ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के कुशल नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। हिमाचल प्रदेश दूध के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य लागू करने वाला भारत का पहला राज्य बना है। प्रदेश के किसानों की आर्थिकी को सुदृढ़ करने के दृष्टिगत दूध के समर्थन मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। गाय के दूध का एमएसपी 32 रुपये से बड़ाकर 45 रुपये प्रति लीटर, जबकि भैंस के दूध का एमएसपी 47 रुपये से बड़ाकर 55 रुपये प्रति लीटर किया गया है। वर्तमान कांग्रेस सरकार ने देश में प्राकृतिक खेती से उत्पादित गेहूं और मक्का के लिए सबसे अधिक समर्थन मूल्य प्रदान कर एक मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सेब उत्पादकों के लिए यूनिवर्सल कार्टन और मंडी मध्यस्थता योजना के तहत 153 करोड़ रुपये का बकाया चुकाकर बागवानों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को भी पूरा किया है।

मुख्यमंत्री ने दिए ई-बसों की खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज यहां हिमाचल प्रदेश परिवहन निगम की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को 327 ई-बसों की खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने खरीद प्रक्रिया से संबंधित सभी औपचारिकताएं समयबद्ध पूर्ण करने को कहा। उन्होंने कहा कि दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए 100 मेटाडोर मिनी बसों की खरीद भी की जाएगी। इन बसों की उपलब्धता होने से एचआरटीसी की वित्तीय स्थिति और सेवाओं में भी और सुधार सुनिश्चित होगा।

मुख्यमंत्री ने एचआरटीसी को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस उपाय

करने के निर्देश भी दिये। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की समर्पित सेवाओं के कारण निगम की वित्तीय स्थिति में निरंतर सुधार दर्ज किया जा रहा है और निगम की आय में वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा कि एचआरटीसी की कार्यशैली को दक्ष बनाने के लिए नवीन प्रौद्योगिकी का उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है। एचआरटीसी ने अपनी बसों में कैशलेस भुगतान विकल्प भी शुरू किया है। हिमाचल प्रदेश परिवहन क्षेत्र में ऐसी सुविधाएं प्रदान करने वाला पहला राज्य बन गया है।

उन्होंने कहा कि एचआरटीसी राज्य की जीवन रेखा की तरह कार्य कर रहा है इसलिए लोगों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करना निगम का सर्वोच्च दायित्व है। मुख्यमंत्री ने निगम के मण्डल व क्षेत्रीय कार्य स्तर तक प्रदर्शन तथा आय व व्यय की समीक्षा भी की और अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार आधारभूत संचरना अनिल कपिल, अतिरिक्त मुख्य सचिव आर.डी. नजीम, मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर, एचआरटीसी के प्रबन्धक निदेशक रोहन चन्द ठाकुर, मुख्यमंत्री के ओएसडी गोपाल शर्मा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

चिंतपूर्णी मंदिर में अब प्रति श्रद्धालु 300 रुपए में होंगे सुगम दर्शन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चिंतपूर्णी। उत्तर भारत के प्रसिद्ध शक्तिपीठ माता चिंतपूर्णी मंदिर में अब सुगम दर्शन प्रणाली में बदलाव लागू हो गया है। यहां सुगम दर्शन के लिए नई व्यवस्था की गई है। मकर संक्रांति पर मंगलवार से मंदिर ट्रस्ट ने इसकी व्यवस्था शुरू की है। अब प्रत्येक व्यक्ति को सुगम दर्शन प्रणाली यानी लिफ्ट के जरिए दर्शन के लिए 300 रुपए का शुल्क देना होगा।

इससे पहले 5 व्यक्तियों के संयुक्त दल के लिए 1100 रुपए का शुल्क निर्धारित था। इसके लिए श्रद्धालुओं को या तो 5 की संख्या पूरी करनी होती थी या एक या 2 श्रद्धालुओं को भी 1100 रुपए अदा करना पड़ता था। अब एक श्रद्धालु 300 रुपए देकर सीधे तौर पर भी दर्शनों के लिए जा सकता है। मंदिर ट्रस्ट ने काफी पहले ऐसी व्यवस्था करने का फैसला किया था, लेकिन इसकी अब अधिसूचना जारी कर यह व्यवस्था आज से लागू कर दी है।

मंदिर ट्रस्ट ने व्यवस्था की है कि रविवार, संक्रांति, नवरात्र मेला एवं नववर्ष के मौके पर आयोजित मेले के दिनों में सुगम दर्शन पर्ची के लिए 500 रुपए प्रति व्यक्ति यह शुल्क होगा। बुजुर्गों व दिव्यांगों को यह सुगम दर्शन पर्ची 100 रुपए की दर से लगाई जाएगी। मंदिर अधिकारी अजय मंडियाल ने माना कि मंदिर आयुक्त के आदेशों के बाद नई व्यवस्था को लागू कर दिया गया है। साधारण दिनों में श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन प्रणाली के लिए 300 तो विशेष दिवसों पर यह शुल्क 500 रुपए होगा।

मझाट के जंगलों में शरारती तत्वों ने लगाई आग

अर्थ प्रकाश संवाददाता

कुल्लू। मझाट जंगल में मंगलवार दोपहर को लगी आग पर करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद काबू पाया जा सका। मझाट पहाड़ी क्षेत्र में दूर-दूर तक आग की लपटें उठती दिखाई दीं। ग्रामीण मकर संक्रांति के दिन आग बुझाने में जुटे रहे। आग से करीब 200 हैक्टेयर क्षेत्र की वनस्पति जल गई। आग गांव की पहाड़ी ओर बढ़ने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। दमकल गाड़ी भी जंगल तक नहीं पहुंची।

बाला राम व कृपा राम ने बताया कि मंगलवार दोपहर के समय आग टडारी गांव से शुरू हुई जिससे पूरे

गांव में दहशत का माहौल बन गया। लोगों ने कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया जिससे आधा दर्जन मकानों को बचाया। उन्होंने कहा कि जिसने भी आग लगाई है उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

एचआरटीसी चालक ने मौत से पहले आरएम पर लगाए संगीन आरोप

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला। मंडी जिला के धर्मपुर में एचआरटीसी बस चालक द्वारा आत्महत्या से पहले क्षेत्रीय प्रबंधक धर्मपुर पर लगाए गए संगीन आरोपों की जांच के लिए निगम के प्रबंधक निदेशक ने आदेश जारी कर दिए हैं। बता दें कि कुल्लू जिले के बदाह का रहने वाला संजय धर्मपुर डिपो में चालक के पद पर तैनात था। बीते दिन उसने कोई जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली थी। मौत से पहले उसने क्षेत्रीय प्रबंधक धर्मपुर पर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और वेतन रोकने के आरोप लगाए थे, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसका संज्ञान लेते हुए निगम के प्रबंधक निदेशक रोहन चंद ठाकुर ने अब मामले की जांच के आदेश दिए

हैं। वहीं आरएम धर्मपुर का कहना है कि सभी आरोप निराधार हैं। चालक को वेतन मिल रहा था। वह 7 से 12 जनवरी तक छुट्टी पर था। उन्होंने बताया कि परिजनों ने आत्महत्या मामले की जानकारी उन्हें फोन पर दी थी। आरएम के अनुसार चालक संजय रामपुर से अंडर सस्पैंड होकर धर्मपुर ट्रांसफर हुआ था। उसके खिलाफ ड्रंक एंड ड्राइव का केस चला चला हुआ था। उसने घरेलू हिंसा की बात कहकर छुट्टी के लिए आवेदन किया था और छुट्टी स्वीकृत भी नहीं करवाई थी।

दिल्ली के हाट में सिरमौरी हाटी की नाटी ने मचाया धमाल

हिम महोत्सव दिल्ली में सिरमौरी लोकनृत्यों की धूम

अर्थ प्रकाश संवाददाता

सोलन । अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लोक कलाकार डॉ. जोगेन्द्र हाब्बी ने प्रेस को जारी बयान में बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा दिल्ली हाट में 1 से 15 जनवरी तक हिम महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। हिम महोत्सव का आयोजन उद्योग विभाग, हिमाचल क्राफ्ट, पर्यटन विभाग, भाषा एवं संस्कृति विभाग के तत्वाधान में किया जा रहा है।

हाटी जनजातीय क्षेत्र के चूड़ेश्वर सांस्कृतिक मंडल, पझौता के लोक कलाकारों ने डॉ. जोगेंद्र हाब्बी के निर्देशन में प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों में 11 से 13 जनवरी तक हाटी की नाटी के अंतर्गत महाभारत कालीन ठोडा नृत्य, रिहाल्टी गी, दीपक नृत्य, मुंजरा नाटी, परात नृत्य, रासा नृत्य, पढुंआं नृत्य, लंबड़ा नृत्य तथा सिरमौर का लगभग पांच सौ साल पुराना सिंहटू नृत्य प्रस्तुत कर भारतवर्ष के अनेकों राज्यों से आए दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी।

ग्यारह जनवरी की सांस्कृतिक संध्या में मुख्य सचिव हिमाचल प्रदेश श्री प्रबोध सक्सेना ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की तथा तेरह जनवरी की सांस्कृतिक संध्या में उद्योग मंत्री श्री हर्षवर्धन चौहान मुख्य अतिथि रहे। हिम महोत्सव के अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन में निदेशक भाषा एवं संस्कृति विभाग डॉ. पंकज ललित के निर्देशानुसार तथा सहायक निदेशक बिहारी लाल शर्मा की देखरेख में भाषा एवं संस्कृति विभाग द्वारा सांस्कृतिक संध्याओं का आयोजन किया गया जिसमें सिरमौर के अलावा शिमला, किन्नौर, हमीरपुर, मंडी तथा कांगड़ा आदि जनपदों से लोक कलाकारों को अलग-अलग समय पर लोक नृत्यों के प्रदर्शन हेतु आमंत्रित किया। चूड़ेश्वर सांस्कृतिक दल में डॉ. हाब्बी के अलावा प्रसिद्ध लोक गायक रामलाल वर्मा, बिमला चौहान, अमी चंद, जितेंद्र, निशांत, देवी राम, सोहनलाल, नरेंद्र, अमन, अनुजा, प्रिया, रेखा, किरण, प्रीति, सुरेंद्र, राजेश, आदि लोक कलाकार शामिल थे।

शिमला में खाई में गिरी कार, एक की मौत, 2 लोग घायल

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला । हिमाचल प्रदेश के शिमला में कार खाई में गिर गई, जिससे कार सवार की मौत हो गई। जबकि 2 लोग घायल हो गई। घटना कुमारसैन की है। मरने वाले की उम्र 22 साल है। 12 जनवरी की शाम को एक मारुति 800 कार (नंबर एचपी 52ए 7685) शैला गांव से वापस कुमारसैन की तरफ आते समय फिसलकर खाई में गिर गई। पुलिस के अनुसार, कार को मोहित सोनी चला रहे थे और उनके साथ मोहम्मद हुसैन और मोहित कश्यप सवार थे। शाम करीब 8 बजे जब वे छैला से लौट रहे थे, तब ड्राइवर की लापरवाही और तेज गति के कारण कार नियंत्रण से बाहर होकर पहाड़ी से नीचे गहरी खाई में गिर गई। हादसे में तीनों घायलों

को खनेरी अस्पताल रामपुर में भर्ती कराया गया, जहां अगले दिन 13 जनवरी को उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के धामपुर निवासी मोहम्मद हुसैन (22) की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और ड्राइवर मोहित सोनी के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज किया गया है।

स्कूटी सवार महिला की मौत

नादौन। थाना क्षेत्र नादौन के अंतर्गत तरेटी गांव के निकट पेश आई सड़क दुर्घटना में एक स्कूटी सवार महिला की मौत हो गई। मृतक महिला की पहचान बबली देवी (45) पत्नी सुभाष चंद निवासी गांव बोहड़ खालसा (ज्वालामुखी) के तौर पर हुई है। जानकारी के अनुसार महिला अपने पति सुभाष चंद के साथ स्कूटी पर भूंपल गांव से वाया तरेटी अपने घर जा रही थी। जैसे ही ये लोग तरेटी के निकट मौनी बाबा की कुटिया के पास पहुंचे तो सुभाष चंद स्कूटी से नियंत्रण खो बैठा। इसी दौरान यहां से गुजर रहे ट्रक के साथ स्कूटी की टक्कर हो गई, जिससे स्कूटी पर सवार बबली देवी सड़क पर गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के तुरंत बाद महिला को नादौन अस्पताल पहुंचाया गया परंतु रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। बबली देवी अपने पीछे एक विवाहित बेटी, पति व बेटे को छोड़ गई है। जखोटा पंचायत प्रधान सुमित राणा ने सरकार व प्रशासन से इस निर्धन परिवार की आर्थिक सहायता की मांग की है। जांच अधिकारी एसआई नरेश कुमार नादौन ने बताया कि मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

मकर संक्रांति का पर्व प्रतीक है परिवर्तन का, सामाजिक समरसता का, एकता व बंधुत्व का : डा. श्रीप्रकाश मिश्र

अर्थ प्रकाश/राजकुमार वालिया

कुरुक्षेत्र, 14 जनवरी। भारत के सभी पर्व उत्सव प्रकृति संरक्षण और सामाजिक समरसता की भावना से युक्त हैं। जहाँ एक ओर प्रकृति के संरक्षण और समानता का संदेश है, वहीं दूसरी ओर सामाजिक समरसता का संदेश है। मकर संक्रांति भी इसी प्रकार का पर्व है। मकर संक्रांति भारत में विविध रूप से मनायी जाती है। इसमें भारतीय संस्कृति की विविधता झलकती है। लेकिन भाव भूमि समान है। यह विचार मकर संक्रांति एवं मातृभूमि सेवा मिशन के 22वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मातृभूमि शिक्षा मंदिर द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय कार्यक्रम के समापन अवसर श्री राम कुष्ठ आश्रम में आयोजित नारायण सेवा संवाद कार्यक्रम में मातृभूमि सेवा मिशन के संस्थापक डा. श्रीप्रकाश मिश्र ने व्यक्त किये। कार्यक्रम का शुभारम्भ श्री राम हरि संकीर्तन से हुआ। मातृभूमि सेवा मिशन द्वारा श्री राम कुष्ठ आश्रम के प्रत्येक परिवार को कम्बल, राशन सामग्री आदि वितरित की गई।

हरियाणा हरि, शिव, कृष्ण एवं वीरों की भूमि है : कृष्ण बेदी

गांव उझाना एवं धरोदी के कार्यक्रमों में कैबिनेट मंत्री बेदी का फूलमालाओं के साथ किया स्वागत

मकर सक्रांति के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों में कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने लगभग 4 करोड़ रूपये की राशि के मंजूर किए विकास कार्य

अर्थ प्रकाश/हितेश गर्ग

नरवाना, 14 जनवरी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि हरियाणा त्योहारों की धरती है और प्रत्येक त्यौहार जन मानस को समरस्ता, आपसी प्रेम तथा भाईचारे का संदेश देता है। प्रदेश के त्योहारों में मकर संक्रांति का अपना विशेष महत्व है। इस दिन हरियाणा वासी कन्या एवं गाय की पूजा करते हैं तथा अपनी सामर्थ्य अनुसार उन्हें दान व दक्षिणा देकर देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

यह विचार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने मंगलवार को गांव उझाना में बाबा खाक नाथ डेरा उझाना तथा बाबा जमीन नाथ गौशाला धरोदी में मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए व्यक्त किए। गांव उझाना में मकर संक्रांति के वार्षिक उत्सव के दौरान मेडिकल चैकअप व रक्तदान शिविर भी लगाया गया।

श्री बेदी ने आगे कहा कि अन्य त्यौहारों की तरह मकर संक्रांति के त्यौहार पर भी सभी हरियाणवीं एक दूसरे को बधाई देते हैं और देव ऋषियों से प्रत्येक व्यक्ति के सुखमय जीवन की कामना करते हैं। हरियाणा को हरि, शिव, कृष्ण एवं वीरों की भूमि भी माना जाता है और अनेक त्यौहारों पर पवित्र तीर्थ स्थानों में स्नान करके प्रत्येक व्यक्ति पूण्य कमाता है। आज मकर संक्रांति का पावन पवित्र और बड़ा ही सौभाग्य का दिन है। यदि कोई मनुष्य पावन तीर्थ स्थान पर स्नान करता है तो उसे बहुत ही पूण्य मिलता है। गांव उझाना के निवासी बड़े ही सौभाग्यशाली है कि यह स्थान उनके गांव में स्थित है। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने श्री श्री 1008 सिद्ध बाबा खाक नाथ जी के आसन उझाना में पूजा अर्चना की और तीर्थ पर स्नान भी किया।

उन्होंने कार्यक्रम के आयोजको द्वारा रखी गई सभी मांगों जैसे तीर्थ का सौंदर्यकरण, पार्किंग स्थल को पक्का करने, डेरा के चारों तरफ के रास्ते को पक्का करने तथा लाईटें लगवाने, श्रद्धालुओं के लिए शैड का निर्माण इत्यादि मांगों का एस्टीमेट बनवाकर काम शुरू करवाने का आश्वासन दिया तथा ग्राम पंचायत द्वारा गांव के विभिन्न विकास कार्यों के लिए रखी गई लगभग एक करोड़ रूपये की मांग को मंजूर करते हुए पूरा करने का आश्वासन दिया।

इसके अलावा कैबिनेट मंत्री ने गांव धरोदी में बाबा जमीन नाथ गौशाला में आयोजित कार्यक्रम में आयोजकों द्वारा रखी गई मांग गौशाला में शैड के लिए 90 लाख रूपये, ट्रैक्टर सहित चारा काटने मशीन के लिए 35 लाख रूपये, एनिमल क्रिमीनेशन इनसिनरेटर के लिए 35 लाख रूपये की जो लगभग 1 करोड़ 60 लाख रूपये की लागत के कार्यों को अगले वित्त वर्ष में पूरा करने आश्वासन दिया तथा मौके पर गौशाला के लिए 25 लाख रूपये देने की भी घोषणा की।

उन्होंने कहा कि देवताओं एवं तपस्वियों द्वारा दिए पोराणिक संदेशों के अनुरूप ही वर्तमान केंद्र व राज्य सरकार सर्व समाज के कल्याण की भावना को आगे बढ़ा रही है। मानव समाज के कल्याण के साथ-साथ गो रक्षा एवं कन्या सम्मान के लिए भी सरकार अनेक महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। इनमें गौ रक्षा आयोग का गठन, गोपालक को सरकार द्वारा मानदेय देना तथा बेटी बचाओ-बेटी पढाओ अभियान महत्वपूर्ण है, जिनके सकारात्मक परिणाम भी दृष्टिगोचर हो रहे है। वर्तमान में प्रत्येक व्यक्ति का गौ पालन तथा कन्या शिक्षा के प्रति रुझान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने गायों के लिए अनेक योजनाएं चलाई हुई है। इस मौके पर महंत योगी पीर राजनाथ, महंत योगी पीर पूर्ण नाथ, आईपीएस कुलदीप चहल, महारानी इंद्रजीत कौर, पूर्व ओएसडी अमरजीत सिंह, डॉ. दीपक नैन, बिनैन खाप के प्रधान रघबीर नैन, उप प्रधान भगत राम, गौशाला के प्रधान ईश्वर सिंह, सरपंच अमित धरोदी, सरपंच सुनील उझाना, रंगी राम धमतान, अमित ढाकल, ईश्वर सिंह, हंसराज समैन, विशाल मिर्धा, पंचायत समिति अध्यक्ष नरवाना बिट्टू नैन, पंचायत समिति अध्यक्ष उझाना गुरमेल सिंह, बलदेव वाल्मीकि, सुशील नायक एडवोकेट, सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

आम जनता से जुड़े कार्यों को तीव्रता से पूरा करें अधिकारी : संजीव अत्रि

अर्थ प्रकाश/सुशील कुमार

नारायणगढ़, 14 जनवरी। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार प्रदेश में जिला एवं उपमण्डल स्तर पर समाधान शिविर प्रत्येक कार्य दिवस में प्रात: 10 से 12 बजे तक आयोजित किये जा रहे है। इसी कड़ी में नारायणगढ उमण्डल में भी समाधान शिविर लघु सचिवालय के कान्फ्रेस हॉल में प्रत्येक कार्य दिवस में आयोजित किया जा रहा है।

मंगलवार को आयोजित समाधान शिविर में नायब तहसीलदार संजीव अत्रि ने लोगों की समस्याएं सुनी और सम्बंधित अधिकारियों को समस्याओं के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा अधिकारियों को निर्देश दिये है कि आम जनता से जुड़े कार्यो को अधिकारी विशेष ध्यान देकर तीव्रता दिखाएं और समयबद्ध तरीके से आम जनता से जुड़े कार्य पूरा करें। उन्होने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि अन्तोदय के ध्येय पर चलते हुए अधिकारी प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाये।

समाधान शिविर में सात समस्याएं आई जिनमें वार्ड 4 के मोहन लाल ने वृद्धावस्था पैंशन से सम्बंधित, गांव नगौली की सुनिता देवी ने परिवार पहचान पत्र में आय कम करवाने, गांव उज्जल माजरी के मीनू देवी ने परिवार पहचान पत्र से सम्बंधित समस्या रखी। नारायणगढ के हरबंश लाल ने साफ-सफाई एवं गलियों की रिपेयर के बारे में तथा गांव छोटी बस्सी के रधुबीर सिंह ने गोहर में पेड़ों से सम्बंधित से समस्या रखी।

मकर संक्रांति पर गौमाता की सेवा अत्यंत पुण्य कार्य : सुभाष बराला

अर्थ प्रकाश/संजीव सिंगला

टोहाना, 14 जनवरी। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने मकर सक्रांति के पावन अवसर पर टोहाना स्थित शिव नंदीशाला में गौमाता की सेवा की। इस दौरान सांसद ने गौमाता को हरा चारा खिलाकर आशीर्वाद लिया और गौमाता के लिए किए गए प्रबंधों का जायजा लिया।

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने मकर संक्रांति के पावन अवसर पर क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व क्षेत्रवासियों के जीवन में सुख, शांति और खुशहाली लाए। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति पर स्नान, दान और पूजा-पाठ का विशेष महत्व होता है। गौसेवा भारतीय संस्कृति और परंपरा का अभिन्न हिस्सा है, और गौमाता की सेवा करना अत्यंत पुण्य कार्य माना गया है। सनातन धर्म में गाय का अपना अलग ही महत्व है। आदि काल से ही गौमाता को भारतवर्ष में माता का दर्जा दिया गया है। कहते हैं कि गाय में जितनी सकारात्मक ऊर्जा होती है उतनी किसी अन्य प्राणी में नहीं। उन्होंने कहा कि केन्द्र व प्रदेश वर्तमान सरकार गौसंवर्धन एवं गौशालाओं के विकास के लिए कटिबद्ध है। सरकार ने हाल ही में गौशाला के बजट में बढ़ोतरी की है। इससे गौसंवर्धन कार्य में सुधार किया जाएगा और गौशालाओं की स्थिति बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति पर्व पर गौमाता की सेवा करना अपने आप में एक बहुत बड़ा पुण्य का कार्य है। उन्होंने गौसेवा को भारतीय संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग बताया। उन्होंने कहा कि गौ माता न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक हैं, बल्कि हमारे पर्यावरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। सांसद ने शिव नंदीशाला द्वारा गौमाता के लिए किए गए प्रबंधों व व्यवस्थाओं की सराहना की और कहा कि ऐसी संस्थाएं समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। इस मौके पर नंदीशाला के प्रबंधक, समाजसेवी, और बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोग उपस्थित रहे।

बढ्खालसा गांव पहुंचने पर ग्रामीणों व प्रदेश की विभिन्न खापों के प्रतिनिधियों ने किया मुख्यमंत्री के ओएसडी बढ्खालसा का जोरदार स्वागत

हमारा कर्त्तव्य बनता है कि हम सरकार के साथ हाथ मिलाकर देश व प्रदेश के विकास में सहयोगी बने

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। मंगलवार को मुख्यमंत्री नायब सैनी के ओएसडी विरेन्द्र सिंह का उनके पैतृक गांव बढखालसा पहुंचने पर ग्रामीणों व प्रदेश की विभिन्न खापों के प्रतिनिधियों ने जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम में पहुंचते ही ओएसडी ने गांव के बुजुर्गों के साथ भगवान श्री राम की तस्वीर पर पुष्पार्पित करते हुए उन्हें नमन किया। इस दौरान उन्होंने सभी खापों और ग्रामीणों का धन्यवाद करते हुए कहा कि आज जिस प्रकार सब लोगों ने उन्हें जो आशीर्वाद और प्यार दिया है वो उस पर खरा उतरते हुए हमेशा उनके सुख-दुख में साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि आज उनका ही प्यार और आशीर्वाद है कि एक छोटे से किसान का बेटे इतने

बड़े पद पर पहुंचा है।

उन्होंनें कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल ने अपने कार्यालय में अनेकों क्रांतिकारी परिवर्तन किए, जिनका परिणाम आज हमारे सामने है। उन्होंने ही मेरे जैसे एक छोटे से किसान के बेटे को आगे बढ़ाने का कार्य किया। इस प्रकार की अंतोदय की सोच रखने वाले व्यक्ति को मैं बार-बार धन्यवाद करता हूं। आज हमारा कर्त्तव्य बनता है कि आज हम सरकार के साथ हाथ मिलाकर देश व प्रदेश के विकास में सहयोगी बने ताकि हमारा राष्ट हमारे महापुरूषों के सपनों का देश बन सके।

उन्होंने उपस्थित लोगों को मकर सक्रांति की बधाई देते हुए कहा कि यह त्योहार सद्भाव और भाईचारे का प्रतीक है इसलिए आज उपस्थित सभी खाप व ग्रामीण मिलकर संकल्प लें कि हम अपने पर्यावरण को बचाने के लिए कार्य करेंगे। इस मौके पर राई से विधायक कृष्णा गहलावत, खरखौदा से विधायक पवन खरखौदा, भाजपा जिलाध्यक्ष जसबीर दोदवा, मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन, भाजपा नेता देवेन्द्र कौशिक, जसपाल आंतिल, सुरेन्द्र बानिया, निशांत छोक्कर, तीर्थ राणा, रविन्द्र दिलावर, नीरज आत्रेय, उमेश प्रधान, कुण्डली नगरपालिका की चेयरपर्सन शिमला देवी, सहित विभिन्न खापों के प्रतिनिधि व गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

राष्ट्रसंत महायोगी गुप्तिसागर महाराज ने दिया आशीर्वाद, कहा-

नायब सैनी-मोहनलाल बडौली की जोड़ी अमर रहेगी

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी और बीजेपी के प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडौली को एक अनोखा आशीर्वाद मिला है। राष्ट्रसंत महायोगी गुप्तिसागर महाराज ने इस जोड़ी को अमर रहने का आशीर्वाद दिया है। गुप्तिसागर महाराज ने कहा कि जिस तरह से देश में कभी अटल आडवाणी की जोड़ी हुई, अब मोदी - शाह की जोड़ी है, उसी तरह हरियाणा में नायब सैनी और मोहनलाल बडौली की जोड़ी बेमिसाल है। उन्होंने इस जोड़ी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन दोनों ने हरियाणा प्रदेश के लिए बेहतरीन कार्य किया है। गुप्तिसागर महाराज ने नायब सैनी और मोहनलाल बडौली दोनों को कहा कि आप हमेशा ऐसे ही एक दूसरे के लेफ्ट राइट रहें और हरियाणा प्रदेश के लिए मिलकर काम करें। इस अनोखे आशीर्वाद के बाद नायब सैनी और मोहनलाल ने महाराज का आशीर्वाद लिया। दरअसल, गन्नौर

स्थित श्री गुप्तिधाम दिगम्बर जैन तीर्थ में मुख्यमंत्री नायब सैनी का विजय अभिनन्दन समारोह आयोजित किया गया था।

इस कार्यक्रम में सीएम नायब सैनी, प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडौली सहित कई मंत्री और विधायक शामिल हुए थे। समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रसंत महायोगी गुप्तिसागर महाराज ने नायब सैनी और मोहनलाल बडौली की जोड़ी की प्रशंसा की और आशीर्वाद देते हुए कहा कि ये जोड़ी अमर रहेगी। गुप्ति सागर महाराज के इस आशीर्वचन के बाद वहां उपस्थित बीजेपी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और जनसमूह ने जोरदार तालियां बजाकर अभिनन्दन किया।

आपको बता दें कि हरियाणा में तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने में इस जोड़ी ने ही कमाल करके दिखाया था। सीएम नायब सैनी और अध्यक्ष मोहनलाल बडौली की अगुवाई में ही भाजपा हरियाणा विधानसभा चुनाव में मैदान में उतरी थी और इतिहास रचते हुए तीसरी बार सरकार बनाने में कामयाब हुई थी।

नशीला पदार्थ सप्लाई करने का आरोपी गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र (अप्रस)। जिला पुलिस कुरुक्षेत्र ने नशा तस्करों पर बड़ी कारवाई करते हुए नशीला पदार्थ सप्लाई करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। एंटी नारकोटिक सैल टीम ने नशा-मुक्त भारत के तहत नशीला पदार्थ सप्लाई करने के आरोप में जरनैल सिंह पुत्र मेयर सिंह वासी मीरपुर जिला फतेहगढ़ पंजाब को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 11 जनवरी को एंटी नारकोटिक सैल प्रभारी निरीक्षक सुरेन्द्र पाल के मार्ग-निर्देश में सहायक उप निरीक्षक पवन कुमार, प्रवीन कुमार, उप निरीक्षक महेंद्र सिंह, ईएसआई जगपाल सिंह, मुख्य सिपाही प्रदीप कुमार व चालक मुख्य सिपाही प्रवीन कुमार की टीम अपराध तलाश में बस अड्डा गांव टिकरी के पास मौजूद थी।

सार्वजनिक सूचना

विषय: आवंटी / सह आवंटी श्री मुकंद लाल सेठी पुत्र श्री लोकू राम सेठी की वसीयत के साथ हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप निर्मित / अनिर्मित संपत्ति / प्लॉट नं. 1229, सेक्टर 24, अर्बन एस्टेट पानीपत के संबंध में स्वामित्व का हस्तांतरण। श्री मुकंद लाल सेठी, जो रिकॉर्ड के अनुसार उद्धृत संपत्ति के आवंटी थे, की 25.10.2024 को मृत्यु हो गई है और अपने पीछे निम्नलिखित कानूनी उत्तराधिकारी छोड़ते हुए उनकी एक पंजीकृत वसीयत मेमो नं. 991 दिनांक 10.02.2022 हैं: 1) पवन कुमार पुत्र मुकंद लाल सेठी निवासी 1229, सैक्टर 24, पानीपत ने कानूनी उत्तराधिकारी होने के नाते उक्त संपत्ति को अपने पक्ष में स्थानांतरित करने के लिए आवेदन करना चाहते है और पवन कुमार पुत्र मुकंद लाल सेठी के नाम पर पुनः आवंटन के लिए अनुरोध करते है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्लॉट / मकान के हस्तांतरण के खिलाफ कोई आपत्ति है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर सहायक दस्तावेजों के साथ संपदा अधिकारी, एचएसवीपी पानीपत को लिखित रूप में आपत्तियां प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा संपदा अधिकारी एचएसवीपी नीति के अनुसार उक्त संपत्ति के हस्तांतरण / पुनः आवंटन की अनुमति दे सकता है, और बाद में कोई दावा होने पर उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

पवन कुमार, कानूनी वारिस

AP-7962

साइबर ठग लालच देकर लोगों से रकम ऐंठ रहे जागरूक रहने की जरूरत: प्रभारी मनीष कुमार

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। क्राइम यूनिट गन्नौर पुलिस ने मंगलवार को मकर संक्रांति के पर्व पर हवन किया। इसमें पुलिस स्टाफ के साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों, गांव के मुखियाओं व गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया और यज्ञ में आहुति देकर सुख-समृद्धि की कामना की। हवन में पहुंच लोगों ने साइबर अपराध व नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। इस मौके पर भंडारा लगाया गया, जिसमें लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

क्राइम यूनिट गन्नौर प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि मकर संक्रांति का पर्व खास माना जाता है। पुलिस ने हवन कर भंडारा लगाया है। कार्यक्रम में आसपास गांव के सरपंच, सामाजिक संगठनों

से जुड़े लोग व आमजन को बढ़ते साइबर क्राइम व युवाओं में नशे का बढ़ता चलन पर अंकुश लगाने को लेकर जागरूक किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लोग तेजी से साइबर क्राइम का शिकार हो रहे है। साइबर ठग कभी लालच देकर तो कभी डराकर लोगों से रकम ऐंठ रहे है। ऐसे में लोग थोड़ा सतर्क रहें और किसी लालच या डर से प्रभावित न हों तो ठगी की आशंका काफी कम हो जाती है। ठगी होने पर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। उन्होंने सरपंचों से आह्वान किया कि वे गांव स्तर पर युवाओं को नशे के प्रति जागरूक करें, ताकि एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके। इस अवसर पर एसीपी राहुलदेव, गन्नौर थाना प्रभारी जसपाल सिंह, बड़ी थाना प्रभारी युद्धवीर सिंह, खुबडू झाल चौकी प्रभारी विकास ढांडा, एएसआई जसबीर, एएसआई संदीप कुमार, विकास गाहल्याण, सरपंच मेहर सिंह, सरपंच महेश त्यागी, सरपंच प्रतिनिधि रविंद्र पहल आदि मौजूद रहे।

अर्थ प्रकाश क्लासीफाइड CLASSIFIED ADS आज ही बुक करें PH.: 0172-2638515, 98140-19928 Email: arthparkashadvt29@gmail.com

ऋण

Equitas Small Finance Bank Solution Limited
(1995 से आपके सेवा में)
सरकारी योजना के अंतर्गत सभी प्रकार के मार्कशीट, पर्सनल, प्रॉपर्टी, एग्रीकल्चर, ईट भट्ठा, बिज़नेस, होमलोन, सभी लोन
50000 - 95 लाख तक
घर बैठे 72 घंटे मे पाएं
सरकारी कर्मचारी, महिलाओं हैंडीकैप्ड को भारी छूट
2 % ब्याज सालाना
40 % की छूट
70 लाख संतुष्ट ग्राहक
नोट : नार्मल डाक्यूमेंट्स और नेगेटिव एरिया और खराब सिविल स्कोर पर भी लोन उपलब्ध
9335436289, 9064554675

सार्वजनिक सूचना

I, Randip Kaur Wife of Sh. Jagdeep Singh R/o #65-C, Village Bairmajra, Chandigarh have changed my name from Randip Kaur to Randeep Kaur for the officials and unofficial purposes.
एपी-7956

मैं, किरन बाला पत्नी सुनील कुमार #325/ए, निकट दशहरा ग्राउंड, गुग्गा माड़ी रोड़, खरड़, जिला एस. ए. एस नगर मोहाली ने अपना नाम बदल कर किरन बाला शुक्ला रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए।
एपी-7957

मैं, Mahender Singh पुत्र खड़क सिंह निवासी #567, सेक्टर 18, चंडीगढ़ ने अपना नाम बदलकर Mahinder Singh रख लिया है।
एपी-7958

मैं, परमेश कुमार पुत्र राज कुमार गुप्ता निवासी मकान नंबर 411, सेक्टर 43-ए, चंडीगढ़ ने अपना नाम परमेश कुमार से बदलकर परमेश गुप्ता रख लिया है।
एपी-7959

यह सामान्य जानकारी के लिए है कि मैं, अंशु पुत्री सत्यपाल निवासी नांगल काठा (122), महेंद्रगढ़, नांगल काथा, हरियाणा-123001 घोषणा करती हूं कि मेरी मां का नाम मेरे सीबीएसई कक्षा 10वीं और 12वीं के शैक्षिक दस्तावेजों में गलत तरीके से अंजलि देवी लिखा गया है। मेरी मां का वास्तविक नाम अंजलि कुमारी है जिसे तदनुसार संशोधित किया जा सकता है। यह प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस संबंध में अन्य कानूनी आवश्यकताओं का अनुपालन किया है।
एपी-7960

I, Bharati m/o of No. 14879074L, LNk Gahin Nitiraj Shivaji r/o vill. Bavdhan Odha, P.O. Kadegaon, Tehsil Wai, District Satata (MH), have changed my name from Bharati to Bharti Shivaji Gahin vide Affidavit dated 13-01-25 before Executive Magistrate Nahan.

I, Gahin Shivaji Shripati f/o NO. 14879074L LNk Gahin Nitiraj Shivaji vill. Bavdhan Odha, PO kadegaon, Teh Wai, District Satata (MH), have changed my name from Gahin Shivaji Shripati to Shivaji Shripati Gahin vide Affidavit dated 13-01-25 before Executive Magistrate Nahan.
एपी-7963

मैं, वीनू गोयल (आधार संख्या-926752607879), पत्नी देविंदर कुमार गोयल, निवासी # 525, दूसरी मंजिल, सेक्टर 10, पंचकूला, हरियाणा, 134109, यह घोषणा करती हूं कि मेरे कुछ दस्तावेज़ों में मेरा नाम 'वीनू गुप्ता' और कुछ में 'वीनू गोयल' दर्ज है। मैं अपना नाम बदलकर 'वीनू गोयल' करना चाहती हूं। अतः, अब से मैं सभी कानूनी, आधिकारिक और भविष्य के कार्यों के लिए 'वीनू गोयल' के नाम से जानी जाऊंगी।
एपी-7964

मैं, नितेश पुत्र मदन लाल वासी गांव व डाक बिहार जिला फतेहाबाद ने अपना नाम बदलकर नितेश कुमार रखा है।

मैं, अनीता गुप्ता पत्नी अंकुर गुप्ता वासी मकान नं.14-1 Opp. एम एम कॉलेज मॉडल टाउन फतेहाबाद ने अपना नाम बदलकर अनीता रखा है।

मैं, मोहिंदर पाल पुत्र लखपत राय वासी मकान नं. 1249, सैक्टर-7 अर्बन एस्टेट, करनाल, हरियाणा 132001, ने अपना नाम बदलकर मोहिंदर पाल सचदेवा से मोहिंदर पाल रखा है।

मैं, बलविंदर सिंह वासी Sahnipur Tanda डाकघर Massingan जिला पटियाला ने अपनी नाबालिग पुत्री का नाम बदलकर Shajpreet कौर से Sehajpreet कौर रखा है।

मैं, गुरमेल सिंह पुत्र करनैल सिंह वासी मकान नं 19 गांव व डाक उदेपुर जिला अम्बाला ने अपना नाम बदलकर गुरमेल और उपनाम सिंह रखा है।

मैं, सतीश कुमार पुत्र रामजी लाल वासी गांव निहारसी डाकघर जनसुई जिला अम्बाला ने अपना नाम बदलकर सतीश और उपनाम कुमार रखा है।

मैं, Ved Parkash मुंजाल पुत्र श्री खुशी राम निवासी मकान. न0.1196, नजदीक शिव मंदिर, सैक्टर-6 करनाल ने अपना नाम बदलकर Ved Prakash से Ved Parkash मुंजाल रख लिया है।

मैं, निधि बंसल पत्नी राजेश बंसल वासी वरदान सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, पुराण विहार कॉलोनी, जगाधरी, यमुनानगर ने अपना नाम बदलकर निधि सिंगला रखा है।
एपी-7966

मैं, मुकेश मलिक पत्नी जय कंवर निवासी मकान नं. 1584, सेक्टर 2, बहादुरगढ़ झज्जर हरियाणा, घोषणा करती हूं, कि मेरी बेटी को देवांशी मलिक और देवांशी, दोनों नाम से जाना जाता है और ये दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। तथा मुझे भी मुकेश मलिक और मुकेश दोनों नाम से जाना जाता है और ये दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं।

मैं, बलविंदर सिंह, पुत्र श्री गुरुचरन सिंह, निवासी मकान नंबर 2172 सेक्टर 45C, चंडीगढ़, ने अपना नाम बलविंदर सिंह से बदलकर बलविंदर सिंह मुल्तानी रख लिया है।
एपी-7964

मैं, यजुन्द्र सिंह पुत्र कंवल सिंह मकान नं. 4873, सेक्टर 11 एक्सटेंशन, जींद (हरियाणा) का स्थाई निवासी हूं। मैंने अपना नाम यजुन्द्र सिंह से बदलकर यजुन्द्र सिंह कादियान रख लिया है।
एपी-7960

मैं, अरुण कुमार पुत्र सुंदर दास गांधी, मकान नंबर. 264, सेक्टर 32-ए, चंडीगढ़, घोषणा करता हूँ कि मेरे आधार कार्ड नं. 339977425647, में मेरी जन्म तिथि 07.09. 1955, ग़लत लिखी गई है जबकि मेरी सही जन्म तिथि 04.09.1955 है। और मैंने अपना नाम सभी उद्देश्यों के लिए अरुण कुमार गांधी से बदलकर अरुण कुमार रख लिया है।

I, Leelu Ram S/o Shala Ram # 2274 Sector 52-A Chandigarh is hereby declare that my name and my father name wrongly written on caste certificate as Lilu Ram S/o Shaila Ram, The correct name is Leelu Ram S/o Shala Ram.
एपी-7967

I, Ranjodh Singh S/o Manjeet Singh R/o VPO-Bakali, Tehsil- Ladwa, Distt. Kurukshetra (HR), have changed my name from Ranjodh Singh to Ranjodh Singh Zaildar.
एपी-FMG

I Tejinder Kumar sharma s/o. Major Deshraj R/o. # 1033 sector -24B ChandigarhHave changed my name from Tejinder Sharma to Tejinder Kumar Sharma
एपी-7964

मैं, JC-769453एच सुबेदार रंजीत कुमार, निवासी गाँव - मंगनपुर, पोस्ट-मंगनपुर, जिला- वैशाली, राज्य- बिहार, पिन- 844118, AWD-II, 22 Fd WKSP EME (Engr Bde) में 28 जनवरी 2022 से कार्यरत हूं, घोषणा करता हूं कि मेरे सर्विस दस्तावेज़ों में मेरी पत्नी का नाम पूनम देवी (Poonam Devi) दर्ज है, जबकि उनका सही नाम पुनम देवी (Punam Devi) है, शपत पत्र संख्या IN-PB90640499856862W दिनांक 20.12.24 District court Patiala
एपी-7964

मैं, समीर सिंह पुत्र श्री विरेन्दर सिंह निवासी # 196, वीना नगर, कैंप, यमुना नगर, तहसील जगाधरी, जिला। यमुनानगर मैं घोषणा करता हूं कि मेरी मां का नाम Jaswinder Kour और jasvinder Kaur दोनों एक ही हैं और एक ही व्यक्ति हैं। सभी संबंधित नोट करें।
एपी-7971

मैं, SURENDER SHARMA पुत्र श्री भरथू शर्मा निवासी नजदीक ख्वाजा कोठी गुलचमन स्ट्रीट लुधियाना पंजाब ब्यान करता हूं कि मैंने अपना नाम SURENDAR SHARMA से बदलकर SURENDER SHARMA रख लिया है।

मैं, जादव भावना माता श्री आर्मी संख्या 14950818X रैंक- सिपाही नाम- बामनीय संदीप हरसुखभाई निवासी गांव और पोस्ट आफिस रामपरा तहसील- वेरावल जिला- गिर सोमनाथ राज्य- गुजरात पिन- 362268 मैंने अपना नाम JADAV BHAVANA से बदलकर Jadav Bhavna Bhikhabhai रख लिया है और मेरे बेटे के सेना सर्विस रिकॉर्ड में मेरी जन्मतिथि 01/01/1970 है जो गलत है। सही जन्मतिथि 01/06/1978 है। कृपया इसे मेरे बेटे के सेना सर्विस रिकॉर्ड में सही दर्ज करें।

I, Rani Devi is Legally mother of Army No 14846570M Rank Hav Name: Sunil Singh Kushwah R/o 76 Shri Nath Vihar Chotta Bagarda Indore Unit 340 Coy ASC C/O 56 APO Patiala Cantt Punjab Pin 147001 have changed my name from Rani Devi to my correct name Kusum Lata Kushwah

I, Ritu Shukla is Legally Wife of Army No 14846408P Rank Hav, Name: Dharmendra Kumar Shukla Unit 340 Coy ASC C/o 56 Apo have changed my Date of Birth 01/07/1991 to my correct Date of Birth 01/01/1991
एपी-7972

मैं, Manish Goyal पुत्र Suresh Goel निवासी Flat No. B-211, Second Floor, Regalia Towers, Himmatgarh, जीरकपुर, SAS Nagar पंजाब ने अपना नाम Manish Goyal से बदलकर Manish Goel रख लिया है।
एपी-7964

मैं, बलविन्द्र सिंह पुत्र केहर सिंह निवासी वार्ड न. 17, नया शास्त्री बस्ती, पेहोवा, कुरुक्षेत्र, हरियाणा ने अपना नाम बलविन्द्र उपनाम सिंह रख लिया है।

मैं, सुरिन्द्र कौर पत्नी गुरदीप सिंह निवासी बाखली खुर्द,पिहोवा ने अपना नाम बदलकर सुरिन्द्र उपनाम कौर रख लिया है।

मैं,खुशी राम सिंगला पुत्र रूप चंद निवासी मॉडल टाउन,पिहोवा, कुरुक्षेत्र ने अपना नाम बदलकर खुशी राम रख लिया है।
एपी-7973

मैं, प्रतिभा टंडन, पत्नी अश्वनी टंडन, निवासी # 106, सेक्टर 10, पंचकूला, हरियाणा, घोषणा करती हूं कि मैं वर्तमान में प्रतिभा और प्रतिभा पाहवा नामों से जानी जाती हूं। हालांकि, मैं अपना नाम बदलकर प्रतिभा टंडन कर रही हूं। अब से, मैं सभी कानूनी और आधिकारिक रिकॉर्ड में प्रतिभा टंडन के नाम से जानी जाऊंगी। मैं नाम परिवर्तन से उत्पन्न किसी भी कानूनी परिणाम या विवाद के लिए स्वयं पूरी तरह से जिम्मेदार हूं।
एपी-FMG

बेदखली सूचना

मैं, रेखा देवी (आधार नं. 2217 0507 7782) पत्नी स्वर्गीय श्री शिवचरण निवासी भगत सिंह कॉलोनी वार्ड नं. 3 नरवाना जिला जीन्द हल्फ से बयान करती हूं कि मेरा पुत्र शिवदर्शन व मेरी पुत्रवधू प्रवीन दोनों मेरे कहने सुनने से बाहर है। मैं इन दोनों को अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं भविष्य मे इन दोनों के साथ कोई भी किसी भी प्रकार का लेनदेन करता है तो इसका जिम्मेवार वह स्वयं होगा। इसमें मेरे और मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

मैं, महा वीर (आधार नंबर 7695 1288 7701) पुत्र श्री राम सरूप गांव कुचराना कलाँ तहसील अलेवा जिला जींद अपने हल्फ से बयान करता हूँ कि मेरा लड़का संजय (आधार नं0 7695 1288 7701) मेरे कहने सुनने से बाहर है। मै इसको अपनी चल -अचल संपति से बेदखल करता हूं भविष्य में इसके साथ कोई भी किसी भी प्रकार का लेनदेन करता है तो इसका जिम्मेवार वह स्वयं होगा। इसमें मेरे और मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
एपी-7965

मैं, राजबीर पुत्र नत्थु राम निवासी मकान न.15, काछवा रोड़, गांव पाल नगर, पूण्डरक, जिला करनाल बयान करता हूँ कि मेरी लड़की ज्योति मेरे कहने-सुनने से बाहर है। मैं उसे अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। वह अपने लेन-देन,अच्छे-बुरे, कानूनी, गैर-कानूनी कार्य की स्वयं जिम्मेदार होगी।
एपी-7970

मैं, भोला राम पुत्र राम सवरूप गाँव हमीरा फार्म, सियाना सैदां,पिहोवा,कुरुक्षेत्र मेरा पुत्र जोगिन्द्र सिंह व मेरी पोती काजल रानी मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं इसलिए मै इनको अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हु। भविष्य में इनके द्वारा किये गए अनैतिक कार्य व इनसे लेन देन करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा।
एपी-7973

मैं, राजकुमार पुत्र अन्तु राम निवासी गांव मछरौली, तहसील बिलासपुर, जिला यमुनानगर घोषणा करता हूं कि मेरा पुत्र अंकुश कुमार व पुत्रवधू रजनी देवी मेरे कहने-सुनने से बाहर है मैं अपने पुत्र अंकुश कुमार व पुत्रवधू रजनी देवी को अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं भविष्य में जो इनसे लेन-देन करेगा स्वयं जिम्मेवार होगा।
एपी-7974

खोया-पाया

मैं, जगजीत सिंह सेखो पुत्र गुरसेवक सिंह, गांव बी आर-7, डेरा बाबा जैमल सिंह, तहसील बाबा बकाला साहिब, जिला अमृतसर बयान करता हूं कि प्लॉट ई. 50 सेक्टर 107 प्लॉट साइज 502.32 वर्ग गज का मालिक हूं जो यूनि वर्ल्ड सिटी एस एस नगर मोहाली में स्थित है जिसका एलॉटमेंट लेटर और बिल्डर बायर एग्रीमेंट और मूल भुगतान रसीदें मेरी तरफ से डेरा बाबा जमाल सिंह से लेकर बायस तक के रस्ते खो गई है. अगर किसी को मिला तो मुझसे संपर्क करे। 7986996102
एपी-7964

आवश्यक सूचना

अर्थ प्रकाश (हाउस ऑफ प्रिंट एंड डिजिटल मीडिया) का इस समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/ क्लासीफाइड) के तथ्यों संबंधी कोई दायित्व नहीं है। हमारा समाचार पत्र इनको सत्यापित नहीं करता है। किसी भी प्रकार के विज्ञापनों में पाठकों से विनती है कि वह कोई भी प्रतिक्रिया करने से पहले, विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पूर्व तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। यह समाचार पत्र उपरोक्त किसी भी विज्ञापन के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।

भाजपा नेता ने मंदिर में हवन करके मनाई मकर संक्रांति

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

राई। मकर सक्रांति के उपलक्ष्य में पार्षद श्रीमती नीलम कौशिक व उनके सुपुत्र नितिन कौशिक ने मंदिर में हवन ओर भंडारा करके मनाई मकर संक्रांति और नितिन कौशिक ने कहा की मकर संक्रांति हमारे सनातन धर्म का एक मुख्य त्यौहार है और हम सभी को बड़े धूमधाम से त्यौहार को मनाना चाहिए। नितिन कौशिक ने कहा कि मकर संक्रांति पर्व का पौराणिक महत्व भी है इस दिन भीष्म पितामह ने अपनी देह का त्याग किया था तथा गंगा जी भी इसी दिन

भागीरथ के पीछे चलकर सागर में मिली थी इसलिए सक्रांति के अवसर पर नदियों में स्नान का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि सर्दी के मौसम की विदाई के लिए ग़रीब निर्धनों को गर्म वस्त्र, जूते आदि दान करने की भी परंपरा है। पर्व हमारी संस्कृति के प्रतीक हैं और आपस में भाईचारा, प्यार, प्रेम को बनाए रखने में मदद करते हैं।

सार्वजनिक नोटिस

संपदा अधिकारी, एचएसवीपी के समक्ष। अर्बन एस्टेट, पंचकुला का नाम।

विषय:- मालिक स्वर्गीय श्री शिव कुमार गुप्ता पुत्र स्व. जगन नाथ गुप्ता की निर्वसीयत मृत्यु के परिणामस्वरूप निर्मित मकान नंबर 3001-पी, सेक्टर 15, अर्बन एस्टेट, पंचकुला के संबंध में स्वामित्व का हस्तांतरण।

स्वर्गीय श्री शिव कुमार गुप्ता, जो रिकॉर्ड के अनुसार उद्धृत संपत्ति के मालिक थे, की मृत्यु 18.06.2023 को हो गई है और उनके पास कोई पंजीकृत या गैर-पंजीकृत वसीयत नहीं है, वे अपने पीछे निम्नलिखित कानूनी उत्तराधिकारी छोड़ गए हैं- (1) श्री संदीप गुप्ता (पुत्र), (2) श्री रमन गुप्ता (पुत्र), (3) श्री विकास गुप्ता (पुत्र) श्री संदीप गुप्ता, श्री रमन गुप्ता, एवं श्री विकास गुप्ता सभी पुत्र स्व. शिव कुमार गुप्ता निवासी हाउस नंबर 3001-पी, सेक्टर 15, पंचकुला कानूनी उत्तराधिकारी होने के नाते उक्त संपत्ति को उनके पक्ष में स्थानांतरित करने के लिए आवेदन करना चाहते हैं और श्री संदीप गुप्ता, श्री रमन गुप्ता, एवं श्री विकास गुप्ता. के नाम पर पुनः आवंटन के लिए अनुरोध करना चाहते हैं। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त प्लॉट/घर के हस्तांतरण के खिलाफ कोई आपत्ति है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर सहायक दस्तावेजों के साथ संपदा अधिकारी, एचएसवीपी, पंचकुला को लिखित रूप में आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा संपदा अधिकारी एचएसवीपी नीति के अनुसार उक्त संपत्ति के हस्तांतरण/ पुनर्आवंटन की अनुमति दे सकता है और बाद के दावे, यदि कोई हो, पर विचार नहीं कर सकता है।

कानूनी उत्तराधिकारीः श्री संदीप गुप्ता, श्री रमन गुप्ता एवं श्री विकास गुप्ता
संपदा अधिकारी की ओर से

AP-7961

विधायक ने किया सामान्य नागरिक अस्पताल का किया निरीक्षण

अस्पताल में आने वाले लोगों को आसानी से उपलब्ध करवाएं सुविधाएं: पवन खरखौदा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

खरखौदा। विधायक पवन खरखौदा ने सोमवार को सामान्य नागरिक अस्पताल का औचक निरीक्षण करते हुए वहां मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में बारीकि से जांच की। इस दौरान उन्होंने हाजिरी रजिस्टर चैक करते हुए अस्पताल में कार्यरत डॉक्टरों व अन्य कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे समय पर अस्पताल में आए और छुट्टी के बाद ही अस्पताल से जाएं। अगर कोई भी समय से पहले अस्पताल से नदारद मिला तो उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। इस मौके पर डॉ. धीरज, डॉङ नवीन, मोहित, गौरव अग्रवाल, नरेन्द्र जांगड़ा, जयपाल राणा, दीपक जांगड़ा, सुशील पाराशर तथा पवन शर्मा सहित अस्पताल का स्टॉफ मौजूद रहा।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि खंड पिपली के गांव सराय सुखी में कन्डम सामान जैसे पुराने ब्लाक, पुरानी खिड़कियाँ, दरवाजा व अन्य सामान की खुली बोली दिनांक 17-01-2025 को सुबह 11.00 बजे Gen चौपाल में की जा रही है। नियम व शर्तें मौके पर बता दी जाएँगी।

सरपंच, कविता रानी,
ग्राम पंचायत, सराय सुखी
मोबाईल: 9896494122

AP-7969

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय माध्यमिक विद्यालय, गधौली खुर्द (301), खंड सरस्वती नगर, जिला यमुनानगर के प्रांगण में स्थित तीन (3) असुरक्षित कमरें की (तोड़ना व मलबा सफाई) की नीलामी दिनांक 17.01.2025 दिन शुक्रवार को दोपहर 11:00 बजे राजकीय माध्यमिक विद्यालय, गधौली खुर्द (301) में होगी। बोलीदाता को बतौर जमानत राशि 15,000 (पन्द्रह हजार रूपये) जमा करवानें होगें। बाकी शर्तें मौके पर सुनाई जाएगी।

विद्यालय प्रबंधन समिति
रा. मा. विद्यालय, गधौली खुर्द (301)

श्री रविन्द्र कुमार, मुख्याध्यापक
रा. मा. विद्यालय, गधौली खुर्द (301)
मो. नं. 7015184121

AP-7964

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री सतबीर पुत्र श्री जीता निवासी गाँव पलडी, तहसील इशराना, जिला पानीपत हरियाणा-132145 ने एक्सक्लूसिव लीजिंग एंड फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड से 20 दिसंबर 2024 को LAPPAN-353 के माध्यम से 406734/- रुपये की संपत्ति पर सुरक्षित ऋण लिया है, जिसका शाखा कार्यालय पानीपत में है। उनके आवासीय घर पर, 1-मापन क्षेत्र 21.826 वर्ग मीटर यानी 26.103 वर्ग गज यू.आई.डी. नंबर 595160326, गाँव पलडी, तहसील इशराना, जिला पानीपत के लाल डोरा में स्थित है, जिसका स्वामित्व रजिस्ट्र के माध्यम से है। प्रमाण पत्र/शीर्षक विलेख/स्वामित्व संख्या 948/1, दिनांक 06/10/2020, (इसके बाद उक्त संपत्ति के रूप में संदर्भित किया जाएगा)2- प्लॉट/मकान, जिसका यू.आई.डी. नंबर 595160324 है, कुल क्षेत्रफल 9.012 वर्ग मीटर यानी 10.778 वर्ग गज है, जो कि गाँव पलडी, तहसील इशराना, जिला पानीपत के लाल डेरा में स्थित है, जिसका स्वामित्व पंजीकृत है। प्रमाण पत्र/शीर्षक विलेख/स्वामित्व संख्या 949/1, दिनांक 06/10/2020, (इसके बाद उक्त संपत्ति के रूप में संदर्भित किया जाएगा) 3- प्लॉट/मकान, जिसका यू.आई.डी. नंबर 595160325 है, कुल क्षेत्रफल 37.117 वर्ग मीटर यानी 44.391 वर्ग गज, गाँव पलडी, तहसील इशराना, जिला पानीपत के लाल डेरा में स्थित, रजिस्टर्ड के स्वामित्व में। प्रमाण पत्र/शीर्षक विलेख/स्वामित्व संख्या 950/1, दिनांक 06/10/2020, (इसके बाद उक्त संपत्ति के रूप में संदर्भित किया जाएगा)। उक्त श्री सतबीर पुत्र श्री जीता उपरोक्त भूमि का मालिक है, 1-माप क्षेत्र 21.826 वर्ग मीटर यानी 26.103 वर्ग गज यू.आई.डी. नंबर 595160326, गाँव पलडी, तहसील इशराना, जिला पानीपत के लाल डेरा में स्थित है, जिसका स्वामित्व पंजीकृत है। प्रमाण पत्र/शीर्षक विलेख/स्वामित्व संख्या 948/1, दिनांक 06/10/2020, (इसके बाद उक्त संपत्ति के रूप में संदर्भित किया जाएगा) 2- प्लॉट/मकान, यू.आई.डी. नंबर 595160324, कुल क्षेत्रफल 9.012 वर्ग मीटर यानी 10.778 वर्ग गज, गाँव पलडी, तहसील इशराना, जिला पानीपत के लाल डेरा में स्थित है, जिसका स्वामित्व रजिस्टर्ड सर्टिफिकेट/डीड ऑफ टाइटल/स्वामित्व संख्या 949/1, दिनांक 06/10/2020 के अनुसार है, (इसके बाद उक्त संपत्ति के रूप में संदर्भित किया जाएगा) 3- प्लॉट/मकान, जिसका यू.आई.डी. नंबर 595160325 है, कुल क्षेत्रफल 37.117 वर्ग मीटर यानी 44.391 वर्ग गज, गाँव पलडी, तहसील इशराना, जिला पानीपत के लाल डेरा में स्थित है, जिसका स्वामित्व रजिस्टर्ड सर्टिफिकेट/डीड ऑफ टाइटल/स्वामित्व संख्या 950/1 के अनुसार है। दिनांक 06/10/2020, (इसके बाद उक्त संपत्ति के रूप में संदर्भित किया जाएगा) जैसा कि ग्राम सरपंच श्री नरेश कुमार द्वारा श्री सतबिन के पक्ष में निष्पादित किया गया है। जीता। श्री सतबीर पुत्र श्री जीता उपरोक्त संपत्ति के एकमात्र मालिक हैं तथा इस संपत्ति में कोई अन्य सह-हिस्सेदार नहीं है। यदि किसी के पास रजिस्टर बिक्री प्रमाण पत्र के अनुसार उपरोक्त संपत्ति में किसी भी तरह से कोई अधिकार/शीर्षक/मुकदमा/दावा या पूर्व अधिकार या हित का दावा है, तो वह नीचे हस्ताक्षरकर्ता से संपर्क कर सकता है और इस सार्वजनिक सूचना की तिथि से 7 दिनों के भीतर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। इस अवधि की समाप्ति के बाद कोई भी दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा और ऐसा दावा झूठा, नकली, तुच्छ, धोखाधड़ी और निराधार माना जाएगा और कानून की नजर में इसका कोई मूल्य नहीं होगा।

एक्सक्लूसिव लीजिंग एंड फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड शाखा कार्यालय, पानीपत

AP-7968

पंडित राज धरणी सागर के स्मृति दिवस पर विशेष

स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन से शिक्षा विद्द, साहित्यकार, काव्य लेखन में अनूठी छाप छोड़ गए राज धरणी सागर

महान क्रांतिकारी परिवार में जन्मे स्व. श्री राजधरणी 'सागर' को अध्यापन-लेखन-काव्य-उपन्यास का अद्भुत संगम कहें तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। देश की आजादी से पूर्व मलेर कोटला (पंजाब) में आज के दिन जन्मे स्व. श्री 'सागर' को आज का दिन स्मृति दिवस के रूप में समर्पित है। श्री 'सागर' को देशभक्ति उनके फूफा अमर शहीद डॉ. कालीचरण शर्मा (लुधियाना), माता कमला धरणी व पिता शामलाल धरणी से बचपन के ही संस्कारों में मिली। परिवार के बलिदान और कुर्बानियों की फेहरिस्त इतनी लंबी है कि पढ़ने वाले की आंखें नम ना हो, ऐसा हो नहीं सकता। लाला लाजपत राय पर लाठीचार्ज के वक्त इनके फूफा कालीचरण शर्मा की एक पुत्री राज भी लाठियों के कारण शहीद हुई थी और उनके नाम पर ही श्री धरणी का नाम बुजुर्गों ने रखने का फैसला लिया था। आजादी के स्वतंत्रता संग्राम में फूफा कालीचरण शर्मा ने 7 बच्चे शहीद करवा दिए, वहीं श्री धरणी के माता-पिता भी दर्जनों बार जेलों में गए। बहुत से आंदोलनों में अंग्रेजी शासन काल की पुलिस के

साथ दो-दो हाथ भी हुए। स्वतंत्रता सेनानियों के इस परिवार का पुत्र श्री राज धरणी का जीवन काल भी संघर्ष करते हुए बीता। अध्यापक की ड्यूटी के वक्त वह समय-समय पर सरकार द्वारा थोपे गए बहुत से फैसलों के खिलाफ नेतृत्व की भूमिका में खड़े नजर आए। बंसीलाल कार्यकाल के दौरान हुए टीचर आंदोलन में सख्त कार्रवाई के आदेशों की अनदेखी करते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री बंसीलाल को उन्होंने काले झंडे दिखाए।

सुप्रसिद्ध इतिहासकार, साहित्यकार, लेखक, विश्लेषक व काव्य संग्रह में अमिट छाप छोड़ने वाले राजकुमार धरणी (जिनका साहित्यक नाम राज धरणी सागर था) की आज 85 वी जन्म तिथि रूपी स्मृति दिवस है। राजकुमार धरणी का निधन 74 वर्ष की आयु में पानीपत में हुआ था। हरीयाणा शिक्षा विभाग में बतौर एसएस के टीचर रहे स्वर्गीय राजकुमार धरणी उप प्रधानाचार्य पद से रिटायर हुए थे। नौकरी के दौरान भी समाज के उत्कृष्ट- उत्थान के कार्यों में अग्रिम पंक्ति में खड़े होने वाले श्री धरणी ने पंजाब केसरी में अमर शहिद लाला जगत नारायण के सानिध्य में उनके कॉफी लेख, कहानिया, काव्य प्रकाशित हुए। सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध अपनी कलम के माध्यम से आवाज उठाते हुए वह उन दिनों पंजाब केसरी में चलाई जाने वाली तरुण संगम व वीर प्रताप संस्था के साथ-साथ बालो -उद्यान के हरियाणा-पंजाब-हिमाचल के सयोंजक के रूप में संचालन करते रहे व उस दौरान यह संस्थाएं इनके मार्गदर्शन में जनचेतना पैदा करने का माध्यम भी बनी।

मित्रों के लिए एक विशाल छायादार पेड़ से कम नहीं थे राज धरणी: परिवार और समाज को संतुलित ढांचे में पिरोकर कदम बढ़ाने वाले श्री धरणी हमेशा समाज के लिए ही नहीं बल्कि अपने साथियों के लिए कभी आदर्श से कम नहीं रहे। उत्तर भारत में आज भी एक बड़ी पहचान बने हुए बहुत से साहित्यकार व पत्रकार उनके सानिध्य में आगे बढ़ना सीख रहे हैं। परिवारिक जिम्मेदारियों के निर्वहन के साथ वह दोस्तों को लेकर भी हमेशा गंभीर रहे। मित्र और साथी उन्हें एक विशाल वट वृक्ष के रुप में महसूस करते थे। किसी भी प्रकार की दिक्कत-परेशानी आने पर एक मजबूत दीवार की तरह वह हमेशा ना केवल खड़े नजर आए, बल्कि कुछ मौकों पर तो मित्र की गलती पाने पर उन्होंने मित्र का भी बहिष्कार (त्याग) करने से परहेज नहीं किया। बेहद सुलझे हुए श्री धरणी घर-परिवार में हमेशा समाजवाद के पक्षधर रहे। जीवन के मूल्यों से कभी कोई समझौता ना करने वाले श्री धरणी ने कभी भी परिवार को किसी दबाव में नहीं रखा। सोसाइटी के प्रति निस्वार्थ भाव रखने वाले श्री धरणी की कर्मभूमि रही। अमृतसर के हिंदू कॉलेज से शिक्षा प्राप्त करने वाले श्री धरणी की अमिट छाप अमृतसर में भी रही यह कहें तो गलत नहीं होगा। अमृतसर की भूमि से निकली बहुत सी महान हस्तियां भी ना केवल उनसे प्रभावित रही बल्कि समय-समय पर उनका मार्गदर्शन भी प्राप्त करती रही। महान अभिनेता-नेता सुनील दत्त का भी मार्गदर्शन श्री धरणी को प्राप्त हुआ और समय-समय पर पारिवारिक कार्यक्रमों में आना जाना रहा। लेखन की दुनिया के अलावा बहुत से विकल्प श्री धरणी के पास मौजूद थे, लेकिन हमेशा समाज सेवा के निस्वार्थ भावों से लवरेज रहे धरनी ने लेखन की दुनिया को सर्वोपरि माना। बुजुर्ग अवस्था में भी श्री धरणी अपना खाली वक्त केवल समाज हित के कार्यों या फिर लेखन में गुजारते रहे।

प्रस्तुति-चंद्रशेखर धरणी

सर्वधर्म समभाव की विचारधारा का पाठ पढ़ाने वाले पिता का हमेशा मिला मार्गदर्शनः चंद्रशेखर धरणी

आज उनके पुत्र चंद्रशेखर धरनी भी उनके संस्कारों और विचारों के प्रकाश से समाज को रोशन कर रहे हैं। पत्रकारिता की दुनिया में एक बड़ी पहचान चंद्रशेखर धरनी ने समृति दिवस पर बड़े नम भावों से पिता को याद करते हुए बताया कि जिस वक्त देश बेहद गरीबी और अनपढ़ता के दौर से गुजर रहा था, शिक्षा के ज्यादा साधन उपलब्ध ना होने के बावजूद उनके पिता वेल क्वालिफाइड थे। शिक्षा को लेकर उनका विजन इतना बड़ा था कि उस समय उन्होंने एक नहीं बल्कि तीन-तीन अलग-अलग विषयों में मास्टर डिग्री हासिल की। जातिवाद की मानसिकता से ग्रसित समाज में हमेशा सर्वधर्म समभाव का पाठ पढ़ाने वाले उनके पिता का सम्मान और संबंध हर जाति-धर्म के लोगों के साथ था। उन्होंने परिवार पर भी कभी कोई फैसला जबरदस्ती नहीं थोपा। पुत्र चंद्रशेखर धरणी ने बताया कि दसवीं की शिक्षा प्राप्त करने तक हमेशा पिता ने उन्हें सख्त मार्गदर्शन दिया, लेकिन दसवीं के बाद फ्री हैंड छोड़ते हुए एक सच्चा मित्र उन्होंने अपने पिता में देखते उनसे हमेशा अच्छा मार्गदर्शन प्राप्त किया। हमेशा समाज को सुशिक्षित- समृद्ध और सुदृढ़ बनाने के विचार रखने वाले उनके पिता हमेशा समाज के हर वर्ग को ऊंचा उठाने की सोच रखते थे। उसी के फलस्वरुप रिटायरमेंट के बाद भी उन्होंने पानीपत के कच्चा कैंप में फ्री शिक्षा प्रदान करने हेतु एक स्कूल का संचालन किया। जिसमें ना केवल शिक्षा बल्कि काफी-किताबें भी बच्चों को पिता की तरफ से निशुल्क वितरित की जाती थी। स्व. राज धरणी सागर साहित्य का एक अद्भुत कुंज थे। समय-समय पर अपनी लेखनी के माध्यम से जहां इन्होंने समाज को मार्ग प्रशस्त किया, वहीं शिक्षाविद् होने के नाते सेवानिवृति के बाद बच्चों को साक्षर बनाने के लिए निःशुल्क स्कूल चलाना इनका एक ऐतिहासिक व अद्भुत कदम था। सागर ने सेवानिवृति उपरांत मिले धन को अपने परिवार में ना लगाकर गरीब बच्चों को साक्षर करने में लगाया। राजकुमार धरणी ने अधिकांश सेवाकाल ग्रामीण आंचल में बिताया।

स्वर्गीय राज धरणी सागर जालंधर से प्रकाशित हुए दैनिक हिंदी समाचार पत्र पंजाब केसरी के उन पहले लेखकों में से एक हैं, जिनकी हर वीरवार प्रथम पेज पर कहानी संस्करण में कहानी प्रकाशित होती थी। अमर शहीद लाला जगत नारायण के सानिध्य में स्वर्गीय सागर ने पंजाब केसरी से जुड़ी हुई एक सामाजिक संस्था तरुण संगम का गठन किया था, जो पूरे उत्तर भारत में 25 वर्ष तक पूरी तरह से सक्रिय रही। स्वर्गीय सागर ने अध्यापक के आदर्श को चरितार्थ किया। वे सरलता, त्याग, सादगी व समाज सेवा में समर्पित रहे। उन्होंने सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अपनी लेखनी के माध्यम से चेतना लाने के अथक प्रयास किए।

-अनिल विज, कैबिनेट मंत्री, हरियाणा सरकार

स्वतंत्रता सेनानी शामलाल धरणी के ज्येष्ठ सुपुत्र राजकुमार धरणी ने पानीपत, मलेर कोटला व अमृतसर में शिक्षा लेने के बाद 1966 में हरियाणा गठन के बाद हरियाणा के अंदर शिक्षा विभाग में बतौर एसएस मास्टर सरकारी नौकरी में कदम रखा था। वे पंजाब के अमर शहीद डॉ. काली चरण शर्मा के दोहते थे। राजकुमार धरणी जिनका साहित्यक नाम राज धरणी सागर रहा ने 40 के करीब उपन्यास लिखे जो विभिन्न दैनिक समाचार पत्रों में क्रमवार प्रकाशित होते रहे। सात हजार से अधिक समकालीन कविताएं, अनेकों आलेख लिखे, जो कि विभिन्न समाचार पत्रों मे प्रकाशित होते रहे।

-कृष्ण बेदी, कैबिनेट मंत्री, हरियाणा सरकार

प्रसिद्ध साहित्यकार, लेखक, शिक्षक स्वर्गीय राज धरणी सागर समाज की एक अतुल्नीय धरोहर है। जीवन में अपने लिए कम और समाज के लिए शिक्षा, कलम व काव्य के माध्यम से अहम भूमिका अदा करने वाले स्वर्गीय सागर को आने वाली पीढ़ियां याद रखेगी।

-हरविंद्र कल्याण, विधानसभा अध्यक्ष, हरियाणा

सरकारी चीजों को अपना समझ लेते हैं केजरीवाल : कमलजीत सहरावत

अर्थ प्रकाश/नरेश वत्स

नई दिल्ली, 14 जनवरी। भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार पर सवाल उठाया और कहा कि जनता समझ चुकी है और इस बार दिल्ली में भाजपा की सरकार बनेगी।

भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा, 'आयुष्मान योजना के तहत हर गरीब व्यक्ति को पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य लाभ बीमा मिलता है। किसी भी देश के नागरिक के लिए सरकार द्वारा चलाई गई यह सबसे बड़ी योजना है। पूरे भारत में हर राज्य ने इस योजना को स्वीकार किया, लेकिन दिल्ली के मुख्यमंत्री ने इसे लागू नहीं किया। यह दिल्ली की जनता के साथ बहुत बड़ा धोखा है। अब तो कोर्ट ने भी यह फैसला दे

दिया है कि 5 जनवरी से पहले दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के बीच समझौता हो जाना चाहिए, लेकिन वह भी करने से अरविंद केजरीवाल ने मना कर दिया। ...तो दिल्ली जनता इस बात को देख रही है।'

उन्होंने कहा कि भाजपा ने जो कहा है, उसे करके दिखाया है। इसलिए 5 फरवरी को दिल्ली की जनता भाजपा के सभी साथियों को वोट देकर जिताएगी। राजौरी गार्डन से हमारे भाजपा के उम्मीदवार मनजिंदर सिंह सिरसा हैं और मुझे उम्मीद है कि वह चुनाव जीतेंगे। इस बार दिल्ली में हमारी सरकार बनेगी।

कमलजीत सहरावत ने अरविंद केजरीवाल पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, ÷अरविंद केजरीवाल की पार्टी का यही तो अंदाज है कि वह सरकारी चीजों को अपना समझ लेते हैं। वह कैसे पढ़े लिखे मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने 'शीश महल' को अपना घर समझकर बना लिया, लेकिन अब इनको छोड़ना पड़ रहा है तो तकलीफ हो रही है। सरकारी गाड़ी का इस्तेमाल चुनाव में कैसे हो सकता है? वह तो पढ़े लिखे हैं और उनको पता होना चाहिए कि प्रवेश वर्मा अपने पिता के फाउंडेशन में अब से पहले भी काम करते रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'अरविंद केजरीवाल जिस समय 'शीश महल' और आबकारी नीति बना रहे थे, उस समय प्रवेश वर्मा कोरोना के मरीजों के बीच में खड़े होकर उन्हें दवाइयां मुहैया करवा रहे थे और राशन बांट रहे थे। वह अपनी संस्था का प्रयोग करते हैं न कि सरकारी साधनों का।'

भाजपा सांसद ने कहा, 'अरविंद केजरीवाल अगर देश की बात करें तो ठीक नहीं लगता। अर्बन नक्सल बोलने वाले व्यक्ति ने आज दिल्ली का जो हाल बनाया है, उसे पूरा देश देख रहा है। राहुल गांधी के बारे में कुछ कहना इसलिए सही नहीं है, क्योंकि मानसिकता का दिवालियापन दिखता है। एक राष्ट्रीय पार्टी अगर एक स्टेट पार्टी के साथ गठबंधन करती है तो उसकी कोई विचारधारा और सोच नहीं है। अगर दोनों दलों को भाजपा को रोकना होता है तो एक हो जाते हैं। इसलिए इस बार दिल्ली की जनता इनके षड्यंत्र में नहीं आने वाली है।'

सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने पर किए 5436 चालान

बीकानेर, (अप्रस)। राजस्थान में बीकानेर में परिवहन विभाग ने सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने पर वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अब तक 5436 चालन किये है। विभाग ने अक्टूबर से दिसम्बर तक सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध की गयी कार्रवाई के तहत बीकानेर क्षेत्र में 394 लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। प्रादेशिक परिवहन अधिकारी अनिल पांड्या ने मंगलवार को बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और सुरक्षित वाहन संचालन के लिए चलाए जा रहे प्रयासों के तहत बीकानेर क्षेत्र के विभागीय उड़नदस्तों द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध अब तक कार्रवाई करते हुए कुल 5436 चालान बनाए गए हैं। जिनमें से बिना सीट बेल्ट के एक हजार 433, बिना हेलमेट के 209, दो से अधिक सवारों के 68, परावर्तक टेप के 988, बिना ढंके निर्माण सामग्री और कचरा परिवहन के 40 एवं ओवरलोड वाहनों के 1185 चालान शामिल हैं।

तिरूपति में पाइप लाइन के जरिए घरों में गैस की आपूर्ति शुरू की

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू ने तिरुचानूर में एक उपभोक्ता के घर जलाया चूल्हा

अर्थ प्रकाश/ बोम्मा रेडड्डी

तिरूचानूर। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने आज तिरूपति में पाइप लाइन के जरिए घरों में गैस की आपूर्ति शुरू की। सीएम चंद्रबाबू ने तिरुचानूर में एक उपभोक्ता के घर चूल्हा जलाया और चाय बनाई। बाद में, उपभोक्ता से संतुष्ट सीएम ने आंध्र प्रदेश के हर घर में यही गैस देने की इच्छा के साथ पिछली कांग्रेस सरकार के शासन के दौरान स्वर्गीय मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी केंद्र से अपील की,तथा किसी भी राज्य के अधिग्रहण भूमि में खदान प्राकृतिक गैस आदि जल भू अधिकार के तहत राज्य का हक है।

राज्य को इसमे कुल उत्पादन में से 30 प्रतिशत परसेंट राज्य को मिलना चाहिए जो पहले 70 प्रतिशत था सन 1972 से 1977 के बीच उस विषय पर केंद्र केंद्र की सरकार संशोधन करके राज्य को 30 प्रतिशत

हिस्सा देने का केंद्रीय आदेश है जो गजट में भी प्रकाशित हो चुका है लेकिन यह राज्य के विषय में क्यों अमल नहीं हो रहा है इसके पीछे असली कहानी क्या हो सकती है इस पर लोगों का विचार मंथन जारी है

यह भी एक समस्या है किंतु सिर्फ तिरूचानूर में ही नहीं संपूर्ण आंध्र प्रदेश में हर घर में पाइप लाइन से गैस देना जरूरी हैयह आम जनता का इच्छा बना हुआ है। हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि क्या सरकार उस इच्छा को कब पूरा करेगा यह इंतजार प्रश्न चिन्ह है।

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू ने पुश्तैनी में ग्राम देवता की पूजा की

अर्थप्रकाश/बोम्मा रेडड्डी

अमरावती। मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू और भुवनेश्वरी गारू जिन्होंने चित्तूर जिला के पुस्थैनी ग्राम नारावरिपल्ले में अपने आवास पर टीडीपी के संस्थापक दिवंगत एनटी रामाराव और बसवतारकम गारू की मूर्तियों का अनावरण किया। कार्यक्रम में पुत्र मंत्री नरा लोकेश, ब्राह्मणी , परिवार के सदस्य, पार्टी नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए. बाद में, मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू और परिवार के सदस्यों ने माता-पिता की कब्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इससे पहले मुख्यमंत्री चंद्रबाबू और परिवार के सदस्यों ने ग्राम देवी गंगम्मा और नागलम्मा की पूजा की।

योहारों पर सभी जिलों में बरती जाए विशेष सतर्कता : आयुक्त

अर्थ प्रकाश/टी.डी. पाण्डेय

गोण्डा। आगामी त्योहारों के मद्देनजर देवीपाटन मंडल में शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए कमिश्नर शशिभूषण लाल सुशील ने कड़े निर्देश जारी किए हैं। मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई समीक्षा बैठक में दिए गए दिशा-निर्देशों के आधार पर यह आदेश दिए गए हैं। कमिश्नर ने जिला मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारियों से कहा कि मकर संक्रांति, हजरत मोहम्मद अली का जन्मोत्सव, उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस, गणतंत्र दिवस, महाशिवरात्रि और होली जैसे पर्वों को देखते हुए सभी संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि तहसील स्तर पर 24×7 कंट्रोल रूम स्थापित किए जाएं और संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी की जाए। कंट्रोल रूम में क्षेत्रीय अधिकारियों, ग्राम पंचायत कर्मियों, स्वास्थ्यकर्मियों और सुरक्षा बलों की तैनाती सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई हो सके। इसके साथ ही असामाजिक तत्वों और अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी निगरानी रखने के लिए सोशल मीडिया की लगातार मॉनिटरिंग के निर्देश भी दिए गए। कमिश्नर ने यह भी कहा कि त्योहारों के दौरान बिजली, पेयजल, साफ-सफाई, यातायात, और सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता होनी चाहिए।

अंबाती ने चंद्रबाबू सरकार की आलोचना की, कहा-

वाईएसआरसीपी सरकार की शुरु की गई परियोजनाओं को अपना बताकर ले रहे है श्रेय

अर्थ प्रकाश/बोम्मा रेडड्डी

गुंटूर। वाईएसआरसीपी गुंटूर जिला अध्यक्ष और पूर्व मंत्री अंबाती रामबाबू ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के शासन की कड़ी आलोचना की, उन पर ग्रामीण विकास को कमजोर करने और पिछली वाईएसआरसीपी सरकार द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं को अपना बताकर श्रेय लेने का आरोप लगाया।

सोमवार को यहां मीडिया से बात करते हुए, रामबाबू ने कहा कि जहां पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के प्रशासन ने ग्रामीण स्तर पर धन पैदा करने और मजबूत बुनियादी ढांचे के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया था,

वहीं नायडू के सात महीने के कार्यकाल ने ग्रामीण क्षेत्रों को उपेक्षित और कमजोर कर दिया है।

रामबाबू ने जगन सरकार द्वारा शुरू की गई ग्राम सचिवालय, आरबीके केंद्र, वेलनेस क्लीनिक और पारिवारिक डॉक्टर प्रणाली जैसी प्रमुख पहलों पर प्रकाश डाला, जिसने ग्रामीण प्रशासन को बदल दिया और कल्याणकारी योजनाओं तक सार्वजनिक पहुंच में सुधार किया।

उन्होंने 'तर्कसंगतता' की आड़ में इन प्रणालियों को खत्म करने के लिए नायडू की आलोचना की, जबकि एलएनजी आपूर्ति परियोजनाओं और एनटीपीसी की ग्रीन हाइड्रोजन पहल के लिए झूठा दावा किया, जिसकी कल्पना वाईएसआरसीपी कार्यकाल के दौरान की गई थी।

उन्होंने डिप्टी सीएम पवन कल्याण पर भी निशाना साधते हुए उन पर ग्रामीण विकास के बारे में निराधार दावे करने और नायडू के नेतृत्व में वित्तीय कुप्रबंधन को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया, जिसके कारण राजस्व में कमी आई और कर्ज बढ़ गया।

रामबाबू ने पवन कल्याण को ग्रामीण विकास पर खुली बहस की चुनौती देते हुए कहा कि गांव के बुनियादी ढांचे में वाईएसआरसीपी का निवेश संयुक्त आंध्र प्रदेश युग सहित किसी भी पिछले प्रयास से कहीं अधिक है।

उन्होंने कहा कि जगन मोहन रेड्डी जल्द ही पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और जनता के साथ जुड़ने के लिए राज्यव्यापी दौरे पर निकलेंगे और जमीनी स्तर के विकास के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता की पुष्टि करेंगे।

इंडिया गठबंधन का अब नामोनिशान नहीं रहा : चिराग

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने दिल्ली चुनाव को लेकर कहा कि इंडिया गठबंधन का अब नामोनिशान नहीं रहा है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश कार्यालय में मकर संक्रांति के अवसर पर पूरे हर्षोल्लास के साथ चूड़ा-दही कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में श्री चिराग ने सभी नेताओं को तिलकूट और दही खिलाकर मुंह मीठा कराया और सभी बिहारवासियों समेत समस्त देशवासियों को मकर संक्रांति की बधाई दी। श्री चिराग ने पत्रकारों से दिल्ली चुनाव को लेकर कहा कि इंडिया गठबंधन का अब नामों निशान नहीं रहा।दिल्ली चुनाव में कांग्रेस और प्रदेश के क्षेत्रीय दलों ने इंडिया गठबंधन के अस्तित्व नही होने की बात कहीं है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी न तो गठबंधन और न ही पार्टी संभाल पा रहे है। एक ओर दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी आमने-सामने ल? रही है, वहीं सपा और टीएमसी आम आदमी पार्टी को समर्थन दे रही है वहीं कांग्रेस अलग-थलग पड़ गई है। ऐसे में सवाल यह उठता है बिहार में भी विधानसभा चुनाव में गठबंधन बरकरार रहेगा या नहीं? दिल्ली विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल (राजद)के शामिल न होने पर श्री चिराग ने कहा कि जिस पार्टी का अस्तित्व अपने प्रदेश में ही नहीं है वे दिल्ली में क्या लड़ेंगें? आज दिल्ली में जो बिहार के लोग है वो राजद के जंगलराज से प्रताड़ित और सतायें हुए है।

सीएमडी, एनएचपीसी का 2025 के लिए विजन

विकास, नवाचार व सतत प्रगति का वर्ष

अर्थ प्रकाश संवाददाता

फरीदाबाद। मंगलवार को एनएचपीसी निगम मुख्यालय, फरीदाबाद में आयोजित एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान आर.के. चौधरी, सीएमडी ने एनएचपीसी के लिए वर्ष 2025 के अपने विजन को रेखांकित किया। इस अवसर पर आर.पी. गोयल, निदेशक (वित्त), उत्तम लाल, निदेशक (कार्मिक), संजय कुमार सिंह, निदेशक (परियोजनाएं व तकनीकी), संतोष कुमार, सीवीओ तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कार्मिक उपस्थित थे। चौधरी ने अपने संबोधन में,इस वर्ष में एनएचपीसी के विकास को गति देने के लिए सामूहिक प्रयास, कौशल विकास और प्रमुख परियोजनाओं के समय पर निष्पादन के महत्व पर जोर दिया।

आर.के. चौधरी महोदय ने अपने

संबोधन की शुरुआत नव वर्ष 2025 की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ की और एनएचपीसी के सभी कार्मिकों को उनकी निरंतर प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि नया वर्ष न केवल पिछली उपलब्धियों को प्रतिबिंबित करने का समय है, बल्कि नए लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने की दिशा में साहसिक कदम उठाने का अवसर भी है। सीएमडी, एनएचपीसी महोदय ने वर्ष 2025 के लिए एनएचपीसी के प्रमुख लक्ष्यों को साझा किया और 2000 मेगावाट सुबनसिरी लोअर जलविद्युत परियोजना (असम/अरुणाचल प्रदेश), 800 मेगावाट पार्बती- II जलविद्युत परियोजना (हिमाचल प्रदेश), 120 मेगावाट रंगीत- IV जलविद्युत परियोजना (सिक्किम) और राजस्थान में 300 मेगावाट सौर परियोजना सहित कई ऐतिहासिक परियोजनाओं के सफल कमीशनिंग पर जोर दिया। इसके साथ ही सीएमडी महोदय ने सभी स्थानों पर एनएचपीसी की टीमों से अपने विभिन्न कार्यों को समय पर पूरा करने और पूरे वर्ष बिजली उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्ता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने का आग्रह किया।

आर.के. चौधरी महोदय ने सभी कर्मचारियों और उनके परिवारों को सफलता और नए अवसरों से भरपूर एक खुशहाल और समृद्ध नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम का समापन किया। इस अवसर पर, श्री राम भारतीय कला केंद्र, नई दिल्ली के कलाकारों द्वारा 'श्री राम' नामक एक रंगारंग नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई। लाइव वेबकास्टिंग के माध्यम से इस कार्यक्रम का प्रसारण एनएचपीसी के सभी लोकेशनों पर किया गया।

पार्षद सौरभ जोशी ने दिल्ली एयरपोर्ट व प्रमुख पर्यटन स्थलों के लिए वोल्वो लग्जरी बस सेवा की वकालत की

अर्थ प्रकाश/वीरेन्द्र सिंह

चंडीगढ़। यात्रा के विकल्पों को बढ़ाने और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, पार्षद सौरभ जोशी ने चंडीगढ़ प्रशासन को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है जिसमें चंडीगढ़ से दिल्ली एयरपोर्ट और अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों के लिए वोल्वो लग्जरी बस सेवा की शुरुआत की मांग की गई है। वर्तमान में, चंडीगढ़ ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग बाहरी यात्रा के लिए एक साधारण एसी बस सेवा प्रदान करता है, जो वोल्वो बसों द्वारा प्रदान की जाने वाली लग्जरी और आराम से रहित है। जोशी का प्रस्ताव ष्ट्ज्ञ के बेड़े में वोल्वो लग्जरी बसों को जोड़ने की मांग करता है, जिससे यात्रियों को एक आरामदायक और प्रीमियम यात्रा अनुभव प्राप्त होगा।

वोल्वो सेवा आधुनिक सुविधाओं जैसे शौचालय और पांच सितारा सुविधाएं प्रदान करेगी, जिससे यात्रियों का यात्रा अनुभव और भी बेहतर होगा। जोशी ने इस सेवा को अन्य प्रमुख स्थलों जैसे आगरा, जयपुर, शिमला, मनाली आदि तक बढ़ाने का सुझाव भी दिया है, ताकि चंडीगढ़ को एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में और भी प्रख्यात किया जा सके। इसके अलावा, पार्षद जोशी ने ष्ट्ज्ञ और चंडीगढ़ इंडस्ट्रियल और टूरिज्म कॉर्पोरेशन के बीच साझेदारी का प्रस्ताव रखा है ताकि पंचायती भवन (जो अब दूसरा .T. गेस्ट हाउस है) को बस सेवा के प्रारंभिक बिंदु के रूप में उपयोग किया जा सके। इस सहयोग से न केवल पहुँच में सुधार होगा बल्कि विदेशी यात्रियों को आकर्षित करने में भी मदद मिलेगी, जिससे चंडीगढ़ में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी और स्थानीय पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र को भी लाभ मिलेगा।

अमृतसर में दो नशा तस्कर गिरफ्तार, पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए मंगाई ड्रग्स, एक किलो हेरोइन बरामद

अर्थ प्रकाश संवाददाता

अमृतसर, 14 जनवरी। अमृतसर पुलिस ने पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए मंगाई गई एक किलो हेरोइन के साथ दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में 55 वर्षीय कुन्नण सिंह और उसके 24 वर्षीय साथी गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी शामिल हैं। दोनों अमृतसर के अजनाला क्षेत्र के गांव बल्लरवाल के रहने वाले हैं। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर के निर्देश पर सीआईए स्टाफ-2 की टीम ने महला बाईपास के पास से इन दोनों को एक स्प्लेंडर बाइक के साथ पकड़ा। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने हेरोइन की यह खेप पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए मंगवाई थी।

कुन्नण सिंह पर पहले से भी हत्या का मामला

जांच में सामने आया है कि आरोपी कुन्नण सिंह पर पहले से भी हत्या का मामला दर्ज है। 2022 में अजनाला थाने में उस पर धारा 302 समेत कई गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर दो दिन की रिमांड हासिल की है। पुलिस अब उनके अंतरराष्ट्रीय नशा तस्करी के नेटवर्क की जांच कर रही है। पुलिस आयुक्त के अलावा डीसीपी डिटेक्टिव हरप्रीत सिंह मंडेर और एडीसीपी डिटेक्टिव नवजोत सिंह के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। एसीपी हरमिंदर सिंह और इंस्पेक्टर सरमेल सिंह की टीम ने मुकदमा नंबर 5 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पटियाला में कार ड्राइवर ने 11 को कुचला, एक की मौत

नशे में धुत था ड्राइवर, कॉलोनी में लोहड़ी के लिए इकट्ठा हुए थे लोग

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पटियाला, 14 जनवरी। पटियाला में लोहड़ी के त्योहार पर नशे में धुत कार ड्राइवर ने 11 लोगों को कुचल दिया। घटना में 41 वर्षीय अतुल कुमार की मौत हो गई। इस हादसे में कई बच्चे भी घायल है। घटना डीएमडब्ल्यू कॉलोनी की है।

घटना बीती रात की है, जब कॉलोनी के लोग लोहड़ी की आग के पास इकट्ठा थे। इसी दौरान 31 वर्षीय गुरप्रीत सिंह, जो इसी कॉलोनी का रहने वाला है, अपनी एंडेवर कार तेज रफ्तार में चलाते हुए लोगों के बीच जा घुसा।

हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने आरोपी को पकड़ कर उसकी पिटाई की और पुलिस को सूचना दी।

इन्वेस्टिगेशन अधिकारी बलजिंदर सिंह के अनुसार, आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मेडिकल जांच में पुष्टि हुई है कि वह नशे की हालत में था। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। यह घटना स्थानीय समुदाय में गहरे शोक और आक्रोश का कारण बन गई है।

शान-ए-पंजाब एक्सप्रेस वर्निंग ट्रेन बनते-बनते बची, ड्राइवर ने लगाए इमरजेंसी ब्रेक, यात्रियों ने देखा था धुआं उठते हुए, मचाया शोर

अर्थ प्रकाश/केवल कृष्ण

खन्ना, 14 जनवरी। अमृतसर से नई दिल्ली जा रही शान-ए-पंजाब एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12498) में आज ट्रेन के ब्रेक एक्सेल में अचानक आग लग गई,जिससे यात्रियों में भगदड़ मच गई। घटना लुधियाना और खन्ना के बीच की है। शान ए पंजाब वर्निंग ट्रेन बनते- बनत बच गई। जानकारी के अनुसार, ट्रेन लुधियाना से खन्ना की ओर बढ़ रही थी। खन्ना से लगभग 10 किलोमीटर पहले यात्रियों ने बोगी से धुआं निकलते देखा। धुएं को देखते ही यात्रियों में दहशत फैल गई और उन्होंने शोर मचाना शुरू कर दिया। रेलवे स्टाफ ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रेन को चावा के पास इमरजेंसी में रोक दिया। रेलवे अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और बोगी के नीचे एक्सेल लेदर में लगी आग पर काबू पा लिया। इस घटना में किसी यात्री को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। रेलवे विभाग की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

लुधियाना में पड़ोसियों पर जलते सिलेंडर से हमला

हाथ में उठाकर घरों की तरफ भागा, तेजधार से किया हमला

अर्थ प्रकाश संवाददाता

लुधियाना, 14 जनवरी। लुधियाना में लोहड़ी की रात एक परिवार ने पड़ोसियों के घरों को जलाने की कोशिश की। आरोपी मनदीप, उसकी पत्नी मधु और मां नरिंदर कौर ने पहले गैस सिलेंडर को आग लगाई और जब धमाका नहीं हुआ, तो जलता हुआ सिलेंडर उठाकर पड़ोसियों के घरों की तरफ फेंकने की कोशिश की। घटना धांदरा स्थित संदीला कॉलोनी की है। घटना में मलकीत सिंह, राजवीर कौर, दीपक, हरदीप सिंह, आशु और हैप्पी समेत कई लोग बाल-बाल बचे। पीड़ितों के अनुसार, आरोपियों ने न केवल जलते सिलेंडर से हमला किया, बल्कि तलवार और अन्य तेजधार हथियारों से भी वार करने की कोशिश की। लोगों को अपनी जान बचाने के लिए घरों में छिपना पड़ा।

पीड़ित परिवारों का आरोप है कि उक्त परिवार पहले भी कई बार उन्हें परेशान कर चुका है और इस संबंध में पुलिस में शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। मंगलवार को पीड़ित परिवारों ने पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचकर लिखित शिकायत दी और सीसीटीवी फुटेज के साथ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस जांच कर रही है।

मोहल्ले के लोगों ने बताया कि बाद में आरोपी गैस सिलेंडर लेकर उसे आग लगा दी और जब धमाका नहीं हुआ तो बाद में जलता गैस सिलेंडर आरोपी ने हाथ में उठा उनके घरों को जलाने की कोशिश की।

बठिंडा में युवक ने किया सुसाइड : बिजली के तार से लगाया फंदा, राहगीरों ने लटका देखा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

बठिंडा, 14 जनवरी। बठिंडा में रेलवे लाइन पर एक व्यक्ति ने सिग्नल पाइप पर चढ़कर बिजली के तार से फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। इसकी जानकारी रात करीब 2 बजे सहारा मुख्यालय को मिली। घटना फिरोजपुर में गुरु नानक नगर के पास की है।

सूचना मिलते ही सहारा जन सेवा की लाइफ सेविंग ब्रिगेड हेल्पलाइन टीम के संदीप गिल मौके पर पहुंचे और जीआरपी थाने को सूचित किया। पुलिस के मौके पर पहुंचने के बाद सहारा टीम ने मृतक के शव को नीचे उतारा। मृतक के पास से कोई पहचान पत्र या अन्य सामान नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान की जा सके।

जीआरपी थाना प्रभारी जसवीर सिंह ने बताया कि पुलिस आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ कर रही है। मृतक की पहचान के लिए स्थानीय लोगों को सूचित कर दिया गया है। जैसे ही कोई जानकारी मिलेगी, आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया है। सहारा टीम भी मृतक की पहचान के लिए प्रयासरत है।

हाई कोर्ट के आदेश पर एसडीएम कार्यालय खाली करने का कार्य शुरू

खस्ताहाल अदालत भवन को देखते हुए हाई कोर्ट ने दिया था खाली करने का आदेश

18 तारीख को होगी मामले की सुनवाई

अर्थ प्रकाश संवाददाता

डेराबस्सी, 14 जनवरी। पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा हाल ही में डेराबस्सी एसडीएम कार्यालय की इमारत को खाली करने के आदेश के बाद प्रशासन ने यहां से सामान हटाना शुरू कर दिया है। आज पूरे दिन मजदूर एसडीएम कार्यालय से सामान को अलग-अलग इमारतों में स्थानांतरित करते हुए दिखे। प्रशासनिक अधिकारियों के सामने सबसे बड़ी समस्या माल विभाग में दशकों पुराने रिकॉर्ड को शिफ्ट करने की आ रही है, जिसके लिए श्री हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल के पास स्थित अंबेडकर भवन का चयन किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, बीते दिनों हाई कोर्ट ने तहसील परिसर में पहली मंजिल पर स्थित एसडीएम कार्यालय के नवीनीकरण के कार्य को लेकर सख्त रुख अपनाया था। कोर्ट ने कहा कि तहसील परिसर की ग्राउंड फ्लोर पर विभिन्न अदालतें चल रही हैं। नियम के अनुसार, प्रशासन को पूरी इमारत का नवीनीकरण करना चाहिए था। लेकिन अधिकारियों ने केवल अपने कार्यालय का नवीनीकरण किया, जबकि अदालतों की खस्ताहाल इमारत को वैसे ही छोड़ दिया, जो कि बड़ी लापरवाही है। इस पर सख्ती दिखाते हुए कोर्ट ने एसडीएम कार्यालय को खाली करने का आदेश दिया ताकि वहां अदालतों को स्थानांतरित किया जा सके।

अगली सुनवाई से पहले प्रशासन ने अदालतों के नवीनीकरण का कार्य शुरू करने के साथ-साथ लंबे समय से लंबित तहसील परिसर की जवाहरपुर गांव की जमीन की रजिस्ट्री भी करवा दी है। बावजूद इसके, हाई कोर्ट अपने फैसले पर कायम है। मामले की अगली सुनवाई 18 जनवरी को है। उससे पहले ही अधिकारियों ने इमारत को खाली करने का काम शुरू कर दिया है।

बातचीत के दौरान एसडीएम अमित गुप्ता ने कहा कि रिकॉर्ड को विभिन्न इमारतों में रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अदालत जो भी फैसला सुनाएगी, उसे पूरी तरह लागू किया जाएगा।

सेना (अग्निवीर) भर्ती के लिए सी–पेटिट कैंप में ट्रायल आज से

युवाओं को लिखित एवं शारीरिक तैयारी से गुजरना होगा

अर्थ प्रकाश/प्रदीप पाल

लुधियाना, 14 जनवरी। सेना (अग्निवीर) की भर्ती के लिए लिखित और शारीरिक तैयारी सी-पिट कैंप, लुधियाना में आयोजित की जाएगी जिसके लिए ट्रायल 15, 16 और 17 जनवरी 2025 को आयोजित किया जाएगा। सी-पाइट कैंप, लुधियाना के प्रशिक्षण अधिकारी इंद्रजीत कुमार ने बताया कि जिला लुधियाना और मालेरकोटला के इच्छुक युवाओं के लिए सेना (अग्निवीर) की भर्ती के लिए फिजिकल ट्रायल 15, 16 और 17 जनवरी को आयोजित किया जाएगा।

प्रशिक्षण अधिकारी इंद्रजीत कुमार ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि उन्हें पंजाब सरकार द्वारा चलाए जा रहे कैंप में भाग लेकर अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए। अभ्यर्थी शारीरिक और लिखित परीक्षा की तैयारी के लिए आधार कार्ड, कक्षा 10वीं या 12वीं का प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र और दो पासपोर्ट फोटो सहित आवश्यक दस्तावेजों की फोटोकॉपी के साथ रिपोर्ट कर सकते हैं। प्रशिक्षण अधिकारी ने आगे बताया कि ट्रायल में सफल होने वाले युवाओं को पंजाब सरकार की ओर से तीन महीने तक मुफ्त प्रशिक्षण, आवास और भोजन दिया जाएगा. अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 78885-86296 और 98766-17258 पर संपर्क करें।

माघी दिवस के अवसर पर सन्मति स्कूल में धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन

अर्थ प्रकाश/प्रदीप पाल

जगराओं, 14 जनवरी। सन्मति विमल जैन सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल जगराओं में माघी दिवस के अवसर पर एक धार्मिक समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों व स्कूल स्टाफ ने 40 मुकते व शहीद सिंहों की शहादत को समर्पित गुरबाणी का पाठ किया। इस अवसर पर स्कूल डायरेक्टर मैडम शशि जैन ने माघी के पवित्र दिन का ऐतिहासिक महत्व बताते हुए कहा कि हमें गुरुओं के बताये मार्ग पर चलकर अपने जीवन को सफल बनाना चाहिए। इस अवसर पर स्कूल प्रिंसिपल सुप्रिया खुराना ने बच्चों को मानवता के कल्याण और सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद मैडम अवनीत कौर ने स्कूल की चढ़ती कला व सरबत के भले के लिए अरदास की। इसके बाद स्कूल स्टाफ और विद्यार्थियों के लिए लंगर लगाया गया। इस दौरान स्कूल के मुख्य द्वार पर राहगीरों के लिए कुल्चे-छोले का लंगर भी लगाया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष रमेश जैन, उपाध्यक्ष कांता सिंगला, प्रबंधक राकेश जैन, सचिव महावीर जैन, मैडम चंद्र प्रभा, मैडम शुभ जैन, अध्यापक सन्नी पासी, सरबजीत सिंह, बेअंत सिंह, राकेश कुमार, मनोज चड्ढा, मनीष कुमार, विनोद कुमार, मलकीत कौर, कुलदीप कौर, रिंपल रानी, जतिंदर कौर, हरमीत कौर, नेहा शर्मा, कुलविंदर कौर, नरिंदर कौर, अनु खुराना, मनप्रीत कौर, परमप्रीत कौर, कुलदीप कौर सिद्धू, दीक्षा हंस, रेनू बाला, राखी बंसल, परमजीत कौर संधू, कुलविंदर कौर संधू, शेली गाबा, आरती पलटा, सोनिया कपूर, रजनी रिहान, निधि जैन, शशि शर्मा, गुरुमीत कौर, दिलप्रीत कौर,सुनेहा सैनी, मलका रानी, ज्योति रानी, नवजीत शर्मा, अनीता शर्मा, नवजीत धीर, हरसिरत कौर, गुरजीत कौर, निर्मलजीत कौर, पायल गर्ग, वंदना बेबी, अंजू कौशल, सरिता अग्रवाल, सरबजीत कौर आदि मौजूद रहे।

स्वामी रूपचंद जैन स्कूल में लोहड़ी पर्व धूमधाम से मनाया गया

अर्थ प्रकाश/प्रदीप पाल

जगराओं, 14 जनवरी। स्वामी रूप चंद जैन स्कूल में प्रिंसिपल राजपाल कौर और समूह मैनेजमेंट के सहयोग से लोहड़ी का त्योहार मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत एक विशेष प्रार्थना सभा से हुई, जिसमें छात्रों को लोहड़ी के महत्व के बारे में बताया गया. इसके बाद सभी छात्र, शिक्षक और कर्मचारी स्कूल प्रांगण में आग के पास एकत्र हुए और सुंदर मुंद्रिया जैसे पंजाबी लोक गीत गाकर अपनी खुशी व्यक्त की और स्वास्थ्य और खुशी के लिए प्रार्थना की।

लोकप्रिय लोहड़ी गीत गाने के बाद सभी ने रिउड़ी, गचक मूंगफली का आनंद लिया। इस मौके पर शिक्षकों ने छात्रों के साथ मिलकर डांस कर अपनी खुशी का इजहार किया. इस अवसर पर प्रिंसिपल राजपाल कौर ने विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक विरासत के बारे में बताया।

विरासत को संरक्षित करने और उत्साह के साथ त्योहार मनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि लोहड़ी हमें भाईचारे और एकता की सीख देती है। उन सभी को लोहड़ी के त्योहार की बधाई. समृद्धि, सफलता और खुशहाली की प्रार्थना के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

डेराबस्सी में प्राइवेट बस चालकों की मनमानी से यात्री और सड़क पर यातायात प्रभावित

अर्थ प्रकाश/चौहान

डेराबस्सी, 14 जनवरी। स्थानीय इलाके में प्राइवेट बस चालकों की मनमानी के कारण सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। प्राइवेट बसें नियमों की अनदेखी करते हुए सड़कों के बीचो-बीच सवारियों को चढ़ाने और उतारने का काम कर रही हैं। यह समस्या खासकर डेरा बस्सी से दिल्ली और हरियाणा के मार्गों पर अधिक देखी जा रही है। डेरा बस्सी के बस अड्डे पर हर दो-तीन मिनट में दिल्ली और हरियाणा की ओर जाने वाली बसें रुकती हैं। हालांकि, लोकल रूट की प्राइवेट बसें निर्धारित स्टॉप की बजाय सड़कों के बीचो-बीच रुककर सवारियों को बस में चढ़ाने और उतारने का काम करती हैं। इस प्रक्रिया में न केवल यातायात बाधित होता है, बल्कि पीछे से आने वाले वाहनों के लिए भी दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। बस चालक अक्सर अपनी सुविधा और अधिक सवारियां लेने के चक्कर में नियमों की अनदेखी करते हैं। उन्हें इस बात की कोई चिंता नहीं होती कि उनकी यह लापरवाही सड़क पर जाम लगाने और दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है। चालकों का ध्यान सिर्फ सवारियों को बस में जल्दी से चढ़ाने पर केंद्रित रहता है, जबकि सड़क पर अन्य वाहन चालकों और यात्रियों की सुरक्षा को नजरअंदाज किया जाता है।

बीच सड़क से सवारियों को चढ़ाने या उतारने की प्रक्रिया बेहद जोखिम भरी होती है। चलती यातायात के बीच सड़क पर बस रोककर सवारी चढ़ाना न केवल यात्री बल्कि राहगीरों की भी सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करता है। कई बार यात्री जल्दी में या बिना पूरी सावधानी बरते बस में चढ़ने की कोशिश करते हैं, जिससे हादसे की संभावना और बढ़ जाती है। हालांकि, इस समस्या से डेरा बस्सी के स्थानीय लोग और यात्री लंबे समय से परेशान हैं, लेकिन प्रशासन और परिवहन विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। लोगों का कहना है कि बस चालकों की इस लापरवाही पर कार्रवाई करने और यातायात नियमों को लागू करने के लिए सख्त कदम उठाए जाने चाहिए। स्थानीय निवासियों और यात्रियों ने प्रशासन से मांग की है कि बस चालकों पर नियमों का पालन करने का दबाव बनाया जाए और बसों को केवल निर्धारित स्टॉप पर ही रुकने की अनुमति दी जाए। इसके साथ ही, यातायात पुलिस की नियमित निगरानी और सख्त जुर्माने की व्यवस्था की जानी चाहिए, ताकि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

डेरा बस्सी में यह समस्या लगातार बढ़ रही है और अगर समय रहते प्रशासन ने इस पर ध्यान नहीं दिया, तो यह गंभीर हादसों का कारण बन सकती है। सड़क पर यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराने की जरूरत है ताकि यात्रियों और राहगीरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

आपसी प्यार एवं सद्भाव की प्रेरणा देता लोहड़ी व मकर संक्रांति का त्यौहार

अर्थ प्रकाश/केवल कृष्ण

खन्ना, 14 जनवरी। आपसी प्यार एवं सद्भाव की प्रेरणा देता लोहड़ी का त्यौहार राधा वाटिका सीनियर सेकेंडरी स्कूल खन्ना में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल के अध्यक्ष श्री कुलभूषण राय सोफत, डायरेक्टर श्रीमती अरविंद सकरसुधा एवं प्रिंसिपल अनुपमा शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे, जिन्होंने स्कूल प्रांगण में प्रज्वलित धूनी में तिल अर्पित करके सबको लोहड़ी की मुबारकबाद दी ।कार्यक्रम की शुरुआत जदो इह आऊंदी है लोहड़ी, बड़ा जी लाऊंदी है लोहड़ी गीत के साथ की गई। कक्षा नौवीं की छात्रा द्वारा लोहड़ी की महत्तासंबंधी जानकारी दी गयी। इसके अतिरिक्त स्कूल के नन्हे मुन्ने छात्र-छात्राओं द्वारा लोहड़ी के त्योहार से संबंधित गीत पर नृत्य पेश किया गया,पंजाबी लोकगीत सुंदर मुंदरिये पर स्कूल की छात्राओं द्वारा नृत्य पेश किया गया। अंत में स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा लोहड़ी मनाने की प्रथा का महत्व बताते हुए विद्यार्थियों को संबोधित किया कि यह त्यौहार हमारी जिंदगी में आपस भाईचारे एवं प्यार की भावना को जीवित रखने की प्रेरणा देते हैं, इसलिए इन त्योहारों को बिना किसी भेदभाव के मिलजुल कर मनाना चाहिए और उन्होंने सभी को मकर संक्रांति की बधाई दी।

विधायक रंधावा ने विभिन्न पंचायतों को 31 लाख रुपये के चेक वितरित किए

सरपंच गुटबाजी से ऊपर उठकर गांव की भलाई के लिए करें काम : रंधावा

अर्थ प्रकाश/चौहान

डेराबस्सी, 14 जनवरी। विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने आज हलके के करीब एक दर्जन गांवों की विभिन्न पंचायतों को विकास कार्यों के लिए 31 लाख रुपये के चेक वितरित किए । इस अवसर पर उनके साथ बीडीपीओ गुरप्रीत सिंह मांगट व आम आदमी पार्टी की टीम मौजूद थी।

रंधावा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नई पंचायतों को बिना देरी काम शुरू करने के लिए ग्रांट जारी की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि गुरु नानक नगर कलोनी व गांव मोरठीकरी को गंदे पानी की निकासी के लिए 1.5-1.5 लाख रुपये, गांव रामपुर सैनियां को फिरनी के बीच गंदे पानी की निकासी तथा पुली के लिए एक लाख, गांव बेहड़ा तथा भागसी पंचायत को गंदे पानी की निकासी के लिए एक-एक लाख, गांव खेड़ी गुजरा में गंदे पानी की निकासी के लिए दो लाख, मियांपुर स्कूल के लिए दो लाख, मियांपुर गांव में गुज्जर धर्मशाला के निर्माण के लिए नौ लाख, अंबछप्पा में पंचायत घर के निर्माण के लिए 5 लाख 23 हजार, सरसिनी में जल निकासी व झील के चारों ओर सुरक्षा बाड़ लगाने के लिए 5 लाख 80 हजार रुपये तथा डंगड़ेहरा गांव को गंदे पानी की निकासी के लिए 1 लाख रुपये का चेक दिए ।

इस अवसर पर विधायक रंधावा ने कहा कि नई पंचायतों को फंड की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी, लेकिन शर्त यह है कि पंचायतें राजनीतिक गुटबाजी से ऊपर उठकर बिना किसी भेदभाव के गांवों व लोगों की भलाई के लिए विकास कार्य करवाएं और धन का उचित उपयोग करें। इस अवसर पर उपरोक्त गांवों की पंचायतें, बड़ी संख्या में ग्रामीण तथा आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद थे।

सिविल सर्जन डॉ. संगीता जैन ने किया डेराबस्सी अस्पताल का दौरा

अर्थ प्रकाश/चौहान

डेराबस्सी, 14 जनवरी। जिला साहिबजादा अजीत सिंह नगर की नई सिविल सर्जन डॉ. संगीता जैन ने सब-डिवीजनल अस्पताल डेराबस्सी का दौरा किया। इस मौके पर सीनियर मेडिकल ऑफिसर डॉ. धर्मिंदर सिंह और अस्पताल के अन्य स्टाफ ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। डॉ. संगीता जैन ने अस्पताल के विभिन्न विभागों जैसे नवजात शिशु विभाग, इमरजेंसी विभाग, पुरुष वार्ड, लैब, और जनाना वार्ड का निरीक्षण किया। उन्होंने काम कर रहे स्टाफ को यह निर्देश दिया कि वे अपने कार्य को पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी से करें ताकि पंजाब सरकार द्वारा मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी न रहे और अस्पताल आने वाले मरीजों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

लोंगोवाल ग्रुप ऑफ कॉलेजेज लोहड़ी उत्सव बड़े जोश और उत्साह के साथ मनाया गया

अर्थ प्रकाश/चौहान

डेराबस्सी, 14 जनवरी। लोंगोवाल ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, डेराबस्सी के कैंपस में 13 जनवरी 2025 को लोहड़ी उत्सव बड़े जोश और धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। छात्रों और शिक्षकों ने मिलकर इस त्योहार की रौनक को दोगुना कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. कपिल कतियाल (उपाध्यक्ष) और डॉ. विनोद कतियाल (सचिव) ने पवित्र अग्नि प्रज्वलित कर किया। उन्होंने छात्रों को लोहड़ी के विशेष महत्व और इसकी परंपराओं से अवगत कराया।

छात्रों ने भांगड़ा, गिद्धा और पंजाबी लोक नृत्यों की शानदार प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। ढोल की थाप और पंजाबी लोकगीतों की गूंज ने माहौल को पूरी तरह से जोशीला बना दिया। उपस्थित लोगों को मूंगफली, पॉपकॉर्न और मिठाइयां बांटी गईं, जिसने इस पर्व की खुशियों को और बढ़ा दिया।

कॉलेज की प्राचार्या, डॉ. रोजी कतियाल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि सांस्कृतिक मूल्यों को आत्मसात करना और त्योहारों की वास्तविक भावना को समझना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर, श्रीमती साक्षी कतियाल (एचटी एंड टीपीओ) ने सभी को लोहड़ी और मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

लोंगोवाल ग्रुप ऑफ कॉलेजेज का यह आयोजन न केवल एक सांस्कृतिक उत्सव था, बल्कि यह पारंपरिक मूल्यों और त्योहारों की खुशी को साझा करने का एक अनूठा अवसर भी था।

दिल्ली हाट में हिम महोत्सव का समापन, दो करोड़ का हुआ कारोबार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

दिल्ली। राज्य की सांस्कृतिक विरासत, शिल्प और व्यंजनों का भव्य जश्न मनाने वाला 15 दिवसीय हिमाचल प्रदेश हिम महोत्सव कल देर शाम दिल्ली हाट में अपार सफलता के साथ संपन्न हुआ।

हिम महोत्सव का आयोजन हिमाचल प्रदेश सरकार ने केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) के सहयोग से किया गया। महोत्सव में न केवल राज्य की कलात्मक विरासत को प्रदर्शित किया गया, बल्कि स्थानीय कारीगरों को 2 करोड़ रुपये का कारोबार भी दिया गया। महोत्सव से जहां कारीगरों के उत्पादों को व्यापक स्तर पर पहचान मिली वहीं सांस्कृतिक संरक्षण के साथ-साथ आर्थिक प्रगति भी सुनिश्चित हुई।

उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए कहा कि हिम महोत्सव ने हिमाचल प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और

आधुनिक व्यावसायिक दुनिया में अलग पहचान बनाई है। हिम महोत्सव ने राज्य के विविध हस्तशिल्प, पारंपरिक परिधानों और व्यंजनों को पहचान दिलाने के साथ-साथ कारीगरों के लिए सफलतापूर्वक नए व्यावसायिक अवसर सृजित किए हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल से पारंपरिक शिल्पकला को समसामयिक व्यापार गतिविधियों के साथ-साथ आगे बड़ने में मदद मिलेगी।

उद्योग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आर.डी. नजीम ने आगंतुकों से मिली प्रतिक्रिया की सराहना करते हुए कहा कि इससे हिमाचली शिल्प में देश की बड़ती रुचि की झलक दिखती है। उन्होंने कहा कि इस सफलता से कारीगरों के लिए नए अवसर सृजित होंगे और राष्ट्रीय मंच पर हिमाचल की उपस्थिति और मजबूत होगी।

महोत्सव में विभिन्न प्रकार के 60 स्टॉल लगाए गए जहां कारीगरों ने ऊनी शॉल, चंबा रूमाल, कांगड़ा पेंटिंग और पारंपरिक आभूषणों सहित हस्तनिर्मित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की।

इसके अतिरिक्त राज्य के प्रसिद्ध व्यंजन हिमाचली धाम के जायके ने आगंतुकों को आकर्षित किया जिससे प्रदेश की संस्कृति का अनुभव और समृद्ध हुआ। हिमाचल की जीवंत सांस्कृतिक परंपराओं का जश्न मनाते हुए कार्यक्रम में कांगड़ा के गद्दी नृत्य और सिरमौर की नाटी भी शानदार प्रस्तुति दी गई। ग्रैंड फिनाले में हिमाचली फैशन शो भी हुआ जिसमें पारंपरिक परिधानों का प्रदर्शन किया गया जो इस उत्सव का मुख्य आकर्षण रहा।

उत्सव में दो करोड़ रुपये का कारोबार हुआ जिससे हिमाचल प्रदेश के दूर-दराज के क्षेत्रों के कारीगरों की आर्थिकी सुदृढ़ हुई। आगंतुकों के साथ सीधे संपर्क ने कारीगरों को उन्हें अपने बाजार की पहुंच बड़ाने, वित्तीय स्थिरता बड़ाने और व्यापक स्तर पर पहचान बनाने में मदद की।

हिम महोत्सव प्रदेश के कारीगरों के लिए एक उम्मीद की किरण बन गया है, जिसमें पारंपरिक कला को आधुनिक व्यवसायिक गतिविधियों के साथ जोड़ा गया है। महोत्सव ने हिमाचल की समृद्ध विरासत के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान किया है और भविष्य की पीड़ियों के लिए संस्कृति के संरक्षण तथा विकास को सुनिश्चित करने में मदद की है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के ओएसडी केएस बांशटू, आवासीय आयुक्त मीरा मोहंती, प्रबंध निदेशक हिमक्राफ्ट्स कॉरपोरेशन गंधर्व राठौर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

ज्वेलरी की दुकान से चोरी, चकमा देकर गायब किए 7 लाख के जेवर

अर्थ प्रकाश संवाददाता

कुल्लू। कुल्लू में एक ज्वेलरी की दुकान से महिलाओं ने 7 लाख रुपए के गहने चोरी कर ली।

ये घटना लोअर ढालपुर की है, जहां ज्वेलरी की दुकान पर सुबह करीब 11.50 बजे दुकान में ग्राहक बनकर आई। महिलाओं ने दुकानदार से कुछ सामान खरीदा और इसी दौरान वारदात को अंजाम दे दिया। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई।

जय दुर्गा ज्वैलर्स के दुकान मालिक जसविंद्र सिंह ने बताया कि महिलाएं दुकान में आई और ज्वेलरी दिखाने को कहा। उन्होंने ज्वेलरी भी खरीदी। लेकिन बीच में सामान देखने के दौरान उसमें से एक महिला ने कुछ जेवर चुरा लिए। दुकानदार ने बताया कि सोने की चैन, लॉकेट और 4 मंगलसूत्र गायब है। महिलाएं करीब 12.10 बजे दुकान से चली गई।

चोरी का पता दुकानदार को तब चला जब रात में सामान की गिनती

की गई। इसके बाद दुकानदार को शक हुआ तो उसने सीसीटीवी कैमरे की जांच की। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस को शिकायत दी। सीसीटीवी का यह क्लिप सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है।

दुकान मालिक ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवा दी है और लोगों से अपील की है कि अगर किसी को इन महिलाओं के बारे में कोई जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। दोनों महिलाएं वारदात के बाद से फरार हैं।

महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय ने ई-कॉन्टेंट डिवेल्पमेंट एण्ड एमओओसीएस पर फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का किया आयोजन

अर्थ प्रकाश /सुशील सहगल

बद्दी। महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय ने इलेक्ट्रॉनिक्स एव आईसीटी अकादमी, एनआईटी पटना के साथ मिलकर सात दिवसीय -ई-कंटेट डिवेल्पमेंट एण्ड एमओओसीएस पर 14 जनवरी 2025 को फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम 'एफडीपी' का सफलतापूर्वक उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य फैकल्टी को डिजिटल शैक्षणिक सामग्री तैयार करने और आधुनिक शिक्षण विधियों में एमओओसीएस का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए उन्नत कौशल से सुसज्जित करना था। हिमाचल प्रदेष के विभिन्न कॉलेजों, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय और पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज, चंडीगढ़ के कुल 68 प्रतिभागी इस फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं।

प्रो. (डॉ.) प्रदीप सिंह वालिया, डीन अकादमिक अफेयर्स ने कार्यक्रम का परिचय देते हुए इसके उद्देश्यों, संरचना और अपेक्षित परिणामों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) आर.के. गुप्ता ने विश्वविद्यालय में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने और इस के माध्यम से फैकल्टी विकास को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता पर बल दिया।

चांसलर नामित सुरेश गुप्ता ने संबोधित करते हुए तेजी से बदलते शैक्षिक परिदृश्य और शिक्षण पद्धतियो में डिजिटल परिवर्तन को अपनाने की आवष्यकता को स्वीकार किया। उन्हो ने समकालीन शैक्षणिक प्रथाओं में डिजिटल उपकरणों और एमओओसीएस के एकीकरण के महत्व को रेखांकित किया। पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के युनिवर्सिटी बिजनेस स्कूल के प्रो. (डॉ.) तेजिंदर पाल सिंह ने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया। उन्हो ने अपने सत्र में ई-कंटेट निर्माण के लिए नवीन रणनीतियों और शैक्षणिक ढांचे में एमओओसीएस के प्रभावी उपयोग पर अपना वक्तव्य दिया। उन्हो ने फैकल्टी सदस्यों को अपनी शिक्षण पद्धतियों में डिजिटल उपकरणों को अपनाने के लिए प्रेरित करने हेतु व्यावहारिक दृष्टिकोण और वास्तविक उदाहरण साझा किए। प्रो. (डॉ.) एम.पी. सिंह, आईसीटी अकादमी, एनआईटी पटना, डॉ. अभिषेक अवस्थी और डॉ. प्रियंका षर्मा के प्रयासों से यह एफडीपी सुचारू रूप से शुरू की गई।

इस कार्यक्रम में प्रो. (डॉ.) पंकज नांगलिया, रजिस्टार, डीन, डायरेक्टर और फैकल्टी उपस्थित थे।

हिमाचल में सरकारी कर्मचारी ने आत्महत्या की

भरमौर (अप्रस)। हिमाचल प्रदेश के चंबा में एक सरकारी कर्मचारी ने चमेरा-1 परियोजना के खैरी डैम में छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक मानिंद्र कुमार मानसिक रूप से बीमार चल रहा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। सूचना के अनुसार, बीते रविवार को दोपहर के वक्त मानिंद्र कुमार ने डैम में छलांग लगाई। इसके बाद मानिंद्र कुमार को पुलिस ने डैम से गौताखोरों की मदद से बाहर निकाला। इसमें करीब चार घंटे का वक्त लग गया। बताया जा रहा है कि मानिंद्र कुमार दो साल से बीमार चल रहा था। डैम में कूदने से पहले बीते शनिवार रात करीब 1 बजे उसने फोन पर परिजनों से भी बात की और बताया कि उसे घबराहट हो रही है। इसलिए बीते कल ही परिवार वालों ने उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाने की योजना बनाई। मगर इससे पहले ही मानिंद्र ने डैम में छलांग लगा दी।

होटल में मृत मिली लड़की, युवकों के साथ गई थी, गिरफ्तारी के लिए भेजी पुलिस

अर्थ प्रकाश संवाददाता

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू के पार्वती वैली स्थित कसोल में एक होटल से बरामद लड़की के शव का आज नेरचौक मेडिकल कालेज में पोस्टमॉर्टम करवाया जा रहा है। मृतक लड़की के परिजन आज नेरचौक अस्पताल पहुंच गए है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद लड़की की मौत के कारणों का पता चल पाएगा। होगा। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है।

वहीं कुल्लू पुलिस ने उन दो लड़कों की धरपकड़ के लिए दो टीमें पंजाब के मुक्तसर और बठिंडा भेज दी है। जिनके साथ लड़की कसोल पहुंची थीं। तीनों कमरा नंबर 904 में ठहरे हुए थे।

मामले की जांच कर रहे ढूह भूपसिंह ने बताया कि 12 जनवरी

लड़की के शरीर पर नहीं कोई घाव

भूप सिंह ने बताया कि लड़की के शरीर पर भी किसी प्रकार का कोई घाव नहीं है। नाक से झाग जैसा जरूर निकला है। उन्होंने बताया कि लड़की की मौत कैसे हुई, यह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा। उन्होंने बताया कि पुलिस की टीमें पंजाब भेजी गई है और उन दोनों की लड़कों की तलाश जारी है, जिनके साथ लड़की कसोल आई थी।

की रात पंजाब बठिंडा के दो लड़के, एक लड़की के साथ होटल में ठहरे थे। रात 12 बजे दोनों लड़के, लड़की को कंधे पर ले जा रहे थे। तब होटल कर्मचारियों के पूछा तो उन्होंने बताया कि लड़की बाथरूम में गिर गई है, इसलिए अस्पताल ले जा रहे है। इस पर होटल कर्मियों ने मैनेजर के आने तक इंतजार को बोला। इसके बाद दोनों लड़के घबरा गए और होटल के बाद खड़ी स्कॉर्पियो गाड़ी में मौके से फरार हो गए।

इस घटना से मचा हड़कंप : इस घटना के बाद हड़कंप मच गया है। होटल कर्मियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी और रात में शव कब्जे में लिया। पुलिस ने लड़की के परिजनों को इसकी सूचना दी गई। मृतक लड़की भी पंजाब के मुक्तसर की बताई जा रही है। इस घटना से कसोल क्षेत्र में सनसनी फेल गई।

2 लड़कों की भूमिका संदिग्धः एएसपी : एएसपी कुल्लू संजीव चौहान के अनुसार, मामले में 2 युवकों की भूमिका संदिग्ध है, जो घटना के बाद से फरार हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

न्यूज ब्रीफ

मनाया 9वां पूर्व सशस्त्र सैनिक दिवस

ऊना (अप्रस)। उपनिदेशक जिला सैनिक कल्याण बोर्ड ऊना लेफ्टिनेंट कर्नल एसके कालिया ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला कार्यालय परिसर में मंगलवार को 9वां पूर्व सशस्त्र सैनिक दिवस मनाया गया। उन्होंने बताया कि यह दिवस हर वर्ष प्रथम फील्ड मार्शल जनरल के एम करियप्पा की स्मृति में 14 जनवरी को मनाया जाता है। वह इसी दिन सेवानिवृत्त हुए थे। इस दौरान वीरता पुरस्कार विजेताओं व वीर नारियों को हिमाचली टोपी व शॉल देकर सम्मानित भी किया। इनमें 8 वीर नारियां, माताएं, एक वीर चक्र, दो शौर्य चक्र और विशिष्ट सेवा मेडल शामिल रहे। इसके अलावा उपनिदेशक ने पूर्व सैनिकों की समस्याओं तथा उनके समाधान और अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों पर भी प्रकाश डाला। इस मौके पर विशिष्ट सेवा मेडल कर्नल कुलदीप सिंह, सेना मेडल कर्नल पीएस राजपूत, वीर चक्र आनरेरी कैप्टन सुखदेव सिंह, आनरेरी कैप्टन सुशील कुमार शौर्य चक्र, शौर्य चक्र आनरेरी कैप्टन चरण दास, डीपी विशिष्ट, कर्नल नान चंद, कर्नल केबी शर्मा, कमांडर विजय कुमार, आनरेरी कैप्टन शक्ति सिंह चेयरमेन भूतपूर्व सैनिक लीग उपस्थित रहे।

कांग्रेस नेता बल्ह के विकास कार्यों में कर रहे बाधा उत्पन्नः इंदर सिंह गांधी

नेरचौक (गोविन्द ठाकुर)। बल्ह के विधायक इंद्र सिंह गांधी ने पूर्व मंत्री प्रकाश चौधरी व एपीएमसी अध्यक्ष संजीव गुलेरिया पर बल्ह के विकास कार्यों में बाधा डालने का आरोप जड़ा है। आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान विधायक ने कहा कि कांग्रेस नेता बल्ह के विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के दो साल के शासनकाल में बल्ह में कोई विकास नहीं हुआ है। बल्कि उल्टा भाजपा कार्यकाल में बजट के साथ जिन योजनाओं को धरातल पर उतारने की शुरुआत की गई थी। वे भी अधूरी पड़ी हुई हैं। 2 करोड़ 33 लाख बजट के साथ बस स्टैंड रिवालसर का हमने शिलान्यास करवाया था मगर इसका कार्य आज भी अधर में लटका हुआ है। सब्जी मंडी का मामला अधर में लटका हुआ है। आईटीआई व पुलिस थाना रिवालसर वेटरनरी अस्पताल दुर्गापुर, वेटरिनरी डिस्पेंसरी स्योहली व बिजली बोर्ड के मंडल कार्य को डी नोटिफाई कर दिया गया। मिनी सचिवालय का निर्माण कार्य अधूरा पड़ा हुआ है। ऐसे दर्जनों उदाहरण है जो कांग्रेस के इन नेताओं की नकारात्मक सोच को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रकाश चौधरी बताएं कि 20 साल सत्ता सुख भोगते हुए आपने कितनी सड़कों और कितने पुलों का निर्माण करवाया। इंद्र सिंह गांधी ने कहा कि मैंने बल्ह के लिए 18 सड़कों का निर्माण करवाया। कलखर रति सड़क के लिए 26 करोड रुपए की केंद्र से मंजूरी करवाई। उन्होंने कहा कि कांग्रेसी विकास के नाम पर लोगों को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। गांधी ने कहा कि प्रदेश सरकार कर्ज पर कर्ज ले रही है। 2022 से कांग्रेस ने सत्तासीन होते ही ठेकेदारों की पेमेंट पर पाबंदी लगा दी है ठेकेदारों के बिल पास नहीं हो रहे हैं और वे भी कर्ज में दबते जा रहे हैं।

ठेकेदारों की भुगतान राशि पर व्हाइट पेपर लिए मंत्री : राजीव

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला। भाजपा के पूर्व मंत्री एवं प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ राजीव सहजल ने कहा कि कांग्रेस के मंत्री विक्रमादित्य को अपने विभागों की जानकारी लेने के उपरांत ही बयान देना चाहिए, जहां पूरे हिमाचल प्रदेश में ठेकेदारों के कार्यो का भुगतान नहीं हो रहा है वही मंत्री अपनी सरकार को बचाने का झूठ ढोंग कर रहे हैं।

अगर मंत्री को इतनी ही चिंता है तो उनको अपने विभाग में इस विषय के बारे में व्हाइट पेपर प्रस्तुत करना चाहिए जिसमें सब दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। पूरे प्रदेश में छोटे-छोटे ठेकेदार भी अपने भुगतान बारे चिंतित है और जगह-जगह से सार्वजनिक रूप में सरकार की निंदा कर रहे हैं, क्या आपको यह दिखता नहीं है ? क्या आपको भी सुक्खू प्रेम का चश्मा लग गया है ?

अच्छा होता की पीडब्लूडी मंत्री भुगतान हेतु ठोस काम करते अपितु नेता प्रतिपक्ष पर टिप्पणी करते और टिप्पणी भी बिना आधार की।

उन्होंने कहा कि भाजपा आज भी कह रही है कि हिमाचल प्रदेश में ठेकेदारों का भुगतान 1001 करोड़ से अधिक हो गया है।

भाजपा नेता ने सरकार को घेरते हुए कहा कि भाजपा प्रदेश के उपमुख्यमंत्री से भी पूछना चाहती है कि उनके विभाग में हिमाचल पथ परिवहन निगम के चालक ने क्षेत्रीय प्रबंधक (आरएम) धर्मपुर पर प्रताड़ना का आरोप लगाने के बाद आत्महत्या कर ली। इस प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि इस घटना का सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा था और सरकार सोई हुई थी। इस वीडियो में चालक ने क्षेत्रीय प्रबंधक पर वेतन रोकने और उसे नौकरी से निकालने का आरोप लगाया है। संजय धर्मपुर डिपो के चालक के पद पर तैनात था। मूल रूप से वह कुल्लू जिले के बदाह का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि चालक ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दी है। इसका पता नहीं चल पाया है कि उसने जहर कहां खाया है। इस पूरे प्रकरण की जांच तो बनती है।

बिन्दल ने हिमाचलवासियों को, देशवासियों दी बधाई

शिमला, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 राजीव बिन्दल ने कहा कि आज मकर सक्रांति का महान पर्व है और आज भगवान सूर्य नारायण अपनी दिशा परिवर्तित कर दक्षिणायन से उत्तरायण हो रहे हैं। इस गति के परिवर्तन के साथ पूरे विश्व में हर चीज के अंदर परिवर्तन होता है और पूरे देश में अलग-अलग स्थानो पर आज अलग-अलग नामो से नववर्ष उत्साह, उमंग के रूप में मनाया जाता है। डॉ0 बिन्दल ने सभी हिमाचलवासियों को, देशवासियों को आज के पावन दिन की शत-शत बधाई दी है। उन्होनें कहा कि आज के दिन एक और बड़ा महायज्ञ हो रहा है। दुनिया का सबसे बड़ा महाकुंभ प्रयागराज में शुरू हुआ। लगभग 40 करोड़ सनातन को मानने वाले समाज के लोग गंगा जी में डुबकी लगाएंगे, प्रभु का आशीर्वाद लेंगे और अपने जीवन का कल्याण करने की एक भावना लेकर प्रयागराज में त्रिवेणी के अंदर डुबकी लगाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। डॉ0 बिन्दल ने कहा कि ये शुभ घड़ी सबके लिए, हिमाचल के लिए अत्यंत शुभ हो, प्राणी मात्र का कल्याण हो, यह भाव रखते हुए सभी को अत्यंत शुभकामनाएं एवं बधाई देता हूं।

अभिलाषी नर्सिंग की छात्रा ने यूनिवर्सिटी में किया टॉप

नेरचौक (अप्रस)। सहयोगी जागरण नेरचौक,अभिशाषी नर्सिंग कॉलेज की प्रशिक्षु नर्सों ने अटल मेडिकल एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी द्वारा ली गई नर्सिंग की परीक्षाओं में अभिलाषी नर्सिंग कॉलेज की दो प्रशिक्षु नर्सों द्वारा एमएससी नर्सिंग 2023 से 25 बैच की परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन किया गया है। जिसमें कोमल शर्मा ने अमरु में प्रथम स्थान हासिल कर टॉप किया है। वहीं निकिता शर्मा ने दसवां स्थान हासिल किया है। सभी प्रशिक्षु अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हुए हैं। अभिलाषी संस्थान की तरफ से इन्हें उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी है। अभिलाषी समूह के अध्यक्ष डा आर के अभिलाषी, डा ललित अभिलाषी, डा नर्वदा अभिलाषी, डा प्रोमिला अभिलाषी, सचिव नरेंद्र कुमार , नीलम, कार्यालय अधिकारी बी आर नायक, प्रधानाचार्य दीपक शांडिल्य, उप प्रधानाचार्य निशा कुमारी तथा अध्यापकों ने बच्चों को परीक्षा में अच्छ प्रदर्शन करने पर बधाई दी।

पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन हिमाचल प्रदेश की अमरपुर पनौल इकाई की प्रथम त्रैमासिक बैठक सम्पन्न

अर्थ प्रकाश /देशराज

बरठी। पेंशनर्स बैलफेयर एसोसिएशन हिमाचल प्रदेश की अमरपुर पनोल इकाई की प्रथम त्रैमासिक बैठक रमेशचंद सांख्यान प्रधान अमरपुर पनोल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में गठित इकाई की कार्यकारिणी में नए सदस्य रमेश चंद शुक्ला, आशा देवी, कुलदीप सिंह, कुलदीप सिंह अमरपुर, देशराज सदस्य व अनिल खजूरिया को प्रेस सचिव तथा सुरेंद्र गर्ग को संरक्षक मनोनीत किया गया। बैठक में विजय सिंह चंदेल खंड व जिला के लिए प्रतिनिधि के रूप में भेजने का निर्णय लिया गया। इसके साथ हाल में सेवनिवृत्त हुए कर्मचारियों को इकाई में सदस्य बनाए जाने पर चर्चा की गई। बैठक में सरकार से 1 जनवरी 2016 के बाद सेवा निवृत हुए पेंशनर्स के वेतन निर्धारण के बकाए डीए किस्तों का तीन माह के भीतर भुगतान करने की मांग की गई। बैठक में जिला एसोसिएशन द्वारा निर्धारित वार्षिक सद्स्यता शुल्क रुपए 200 लेने के निर्णय का समर्थन किया गया। इकाई की बैठक में प्रधान रमेश सांख्यान के साथ पदाधिकारियों में दिलीप सिंह ठाकुर, विजय चंदेल,होशियार सिंह, जगदीश सिंह,रमेश धीमान, विशन सिंह, माया देवी, कुलदीप सिंह ठाकुर, सीताराम तथा कुलदीप सिंह पनोल आदि उपस्थित रहे।

प्रदेश में सब कुछ चंगा है तो हर जगह क्यों है अराजकता : जयराम ठाकुर

परिवर्तन की शुरुआत खुद से की जाती है, सरकार चाहती है सब कुछ जनता त्यागे

धर्मपुर डिपो में तैनात चालक की आत्महत्या का मामला दु:खद, आरोप संगीन, पीड़ति को मिले न्याय

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला। शिमला में मीडिया के प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सुक्खू सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार में बैठे लोग हर दिन आते हैं और बयान देते हैं कि प्रदेश में सब कुछ चंगा है, बढ़िया चल रहा है। जब सब कुछ बढ़िया चल रहा है तो प्रदेश में इस प्रकार की अराजकता क्यों है? प्रदेश की ट्रेजरी क्यों बंद है? लोगों के 5 हजार और 10 हजार के भी भुगतान क्यों नहीं हो रहे हैं? विकास के काम क्यों ठप पड़े हैं? प्रदेश के अस्पतालों में दवा सप्लाई करने वाले सप्लायरों को मीडिया में आकर 9 महीने से अपनी लंबित भुगतानों की मांग क्यों करनी पड़ रही है? जब सब कुछ ठीक है प्रदेश के स्वास्थ्य महकमें की हालत इतनी खराब क्यों है? क्यों लोगों के ऑपरेशन टाले जा रहे हैं? क्यों जीवन रक्षक दवाइयां के लिए लोग अस्पतालों में भटक रहे हैं? उन्हें निःशुल्क दवाइयां और इलाज क्यों नहीं मिल रही है? हार्ट के मरीजों को पड़ने वाला स्टंट आजकल क्यों नहीं पड़ रहा है? ह्यूमन मेटा न्यूमो वायरस के खतरे के अंदेशे के बीच ऑक्सीजन पीएसए प्लांट क्यों बंद है, क्यों उनके तकनीकी कर्मियों की सेवाएं समाप्त हैं? क्यों हर दिन सौ-पचास लोगों को नौकरियों से निकलने की खबरें मीडिया में आम बात हो गई हैं? सरकार के लोग चाहे जितनी भी बातें कर लें लेकिन सच यही है कि प्रदेश के हालात बहुत खराब है, जिसके लिए 2 साल से सत्तासीन सुक्खू सरकार जिम्मेदार है।

चालक आत्महत्या मामले की हो निष्पक्षता से जांच

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि धर्मपुर डिपो के चालक की आत्महत्या का मामला अत्यंत हृदय विदारक और पीड़ादाई है। ईश्वर मृत चालक की आत्मा को शांति और परिजनों को संबल प्रदान करें। इस पूरे प्रकरण में जो वीडियो वायरल है उसमें मृतक चालक द्वारा एचआरटीसी प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इस मामले की निष्पक्षता से जांच हो और पीड़ित को न्याय मिले मेरी सरकार से यही मांग है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि नियमानुसार टेंडर प्रक्रिया के द्वारा काम लेकर काम करने वाले लोक निर्माण विभाग के ठेकेदारों के रु. 1000 करोड रुपए से ज्यादा का बकाया क्यों है? क्यों उन्हें अपने पैसे पाने के लिए सरकार से हाथ पैर जोड़ने पड़ रहे हैं, मीडिया में आकर क्यों गुहार लगानी पड़ रही है। जहां घोटाला हुआ, जहां लोगों को गंदा पानी पिलाया गया, जहां कार और मोटर साइकिल से पानी ढोया गया वहां पर तो तुरंत भुगतान हो गया तो बाकी जल शक्ति विभाग के ठेकेदारों के भुगतान क्यों रोके गए हैं? प्रदेश के उपमुख्यमंत्री भी माफिया के सामने बेबस नजर आ रहे हैं? क्यों माफिया पर रोक लगाने की गुहार उन्हें अपने ही जिले में जनसभाओं से मंचों से लगानी पड़ रही है? क्या माफिया इतना ताकतवर हो गया है कि प्रदेश का मुख्यमंत्री उपमुख्यमंत्री उसके सामने बेबस और लाचार नजर आए? या इसके पीछे की कहानी कुछ और है? क्यों लोहड़ी वाले दिन तक एचआरटीसी के पेंशनर्स को पेंशन नहीं मिली थी?

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि व्यवस्था परिवर्तन के नाम पर सरकार चला रहे मुख्यमंत्री को यह बात समझनी चाहिए कि परिवर्तन सबसे पहले अपने अंदर लाया जाता है। 300 यूनिट फ्री बिजली की गारंटी देकर सत्ता में आए लोग आज प्रदेश के लोगों से कह रहे हैं कि बिजली की सब्सिडी छोड़ दो। क्या मुख्यमंत्री ने 300 यूनिट फ्री बिजली देने के चुनावी गारंटी के लिए माफी मांगी? क्या प्रदेश के मुख्यमंत्री ने प्रदेश के ऊपर लादे गए अपने मित्रों के खर्चे कम किए? क्या थोक के हिसाब से बनाए गए कैबिनेट रैंक सरकार ने हटाए? क्या माननीय हाई कोर्ट द्वारा असंवैधानिक बताए गए सीपीएस को हटाने के आदेश सरकार ने मान लिए? क्या सीपीएस को बचाने की जिद सरकार द्वारा छोड़ दी गई? क्या अब सरकार सीपीएस की नियुक्तियों को जायज ठहराने के लिए करोड़ों रुपए लीगल फीस के तौर पर नहीं देगी? सिर्फ अपनी जिद्द को जस्टिफाई करने के लिए सरकार द्वारा अब तक 10 करोड़ से ज्यादा रुपए लीगल फीस के रूप में दिए गए हैं, अभी न जाने कितने रुपए और दिए जाएंगे। सरकार चाहती है कि वह अपनी मनमर्जी से जनता के पैसों को लुटाती रहे और जनता ही सारा त्याग करे। सवाल सरकार की नीयत का है जहां मुख्यमंत्री सिर्फ जनता से उम्मीद करते हैं और खुद जनता का पैसा पानी की तरह अपने हितों के लिए बहाते हैं।

कबड्डी का खेल हमारे हरियाणा की पहचान : राजेश नागर

पलवल के गांव कुशक भवाना में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में शामिल हुए

अर्थ प्रकाश /दयाराम वशिष्ठ

फरीदाबाद। हरियाणा सरकार के मंत्री राजेश नागर ने आज पलवल के गांव भवाना में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में शिरकत की और खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाया।

इस अवसर पर मंत्री राजेश नागर ने कहा कि कबड्डी हमारे हरियाणा की पहचान है। कबड्डी एक तरफ हमारे युवाओं को खेल के साथ जोड़कर उनके तन मन को दुरुस्त रखती है। वहीं वह हमारी सांस्कृतिक पहचान को भी अक्षुण रखती है। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से आज युवा करियर बना रहा है वहीं नौकरी और पैसे भी कमा रहा है। नागर ने कहा कि हरियाणा की सरकार पूरे देश में सर्वाधिक सर्वाधिक इनाम देने वाली प्रदेश सरकार है। हरियाणा के खिलाड़ी आज देश दुनिया में नाम रोशन कर रहे हैं।

उन्होंने युवा खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया और कहा कि वह खेलों को अपने जीवन में अपनाएं और सभी प्रकार के नशे से दूर रहें। उन्होंने कहा कि जो खिलाड़ी अपना जीवन खेल में लगाता है वह पूरी तरह से नशे से दूर हो जाता है और उसके अंदर आपसी एकता भाईचारे की भावना भी प्रबल हो जाती है। इस प्रकार हम खेल में शामिल होकर देश को और समाज को एकता के सूत्र में बांध रहे हैं और मजबूती प्रदान कर रहे हैं।

उन्होंने आयोजकों को भी सुंदर आयोजन पर बधाई दी और भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन किए जाने पर बल दिया। मंत्री राजेश नागर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा तेजी से आगे बढ़ रहा है। यहां खेल, विकास, शिक्षा सभी क्षेत्रों में हम तरक्की के नए सोपान रच रहे हैं। वहीं समाज के हर वर्ग को शासकीय लाभ दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा हर वर्ग की खुशहाली के लिए काम कर रही है। यही कारण है कि हरियाणा की जनता ने तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी की सरकार को चुनकर अपने इरादे जता दिए हैं।

इस अवसर पर दादा रामेश्वर, उमेश पार्षद, सिंगर एम सी स्क्वायर, जयसिंह सरपंच, सुखबीर बैंसला, रघुराज नागर, बुल्ली ठेकेदार, धर्मेंद्र सरपंच, पवन जाखड़ सरपंच, योगेश सरपंच, बल्लू सरपंच, बिट्टू सरपंच, शेर सिंह चेयरमैन, केशव पहलवान, सुभाष पहलवान, धर्मेंद्र वकील, पार्षद महेंद्र भड़ाना, अजब चंदीला, एस डी पोसवाल, रमेश बैंसला, दयानंद नागर व अन्य मौजूद रहे।

मकर संक्रांति के अवसर पर की सेवा शीघ्र सफल होती है : मुनि पीयूष

अर्थ प्रकाश /शैलेन्द्र जैन

करनाल। नवग्रहों में सबसे अधिक प्रकाशमान, आत्मा के कारक तथा सृष्टि से अंधकार का नाश कर उज्ज्वलता प्रसारित करने वाले सूर्य नारायण का मकर राशि, जो उसके पुत्र शनि की राशि है, उसमें प्रवेश करना माघ महीने की संक्रांति है। पौराणिक मान्यतानुसार यह संक्रांति भगवान आशुतोष का भगवान विष्णु को आत्मज्ञान का दान, भीष्म पितामह द्वारा देह त्याग, गंगा के धरा पर अवतरण, देवताओं के दिन के प्रारंभ का शुभ मांगलिक प्रसंग है जिस दिन किया गया शुभ कल्याणकारी कार्य अनेक गुना अधिक फलदायक होता है। परंपरा कहती है की मकर संक्रांति के दिन किया अन्नदान, किसी भी प्रकार की सेवा सफल होती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को श्रद्धा तथा विश्वास के साथ हर मंगल अवसर पर नेक कार्य करने में कोताही न करने का संकल्प करना चाहिए। भारत संत गौरव उपप्रवर्तक श्री पीयूष मुनि जी महाराज ने मकर संक्रांति पर उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए तीर्थस्थल श्री आत्म मनोहर जैन आराधना मंदिर में कहा कि बारह सक्रांतियों में से अंग्रेजी नव वर्ष में पहली बार आने वाली यह संक्रांति दान, पूजा-पाठ आराधना-उपासना करने की प्रेरणा देने वाला सुअवसर है, जो हमें सीख देता है कि हमें अपना मूल्यवान समय तथा जीवन सत्कार्यों से सार्थक करना चाहिए।

महाराजा अग्रसेन शिक्षा सम्मान योजना (मैसी) के 32वें छात्रवृत्ति वितरण समारोह की तैयारियां

अर्थ प्रकाश/ अमित

कुरुक्षेत्र। महाराजा अग्रसेन शिक्षा सम्मान योजना का 32वां छात्रवृत्ति वितरण समारोह शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिभावान विद्यार्थियों को आर्थिक तौर पर प्रोत्साहित करने के लिए कुरुक्षेत्र के विद्या भारती सभागार, गीता निकेतन आवासीय विद्यालय में 19 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। मैसी के प्रधान मुनीश मित्तल ने बताया कि छात्रवृत्ति वितरण समारोह में करीब 120 आर्थिक तौर पर कमजोर परिवारों के बच्चों को शिक्षा के प्रोत्साहन के लिए छात्रवृत्तियां वितरित की जाएंगी। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र के पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला मुख्य अतिथि होंगे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के प्रधान सत्य प्रकाश गुप्ता करेंगे। समारोह के लिए मैसी के सभी सदस्य एवं पदाधिकारी तैयारियां कर रहे हैं। साथ ही छात्रवृत्ति पाने वाले बच्चों के परिवारों से सम्पर्क किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि धर्मनगरी कुरुक्षेत्र के युवाओं द्वारा गठित संस्था पिछले करीब 14 वर्षों से शिक्षा सबका अधिकार एवं सम्मान के प्रमुख लक्ष्य को लेकर आज पूरे राज्य के लिए मिसाल बन रही है। थोड़े से संसाधनों के साथ कुरुक्षेत्र के युवाओं ने महाराजा अग्रसेन के समाजवाद के आदर्शों का अनुसरण करते हुए 14 साल पहले महाराजा अग्रसेन शिक्षा सम्मान योजना के नाम से गठन किया था। इस संस्था के गठन के समय युवाओं का प्रमुख उद्देश्य था कि समाज के निर्धन एवं असहाय परिवारों के बच्चों को शिक्षा से किसी भी कारण से वंचित न रहने देना। इस संस्था के गठन के समय युवाओं ने इस निर्णय के साथ निर्धन एवं असहाय परिवारों के बच्चों को शिक्षा के लिए सहयोग करने की योजना बनाई कि बच्चों तथा उनके परिवारों में सहयोग लेते समय किसी प्रकार की हीन भावना नहीं होनी चाहिए। साथ ही इन बच्चों को सहयोग देने वालों में भी अभिमान की भावना नहीं होनी चाहिए।

राबर्ट वाड्रा महेश नागर का कुशलक्षेम जानने उनके निवास पर पहुंचे

अर्थ प्रकाश /दयाराम वशिष्ठ

फरीदाबाद। लोकसभा सांसद एवं कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के पति राबर्ट वाड्रा आज तिगांव विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक ललित नागर व महेश नागर के सेक्टर-17 स्थित निवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने पिछले काफी समय से अस्वस्थ्य चल रहे महेश नागर का हालचाल जाना। इस दौरान रॉबर्ट वाड्रा ने पूरे परिवार से मुलाकात की और करीब आधा घण्टा उनके निवास पर बिताया। इस मौके पर रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि महेश नागर व ललित नागर उनके पारिवारिक सदस्य है और परिवार के करीबी होने के चलते ही आज वह उनका हाल चाल जानने पहुंचे है। उन्होंने महेश नागर की हौंसला अफजाई करते हुए कहा कि वह जिंदादिल इंसान है और उन्होंने हमेशा सामाजिक व धार्मिक कार्यों में अपना जीवन बिताया है, ईश्वर उन्हें जल्द स्वस्थ्य करेगा और वह फिर से लोगों की सेवा में निस्वार्थ भाव से काम करेंगे। उन्होंने कहा कि मेरे साथ प्रियंका जी को भी आना था, लेकिन किसी काम में व्यस्त होने के कारण वह नहीं आ सकी और वह जल्द महेश नागर के स्वास्थ्य का हालचाल जानने आएगी।

माता बाला सुंदरी मंदिर में मां की दिव्य पिंडी को किया गया 51 किलो मक्खन का लेप

अर्थ प्रकाश /सचिन मलिक

मुलाना। महामाई माता बाला सुंदरी मंदिर मुलाना में हर साल की तरह इस साल भी माता बाला सुंदरी में देवी मां की दिव्य पिंडी को 51 किलो मक्खन का लेप किया गया । जिसे 22 जनवरी को सुबह हवन यज्ञ करने के बाद श्रद्धालुओं में चर्म रोग दूर करने की ओषधि के रूप में बांटा जाएगा। जिसे लेने सैंकड़ो श्रद्धालु मंदिर पंहुचते है। लोगों में मान्यता है कि यह मक्खन रूपी औषधि लोगों के चर्म रोग दूर करती है।

लोगों को हो रहा फायदा : माता बाला सुंदरी मंदिर मुलाना में मकर संक्रांति पर माता की दिव्य पिंडी पर किए लेप में 6 किलो मेवा व 45 किलो मक्खन का प्रयोग किया है। मंदिर कमेटी सचिव अशोक राणा ने बताया कि मक्खन रूपी लेप को औषधी के रूप में बांटे जाने की मान्यता माता बृजश्वेरी मंदिर कांगड़ा के बाद केवल माता बाला सुंदरी मंदिर मुलाना में ही है । जोकि मुलाना में पिछले 14 वर्षों से जारी है। उन्होने बताया कि इस औषधि से लोगों को फायदा होता है जिससे भारी सख्यां में लोग इसे लेने पंहुचते है।

यह है मान्यता

मंदिर पुजारी पंडित चिरंजीवी ने बताया कि जब माता बाला सुंदरी ज भैरों के प्रहार से घायल हो गई थी, तब माता ने मकर संक्राति के दिन गर्भ जून में मक्खन से सात दिन तक लेप किया था, जिससे माता के जख्म ठीक हो गये थे । इसलिये हर साल मकर संक्रांति के दिन मुलाना मंदिर में माता की दिव्य पिंडी को मक्खन का लेप लगाया जाता है। जिसके बाद उस मक्खन को औषधि के रूप में लोगो को वितरित किया जाता है। जिससे लोगों के चर्म के रोग दूर हो जाते हैं।

शिव शक्ति सेवा मंडल घरौंडा के 23वें विवाह महोत्सव में 15 कन्याओं का विवाह 2 फरवरी को होगा सम्पन्न

अर्थप्रकाश /रविन्द्र गिरि

घरौंडा। घरौंडा की शिव शक्ति सेवा मंडल द्वारा आयोजित 23वें विवाह महोत्सव में 15 कन्याओं का विवाह 2 फरवरी को सम्पन्न होगा। इस अवसर पर 20 जनवरी से 31 जनवरी तक नई अनाज मंडी में हरियाणवी सांग का आयोजन किया जाएगा।

संस्था पिछले 22 वर्षों से इस पुनीत कार्य में जुटी हुई है और अब तक 235 कन्याओं का विवाह करवा चुकी है। संस्था के कोषाध्यक्ष धीरज भाटिया ने बताया कि 15 लड़कियों को विवाह उपरांत डबल बेड, अलमारी, ट्रंक, 101 बर्तन, कपड़े, प्रेस, कुर्सी, टेबल, ड्रेसिंग टेबल आदि घरेलू सामान उपहारस्वरूप दिया जाएगा। ये सभी सामान घरौंडा हल्के के लोगों के सहयोग से उपलब्ध कराया जाता है।

हरियाणवी सांग का मंचन सुभाष जोगी सांगी और उनकी पार्टी 20-23 जनवरी, हरीश यादव सांगी और उनकी पार्टी 24-27 जनवरी तथा संजय मलिक सांगी और उनकी पार्टी 28-31 जनवरी तक करेंगे। राज सिंगला ने बताया कि सांग का उद्देश्य हरियाणवी कला को जीवंत बनाए रखना है, जिसे देखने हजारों लोग आते हैं।

कुलदीप कैमला ने कहा कि इस वर्ष अधिक आवेदन प्राप्त होने के बावजूद 15 शादियां करवाई जा रही हैं। जनता के सहयोग से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न होता है।

इस आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए समिति की एक बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में धीरज भाटिया, राज सिंगला, पुष्कर टक्कर, कुलदीप कैमला, देवेंद्र धीमान, दीपक शर्मा, अशोक भटनागर, सतविंदर सिंह, डॉ. रमेश शर्मा और विनोद गोयल ने भाग लिया। बैठक में सभी सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव दिए और जिम्मेदारियां बांटी। 2 फरवरी को सनातन धर्म मंदिर से बारात निकलेगी और 15 दूल्हे अनाज मंडी पहुंचकर अग्नि के समक्ष फेरे लेंगे।

गलत तरीके से रात्रि सफाई का ठेका रद्द करने की शिकायत, अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

अर्थ प्रकाश संवाददाता

सफीदों। नगर के वार्ड 5 निवासी एवं समाजसेवी डा. सत्यवान सैन ने गलत तरीके से रात्रि सफाई का ठेका रद्द करने की शिकायत सीएम नायब सैनी, विधायक रामकुमार गौत्तम, लोकल बॉडी के डायरेक्टर, उपायुक्त जींद, एडीजी विजिलेस को करके सारे मामले की गहराई से जांच करके इस मामले से जुड़े अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। डा. सत्यवान ने शिकायत में आरोप लगाए कि उनकी कंपनी ने करीब डेड़ महीना पहले सफीदों पालिका में रात्रि सफाई के लिए टैंडर भरा था। इस टेंडर को लेकर बनाई गई तकनीकी कमेटी ने उनका टेंडर यह कहकर रद्द कर दिया कि उन्होंने आवेदन में बैंक गारंटी नहीं लगाई और ना ही लीज एग्रीमेंट लगाया। डा. सत्यवान सैन का आरोप है कि इन दो बातों का आधार बनाकर उनका टेंडर रद्द किया जाना पूरी तरह से गलत है क्योंकि ये दोनों चीजें टेंडर अलॉट होने के बाद एक निर्धारित समयावधि में दी जाती हैं। इससे पहले बैंक गारंटी व लीज एग्रीमेंट देने का कोई प्रावधान नहीं है। इस टेंडर से जुड़े अधिकारियों ने मिलीभगत करके व दबाव में आकर उनकी कंपनी के द्वारा लगाए गए टेंडर पर आपत्ति लगाकर रद्द कर दिया गया और दूसरी कंपनी को यह टेंडर दे दिया गया। उनके द्वारा लगाए गए टेंडर में रेट भी अपेक्षाकृत काफी कम थे। टेंडर रद्द होने के बाद वह संबंधित अधिकारियों से मिला लेकिन किसी ने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। थक हारकर उन्होंने इस मामले की शिकायत सीएम नायब सैनी, विधायक रामकुमार गौत्तम, लोकल बॉडी के डायरेक्टर, उपायुक्त जींद, एडीजी विजिलेंस को की है। अगर उन्हें यहां से भी न्याय नहीं मिला तो वे इस मामले को लेकर न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे।

क्या कहते हैं पालिका सचिव

इस मामले में नगर पालिका सचिव आशिष स्वामी का कहना है कि तकनीकी कारणों से टेंडर कैंसिल हुआ है। अगर कोई शिकायत आती है तो उसका नियमानुसार जवाब दिया जाएगा।

आर्थिक रूप से कमजोर तपेदिक मरीजों को विशेष पोषाहार एवं कंबल वितरण

अर्थ प्रकाश संवाददाता

फरीदाबाद। जिला रेड क्रॉस सोसाइटी फरीदाबाद द्वारा संचालित अन्नदान-महादान मुहिम के तहत, विक्टोरा ऑटो प्राइवेट लिमिटेड (सेक्टर 20ए, फरीदाबाद) में आर्थिक रूप से कमजोर तपेदिक (टीबी) के मरीजों को विशेष पोषाहार और कंबल वितरित किए गए। इस कार्यक्रम का आयोजन जिला रेड क्रॉस सोसाइटी और विक्टोरा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, श्री एच.एस. बंगा (एमडी, विक्टोरा ऑटो ग्रुप) ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2025 तक भारत को टीबी मुक्त बनाने के सपने को साकार करने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं के योगदान से इस मिशन को पूरा किया जा सकता है।

विशेष अतिथि, श्री अजय सोमवंशी (सीएसआर हेड, विक्टोरा ग्रुप) ने तपेदिक रोग के इलाज की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि यह लाइलाज नहीं है, बशर्ते दवाइयों का नियमित सेवन और सही उपचार किया जाए। उन्होंने आश्वासन दिया कि विक्टोरा फाउंडेशन, भविष्य में भी जिला रेड क्रॉस सोसाइटी के साथ सहयोग करेगा। साथ ही, उन्होंने बताया कि फाउंडेशन द्वारा आईएमटी फरीदाबाद में एक क्लीनिक संचालित किया जा रहा है, जहां मात्र 10 रुपये में स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध है।

टीबी रोग की गंभीरता और बचाव पर चर्चा

जिला रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव, श्री बिजेंद्र सौरोत ने बताया कि तपेदिक एक गंभीर संक्रामक रोग है, लेकिन यह सही समय पर उपचार और पोषक आहार से पूरी तरह ठीक हो सकता है। उन्होंने मरीजों को नियमित जांच और पौष्टिक आहार लेने की सलाह दी।

कार्यक्रम संयोजक, श्री पुरुषोत्तम सैनी ने उपस्थित सभी मरीजों को प्रधानमंत्री के 2025 तक टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की शपथ दिलाई। वहीं, जिला तपेदिक समन्वयक, कुमारी मधु भाटिया ने बताया कि लहसुन, आंवला, और पुदीना जैसे प्राकृतिक खाद्य पदार्थ टीबी के बैक्टीरिया से लड़ने में सहायक होते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि टीबी मरीजों को नियमित दवाइयों के साथ संतुलित आहार लेना चाहिए।

श्री प्रताप सिंह सेवानिवृत्त अधीक्षक के द्वारा बताया गया कि तपेदिक के लक्षणों की पहचान करके तत्काल प्रभाव से इलाज बेहद जरूरी है। उन्होंने सभी तपेदिक रोगियों को विशेष पोषाहार लेने पर बल दिया तथा खाने में उन फल और सब्जियों को शामिल करें जो कि आपको अंदर से सेहतमंद रखें और शरीर की ताकत बढ़ाए।

चोरी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

अम्बाला (अप्रस)। पुलिस अधीक्षक अम्बाला सुरेन्द्र सिहँ भोरिया के निर्देशानुसार अम्बाला पुलिस द्वारा चोरी/लूट/स्नैचिंग की वारदातों पर अकुंश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान थाना मुलाना में दर्ज चोरी के मामले में 13 जनवरी 2025 को पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी शशि कुमार उर्फ बोडी व मनदीप सिहँ निवासी गाँव डुलियानी थाना मुलाना जिला अम्बाला को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

इस मामले के सम्बन्ध में शिकायतकर्ता अमित कुमार निवासी गाँव चमारखेड़ा ने 02 जनवरी 2025 को थाना मुलाना में शिकायत दर्ज करवाई थी कि 24/26 दिसम्बर 2024 के दौरान किसी अज्ञात आरोपी ने गाँव मनका से औषधालय का लोहा गेट चोरी कर लिया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी थी।

घरौंडा में फ्लाईओवर के साइड में बड़ा खड्डा : हादसे का खतरा बढ़ा

अर्थ प्रकाश/रविन्द्र गिरि

घरौंडा। घरौंडा के महाराणा प्रताप चौक पर बनी रेड लाइट से करनाल की तरफ जीटी रोड फ्लाईओवर के साइड में बना बड़ा खड्डा गंभीर हादसों को न्योता दे रहा है। यह खड्डा फ्लाईओवर के किनारे स्थित है, जिससे ऊपर से गुजरने वाले तेज रफ्तार वाहनों के लिए बड़ा खतरा उत्पन्न हो गया है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह खड्डा महीनों से ऐसे ही पड़ा हुआ है, लेकिन प्रशासन इसे लेकर गंभीर नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फ्लाईओवर पर गाड़ियां तेज गति से चलती हैं और खड्डा उनके संतुलन को बिगाड़ सकता है। इससे वाहन अनियंत्रित होकर पलट सकते हैं या अन्य गाड़ियों से टकरा सकते हैं। विशेष रूप से रात के समय यह खतरा और अधिक बढ़ जाता है। लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की पेट्रोलिंग टीम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि पेट्रोलिंग के दौरान इस खड्डे को नजरअंदाज करना बड़ी लापरवाही है। रोड पेट्रोलिंग अधिकारी बबलू सिंह ने कहा कि फ्लाईओवर की पेट्रोलिंग लगातार की जाती है और इस खड्डे को जल्द ही भर दिया जाएगा। हालांकि, स्थानीय निवासियों ने इस बयान पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि प्रशासन के ऐसे आश्वासन कई बार सुनने को मिले हैं, लेकिन खड्डे की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने किया ब्लॉक स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन,

महिलाएं विश्व स्तर पर खेलों के माध्यम से देश व प्रदेश का कर रही नाम रोशन- सीडीपीओ पुष्पा रानी

अर्थ प्रकाश /मनदीप कुमार

समालखा। शहर के बापौली रोड़ स्थित खेल स्टेडियम में मंगलवार को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ब्लाक स्तर पर महिलाओं की वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी पुष्पा रानी ने किया। अधिकारी ने कहा कि ब्लाक स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जा रहा है इसके बाद ब्लाक में जीतने वाले प्रतिभागियों का जिला स्तर पर मुकाबला कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि खेलों से महिलाओं को अपनी प्रतिभा व क्षमता दिखाने का मौका मिलता है। आज महिलाएं विश्व स्तर पर खेलों के माध्यम से देश व प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार जरूरी कदम उठा रही है जिससे खेल व खिलाडियों को प्रोत्साहन मिल रहा है।

छ प्रकार के खेल कराए गए हैं। जिसमें 30 साल से कम उम्र की महिलाएं के लिए अलग खेल है और 30 साल से ऊपर की महिलाओं के लिए अलग खेल हैं जैसे की साइकिल रेस पैदल रेस, म्यूजिकल चेयर , 100 मी रेस 400 एम रेस , महिलाओं की उम्र के हिसाब से कई प्रकार के खेल कराए गए जिसमें महिलाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। अधिकारी पुष्पा रानी ने विजेता महिलाओं को नगद पुरस्कार से सम्मानित किया। कार्यकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी दर्शना मालवाल ने कहा कि खेल हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है वहीं खेलों से आपसी भाईचारा भी बढ़ता है।

शहीद हरविंद्र का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार, यात्रा में अमर रहे के नारे गूंजे

अर्थ प्रकाश /सुकरमपाल

रोहतक। भारतीय सेना की 21 जाट रेजिमेंट के हवलदार हरविंद्र का उनके पैतृक गांव में भालौठ में गमगीन माहौल में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया, जो असम के तेजपुर में ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए थे। जिला प्रशासन की तरफ से तहसीलदार राजेश कुमार ने शहीद हरविंद्र के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। अंतिम संस्कार के दौरान पूरा माहौल हरविंद्र अमर रहे के नारों से गुंजायमान रहा। उल्लेखनीय है कि गांव भालौठ निवासी लगभग 35 वर्षीय भारतीय सेना के हवलदार हरविंद्र असम के तेजपुर में 77वीं माउंटेन ब्रिगेड में तैनात थे। ड्यूटी के दौरान हरविंद्र शहीद हो गए। हरविंद्र की शहादत की सूचना मिलते ही परिजनों के अलावा पूरा गांव और आसपास का क्षेत्र गम के माहौल में डूब गया। आज मंगलवार सुबह सेना के विशेष वाहन में तिरंगे से लिपटा हुआ हरविंद्र का पार्थिव शरीर जैसे ही गांव में पहुंचा। पूरा गांव उनके अंतिम दर्शन के लिए उमड़ पड़ा। पूरी अंतिम यात्रा के दौरान शहीद हरविंद्र अमर रहे के नारों से आसमान गूंजता रहा। सेना के जवानों ने परिजनों को देश की आन, बान और शान का प्रतीक तिरंगा शहीद के परिजनों को सौंपा। हरविंद्र में देश सेवा की भावना कूट-कूट कर भरी हुई थी। उनके बड़े भाई रविंद्र भी सेना में कार्यरत है तथा उनके पिता जगबीर सिंह सेना से सेवानिवृत है। हरविंद्र का परिवार सेना से जुड़ा रहा है। हरविंद्र की दो बेटिया व एक छह माह का बेटा है। भारतीय सेना की टुकड़ी ने आसमान में गोली दाग कर और मातमी धुन बजाकर शहीद हरविंद्र को अंतिम विदाई दी। शहीद हरविंद्र गत 25 दिसंबर को 15 दिन के अवकाश के बाद वापिस अपनी ड्यूटी पर पंहुचे थे। अंतिम संस्कार में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल सहित भारी संख्या में ग्रामीण व अन्य गणमान्य नागरिक शामिल रहे।

बुधवार के दिन श्री गणेश भगवान की पूजा करने से सुख-शांति और समृद्धि की होती है प्राप्ति

भगवान गणेश का स्मरण किसी मंगल कार्य का आरम्भ करने से पहले किया जाता है। माना जाता है कि अगर आपके किसी काम में बार-बार बाधा आ रही हो, तो भगवान गणेश का नाम लेना चाहिए। इससे आपके कार्यों में आने वाली बाधा हट जाती है। भगवान गणेश को मंगल और समृद्धि का देवता माना जाता है। बुधवार के दिन भगवान गणेश की पूजा की जाती है। आप अगर किसी नई चीज का आरम्भ करना चाहते हैं, तो आप बुधवार के दिन भगवान गणेश का नाम लेकर उसकी शुरुआत कर सकते हैं। भगवान गणेश से ऐसी बहुत-सी खास बातें जुड़ी हुई हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं।

भगवान गणेश की पूजा बुधवार के दिन करने से एक कहानी जुड़ी हुई है। माना जाता है कि माता पार्वती ने जिस दिन भगवान गणेश को निर्मित किया था, उस दिन कैलाश पर बुधदेव भी उपस्थित थे। बुधदेव ने जब विनायक के दर्शन किए, तो उन्होंने प्रसन्नतापूर्वक अपना दिन यानी बुधवार को भगवान गणेश को समर्पित कर दिया। इस कारण बुध ग्रह के प्रतिनिधि दिन बुधवार के दिन श्री गणेश की पूजा की जाती है।

माना जाता है कि गणेश जी केवल बुद्धि और मंगल कार्यों के ही देवता नहीं है बल्कि भगवान गणेश की लेखन गति भी बहुत तेज थी। यही कारण था कि वेदव्यास ने महाभारत को लिखने के लिए गणेश जी को चुना था। जिस महाभारत को लिखने में कोई और देवता सदियां लगा देता, उस महाभारत को वेदव्यास के कहने पर गणेश जी ने लिखा था। भगवान गणेश को पूरी महाभारत लिखने में तीन साल का समय लग गया था।

मान्यता है कि गणेश जी के पीछे पीठ की तरफ दरिद्रता का वास होता है इसलिए हमेशा सामने से ही गणेश जी के दर्शन करने चाहिए। आप मंदिर से बाहर निकल रहे हैं, तो हाथ जोड़कर पीछे कदम हटाते हुए सामने हाथ जोड़कर बाहर निकलें।

माता लक्ष्मी के कोई संतान नहीं थी। इस कारण से एक दिन माता लक्ष्मी बहुत दुखी थीं। जब यह बात माता पार्वती को पता चली, तो उन्होंने बालक गणेश को माता लक्ष्मी की गोद में बैठाकर कहा कि गणेश भी माता लक्ष्मी का ही पुत्र है। यह सुनकर माता लक्ष्मी बहुत प्रसन्न हुई और उन्होंने कहा कि जब तक कोई उनके साथ भगवान गणेश की पूजा नहीं करेगा, उस मनुष्य के जीवन में कभी भी सुख- समृद्धि और लक्ष्मी नहीं आएगी। तब से भगवान गणेश की पूजा लक्ष्मी जी के साथ भी की जाती है।

भगवान गणेश के बड़े भाई का नाम कार्तिकेय था। एक दिन कैलाश पर बात हुई कि जो सबसे पहले संसार का पूरा एक चक्कर लगाकर वापस कैलाश में लौट आएगा, वो देवी पार्वती और भगवान शिव से सबसे ज्यादा प्रेम करता होता। यह सुनकर कार्तिकेय संसार का चक्कर लगाने के लिए चल दिए जबकि गणेश जी ने अपने माता-पिता के चक्कर लगाकर कहा कि माता-पिता के चारों तरफ पूरा संसार होता है, इसलिए उनके संसार का एक चक्कर पहले ही हो चुका है। इस तरह भगवान गणेश ने अपनी बुद्धिमत्ता का परिचय दिया।

विजेता वही होता है जो विपरीत परिस्थितियों में भी हिम्मत नहीं हारता: मुनिश्री विनय कुमार जी

चंडीगढ़। विजेता वही होता है जो विपरीत परिस्थितियों में भी हिम्मत नहीं हारता और विपरीत परिस्थितियों में वही अपने पथ से नहीं डिगता जिसे खुद पर भरोसा रहा हो। कहते है कि प्रतिभा किसी सुविधा या पैसों की मोहताज नहीं होती। यदि मन में लक्ष्य हासिल करने की सच्ची लगन हो तो विपरीत परिस्थितियों में भी बड़े से बड़ा मुकाम हासिल किया जा सकता है। भिवानी बोर्ड द्वारा घोषित किए बारहवीं के परीक्षा परिणामों में हासी के तीन विद्यार्थियों ने प्रतिकूल परिस्थितियों में उत्कृष्ट परिणाम हासिल कर इस बात को साबित कर दिखाया है। जिसने भी खुद पर भरोसा किया, आगे चलकर पूरी दुनिया ने उसका भरोसा किया। एक बच्चा जो चार वर्ष की उम्र तक बोल नहीं पाता था और जिसने सात वर्ष की उम्र तक पढ़ना भी नहीं सीखा था उस पर किसने विश्वास किया होगा कि यह अयोग्य समझा जाने वाला बालक आगे जाकर सापेक्षता का सिद्धांत देगा। हां, ये आइंसटीन ही थे। ये शब्द मनीषी संत मुनिश्री विनय कुमार जी आलोक ने सैक्टर 24सी अणुव्रत भवन में सभा को संबोधित करते हुए कहे।

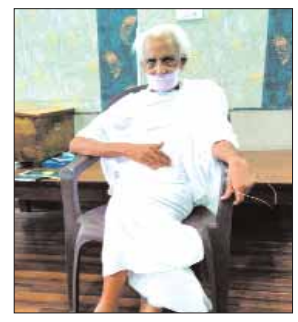

मनीषीसंत ने आगे कहा महात्मा गांधी, विंस्टन चर्चिल, मोहम्मद अली, स्पीलबर्ग जैसे अनेक उदाहरण हैं जिन्हें अपने शुरुआती जीवन में भयानक पराजय झेलनी पड़ी, जिनका उपहास उड़ाया गया, लेकिन उन्होंने खुद पर भरोसा बनाए रखा और ये आज मानव समुदाय के लिए अनुकरणीय हैं। स्वयं पर भरोसा ही सफलता की कुंजी है, क्योंकि यह किसी भी प्रकार के भय को हावी नहीं होने देता है। भयमुक्त प्रयास सफलता लाता ही है। आत्मविश्वास जूझने की शक्ति प्रदान करता है। सफल व्यक्तियों का जीवन हमें प्रेरित करता और उनकी तरह सभी सफल होना चाहते हैं, लेकिन यहां यह ध्यान रखने की आवश्यकता है कि हम सफलता को सिर्फ अंतिम परिणाम के आधार पर ही न आंकें। सफलता के अनेक चरण होते हैं और अंतिम सफलता भी उसी का एक हिस्सा है।

मनीषीश्रीसंत ने अंत मे फरमाया आप में इतनी शक्ति है कि यदि चाहें तो अपनी शक्तियों का विस्तार करके इतिहास रच सकते हैं। व्यक्ति तीन प्रकार के होते हैं। एक वे हैं जो किसी काम के बारे में सुनते ही यह कह देते हैं कि यह काम हमसे होगा ही नहीं। इस प्रकार वे हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते हैं और दूसरे की राह ताकते रहते हैं कि कोई दूसरा उसका काम कर ही देगा। दूसरे वे जो उस काम को करना चाहते हैं और शुरू भी करते हैं, लेकिन किसी कठिनाई के सामने आते ही उसे छोडकर पीछे लौट जाते हैं। यह जाने बगैर कि इसका अंजाम क्या होगा। तीसरे वे जो काम शुरू करने से पहले दस बार सोचते हैं, लेकिन जब सोच लेते हैं तो फिर काम खत्म करके और उसका परिणाम लेकर ही दम लेते हैं। इन्हें सर्वश्रेष्ठ कहा जाता है। मेरा मानना है कि ऐसे लोगों से भगवान भी पूछते हैं कि बताओ आपकी इच्छा क्या है, मैं उसे पूरी करता हूं।

हालांकि ऐसा बनना आसान नहीं है, क्योंकि इसके लिए आपको अपने हृदय में संकल्प शक्ति धारण करनी होगी। अब सवाल उठता है कि यह होगा कैसे? हम तो जीवन भर योजनाएं बनाते रहते हैं और करने के समय कुछ नहीं कर पाते हैं, जबकि हमें अपने जीवन के महत्व को समझना चाहिए और यह मानना चाहिए कि इस पृथ्वी पर हमारा जन्म लेना एक महत्वपूर्ण घटना है।

जनसेवा के फर्ज को पूरी ईमानदारी से निभाएंगे: डॉ अरविंद शर्मा

शिवाला मस्तनाथ मंदिर में कम्बल वितरण कार्यक्रम में मुख्यातिथि रहे कैबिनेट मंत्री

अर्थ प्रकाश संवाददाता

गोहाना। सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने मंगलवार को पुरानी सब्जी मंडी स्तिथ श्री सनातन धर्म मंदिर (शिवाला मस्तनाथ) में पुनः निर्मित शिव मंदिर व प्राण प्रतिष्ठा समारोह में मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने शाही महाकुंभ स्नान व मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वर्ष 1996 में आप लोगों ने निर्दलीय सांसद के नाते मुझे आशीर्वाद दिया और आज एक बार फिर मुझपर भरोसा रखते हुए अपना जनप्रतिनिधि चुना है। इसलिए आपके द्वारा दी गई ताकत के आधार पर ईमानदारी के साथ हर वर्ग की सेवा करूंगा। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि पूरी जनता का होता है। आपको नायब सिंह सैनी के तौर पर ऐसे मुख्यमंत्री मिले हैं, जो हर वक्त आपकी बेहतरी के लिए सोचते हैं। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 70 वर्ष आयु से अधिक के नागरिकों को आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य इलाज निशुल्क करवाने का अवसर दिया है। इसलिए संस्था पदाधिकारी अपने आसपास पात्रों को इसका लाभ लेने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कार्यक्रम में जरूरतमंद महिला-पुरुषों को कम्बल वितरित किए। इस अवसर पर मंदिर समिति प्रधान प्रवीण गोयल, नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन सुनील मेहता, सचिव वीरेंद्र जैन, संरक्षक ओडी शर्मा, रामधन भारतीय, अशोक जैन, गोविंद गोयल, रामनिवास सैनी, अरुण सैनी, बलजीत दांगी, गुलशन नागर, नरेंद्र बंसल, सुरेंद्र कश्यप, मुकेश देवगन, श्यामलाल, सुशील बंसल, सत्यनारायण मित्तल आदि उपस्थित रहे।

सत्संग के साथ जुड़ने से मन को बल प्राप्त होता है

एक बार एक सन्त ने दूसरे महापुरुष से पूछा कि काफी दिनों से संगतें कर रहा हूँ, लेकिन मुझ में तो गुण नही आए। उस सन्त महापुरुष ने एक बांस की टोकरी उस व्यक्ति को थमा दी और बोला, इसमें पानी भर लाओ। वह उस टोकरी को नदी में डाले और जब निकाले तो पानी उसमें टिके ही नहीं। अगले दिन व्यक्ति फिर गया और सन्त से पूछा कि उसमें पानी कैसे भरे, इसमें तो अनेक छेद हैं। सन्त बोला ?कि तेरी भी यही हालत है। तू भी नित्य साध्ण संगत करता है, लेकिन तेरे में ये गुण नहीं आ पा रहे हैं। जैसे तुमने ये खुद ही सिद्ध करके बता दिया कि इस टोकरी में भी पानी नहीं भर रहा है। निरन्तर पानी में इसे डालता हूँ और पानी से बाहर निकालता हूँ, लेकिन पानी नहीं भर रहा है। तू इतने दिनों से जाकर टोकरी पानी में डालता है, निकालता है, तुझे कोई फर्क नज़र नहीं आया? व्यक्ति बोला, एक फर्क मुझे अवश्य नज़रआया है। पहले उस टोकरी के साथ मिट्टी जमी होती थी, अब कम से कम ये टोकरी बिल्कुल साफ दिखाई देती है। इसके ऊपर कोई गन्दगी नहीं दिखती। इतनी उज्ज्वल यह टोकरी हो गई है। सन्त ने समझया कि अगर इसी तरह से पानी में निरन्तर डालते जाओगे, तो यह बांस एक दिन फूल जायेंगे। फूल कर यह जो अन्तर (गैप) है, ये जो छेद हैं, ये भी भर आएंगे, और टोकरी में पानी भर जाएगा, पानी टिक जाएगा।

इसी तरह से जो निरन्तर साध

सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज

संगत करते हैं, उनके जीवन में भी ऐसा निखार आता हे और वे भी गुणी बन जाते हैं। इसे अगरकोई फिजूल की बात मान लेता है, तो वह वास्तव में अपने आप के साथ ही धोका कर करके अपना ही नुकसान कर रहा होता है।

कोई इंसान कितना ही बुरे से बुरे काम करने वाला हो, लेकिन अगर संगत में आकर प्रभु-चर्चा ध्यान से सुनेगा, तो उसका जीवन अवश्य बदल जायेगा। अगर संगत में आकर भी कोई इंसान महापुरुषों के वचनों को सुना-अनसुना कर देता है, तो उसको कोई प्राप्ति नहीं हो पाती। उसके मन की मैल उसी तरह बनी रहती है। जो महापुरुषों की आवाज को सुनकर उसे धारण कर लेते हैं, वो अपने इस जीवन को सफल बना लेते हैं।

संगत के साथ जुड़ने से मन को बल प्राप्त होता है। मन विश्वासी बनता है और निर्मल हो जाता है। साध संगत जिसको भी प्राप्त होती है उसे बड़े ही भागों वाला गिना जाता है।

पंचांग

बुधवार, 15 जनवरी, 2025, सूर्योदयः 07:15 ए एम, सूर्यास्तः 05:46 पी एम, चन्द्रोदयः 07:12 पी एम, चन्द्रास्तः 08:25 ए एम, शक सम्वतः 1946 क्रोधी, विक्रम सम्वतः 2081 पिङ्गल, गुजराती सम्वतः 2081 नल, अमान्त महीनाः पौष, पूर्णिमान्त महीनाः माघ, वारः बुधवार, पक्षः कृष्ण पक्ष, तिथिः द्वितीया - 03:23 ए एम, जनवरी 16 तक, नक्षत्रः पुष्य - 10:28 ए एम तक, योगः प्रीति - 01:47 ए एम, जनवरी 16 तक, करणः तैतिल - 03:17 पी एम तक, द्वितीय करणः गर - 03:23 ए एम, जनवरी 16 तक, सूर्य राशिः मकर, चन्द्र राशिः कर्क, राहुकालः 12:31 पी एम से 01:50 पी एम, गुलिक कालः 11:12 ए एम से 12:31 पी एम, यमगण्डः 08:34 ए एम से 09:53 ए एमः अभिजित मुहूर्तः कोई नहीं, दुर्मुहूर्तः 12:10 पी एम से 12:52 पी एम, वर्ज्यः 11:42 पी एम से 01:21 ए एम, जनवरी 16

भविष्य फल

मेषः सकारात्मक विचारों को ही दिमाग में आने दें। जल्दबाजी में निवेश न करें अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुकसान हो सकता है।

वृषः आज आपका मन आपको आगे बढ़ने को प्रेरित करेगा। आज हर कदम पर जीवन में आपको खुशी तलाशने का अवसर मिलेगा।

मिथुनः कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के जरिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली-भांति जाँच-पड़ताल कर लें।

कर्कः शाम को परिवार वालों के साथ अच्छा टाइम बिताने का मौका मिलेगा, कहीं घूमने जा सकते हैं।

सिंहः किसी सृजनात्मक काम में खुद को व्यस्त रखना बेहतर रहेगा। हँसी-मजाक में कही गयी बातों को लेकर किसी पर शक करने से बचें।

कन्याः आज आपका दिन पॉजिटिविटी से भरा रहेगा, आपकी सभी परेशानियों से आपको आज छुटकारा मिलेगा।

तुलाः जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके जरिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। अगर बातचीत और चर्चा आपके मुताबिक न हो, तो आप नाराजगी में कड़वी बातें कह सकते हैं।

वृश्चिकः आज किसी बात पर दोस्त के साथ थोड़ी अनबन हो सकती है। स्वास्थ्य के प्रति आज आपको थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है।

धनुः जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके जरिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। घरेलू मामलों पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है।

मकरः आज आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं। पुराने रुके हुए काम आज पूरे हो जाएंगे, आपको सच्ची लगन से प्रयास करना होगा।

कुंभः गाड़ी चलाते समय सावधान रहें। नहीं तो किसी और की गलती का खामियाजा आपको भुगतना पड़ सकता है।

मीनः आज किसी अनजान शख्स की वजह से आपके और आपके दोस्त में अनबन हो सकती है।

पैंशनधारकों की पेंशन वेरिफाई करने के लिए कैंप का आयोजन आज

अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय में स्थित अंतोदय भवन में आयोजित होंगे

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि नगर निगम क्षेत्र के पेंशनधारकों की पेंशन को वेरिफाई करने के लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा वार्ड अनुसार आयोजित किए गए कैंपों में जो पेशनधारक अपनी पेंशन की वेरिफिकेशन नहीं करवा पाया है उसे दोबारा मौका दिया गया है। उन्होंने बताया कि वार्ड 01 व 02 के लिए 15 जनवरी, वार्ड 03 व 04 के लिए 16 जनवरी, वार्ड 05 व 06 के लिए 17 जनवरी, वार्ड 07 व 08 के लिए 21 जनवरी, वार्ड 09 व 10 के लिए 22 जनवरी, वार्ड 11 व 12 के लिए 23 जनवरी, वार्ड 13 व 14 के लिए 24 जनवरी, वार्ड 15 व 16 के लिए 27 जनवरी, वार्ड 17 व 18 के लिए 28 जनवरी तथा वार्ड 19 व 20 के लिए 29 जनवरी को अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय स्थित अंतोदय भवन में कैंप आयोजित किए जाएंगे।

उपायुक्त ने नगर निगम सोनीपत क्षेत्र के पेंशनधारकों का आह्वान किया कि जिन पेंशनधारकों ने अपनी पेंशन को वेरिफाई नहीं करवाया है वे संबंधित तिथि अनुसार कैंप में पहुंचकर अपनी पेंशन को अवश्य वेरिफाई करवाएं ताकि उन्हें भविष्य में किसी प्रकार की समस्या न हो।

कबड्डी का खेल हमारे हरियाणा की पहचान: राजेश नागर

पलवल के गांव कुशक भवाना में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में शामिल हुए

अर्थ प्रकाश/दयाराम वशिष्ठ

फरीदाबाद। हरियाणा सरकार के मंत्री राजेश नागर ने आज पलवल के गांव भवाना में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में शिरकत की और खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाया।

इस अवसर पर मंत्री राजेश नागर ने कहा कि कबड्डी हमारे हरियाणा की पहचान है। कबड्डी एक तरफ हमारे युवाओं को खेल के साथ जोड़कर उनके तन मन को दुरुस्त रखती है। वहीं वह हमारी सांस्कृतिक पहचान को भी अक्षुण रखती है। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से आज युवा करियर बना रहा है वहीं नौकरी और पैसे भी कमा रहा है। नागर ने कहा कि हरियाणा की सरकार पूरे देश में सर्वाधिक सर्वाधिक इनाम देने वाली प्रदेश सरकार है। हरियाणा के खिलाड़ी आज देश दुनिया में नाम रोशन कर रहे हैं।

उन्होंने युवा खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया और कहा कि वह खेलों को अपने जीवन में अपनाएं और सभी प्रकार के नशे से दूर रहें। उन्होंने कहा कि जो खिलाड़ी अपना जीवन खेल में लगाता है वह पूरी तरह से नशे से दूर हो जाता है और उसके अंदर आपसी एकता भाईचारे की भावना भी प्रबल हो जाती है। इस प्रकार हम खेल में शामिल होकर

देश को और समाज को एकता के सूत्र में बांध रहे हैं और मजबूती प्रदान कर रहे हैं।

उन्होंने आयोजकों को भी सुंदर आयोजन पर बधाई दी और भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन किए जाने पर बल दिया। मंत्री राजेश नागर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा तेजी से आगे बढ़ रहा है। यहां खेल, विकास, शिक्षा सभी क्षेत्रों में हम तरक्की के नए सोपान रच रहे हैं। वहीं समाज के हर वर्ग को शासकीय लाभ दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा हर वर्ग की खुशहाली के लिए काम कर रही है। यही कारण है कि हरियाणा की जनता ने तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नारायण सिंह सैनी की सरकार को चुनकर अपने इरादे जता दिए हैं।

इस अवसर पर दादा रामेश्वर, उमेश पार्षद, सिंगर एम सी स्क्वायर, जयसिंह सरपंच, सुखबीर बैंसला, रघुराज नागर, बुल्ली ठेकेदार, धर्मेंद्र सरपंच, पवन जाखड़ सरपंच, योगेश सरपंच, बल्लू सरपंच, बिट्टू सरपंच, शेर सिंह चेयरमैन, केशव पहलवान, सुभाष पहलवान, धर्मेंद्र वकील, पार्षद महेंद्र भड़ाना, अजब चंदीला, एस डी पोसवाल, रमेश बैंसला, दयानंद नागर व अन्य मौजूद रहे।

महेश नागर का कुशलक्षेम जानने उनके निवास पर पहुंचे राबर्ट वाड्रा

अर्थ प्रकाश/दयाराम वशिष्ठ

फरीदाबाद। लोकसभा सांसद एवं कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के पति राबर्ट वाड्रा आज तिगांव विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक ललित नागर व महेश नागर के सेक्टर-17 स्थित निवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने पिछले काफी समय से अस्वस्थ्य चल रहे महेश नागर का हालचाल जाना। इस दौरान रॉबर्ट वाड्रा ने पूरे परिवार से मुलाकात की और करीब आधा घण्टा उनके निवास पर बिताया।

इस मौके पर रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि महेश नागर व ललित नागर उनके पारिवारिक सदस्य है और परिवार के करीबी होने के चलते ही आज वह उनका हाल चाल जानने पहुंचे है। उन्होंने महेश नागर की हौंसला अफजाई करते हुए कहा कि वह जिंदादिल इंसान है और उन्होंने हमेशा सामाजिक व

धार्मिक कार्यों में अपना जीवन बिताया है, ईश्वर उन्हें जल्द स्वस्थ्य करेगा और वह फिर से लोगों की सेवा में निस्वार्थ भाव से काम करेंगे। उन्होंने कहा कि मेरे साथ प्रियंका जी को भी आना था, लेकिन किसी काम में व्यस्त होने के कारण वह नहीं आ सकी और वह जल्द महेश नागर के स्वास्थ्य का हालचाल जानने आएगी। इस दौरान मनोज नागर, राजू नागर, नितिश नागर, अभिलाष नागर, अंकित नागर सहित पूरा नागर परिवार मौजूद था।

सोनीपत हाफ मैराथन को लेकर तैयारी तेज, मुरथल यूनिवर्सिटी से शुरू होगी दौड़: डॉ. मनोज कुमार

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। उपायुक्त डा. मनोज कुमार ने बताया कि जिला में 9 फरवरी को आयोजित होने वाली सोनीपत हाफ मैराथन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई हैं। मैराथन में 50 हजार से ज्यादा लोग शामिल होंगे। मैराथन में शहर के अधिक से अधिक संख्या में लोग शामिल हों इसलिए दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्विद्यालय मुरथल से मैराथन की शुरूआत होगी। उपायुक्त डा. मनोज कुमार मैराथन की तैयारियों को लेकर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दे रहे

थे।

उपायुक्त ने बताया कि मैराथन 21,10 और पांच किलोमीटर की आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि मैराथन में लाखों रुपये के ईनाम भी रखे गए हैं। उन्होंने बताया मैराथन में शहर के लोग अधिक से अधिक जुड़ें इसलिए इसका रूट शहर से अंदर से रखा गया है। मैराथन यूनिवर्सिटी से शुरू होकर मुरथल रोड होते हुए सेक्टर-14-15 मार्ग, महाराणा प्रताप चौक, बाईपास रोड, बहालगढ़ रोड, दीवान फार्म होते हुए सेक्टर के अंदर से जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां समय से पूरी करें। वहीं अतिरिक्त उपायुक्त अंकिता चौधरी ने मीटिंग के बाद मैराथन के रूट की तैयारियों का जायजा भी लिया। मीटिंग में अतिरिक्त उपायुक्त अंकिता चौधरी, एसडीएम अमित कुमार, डीआईपीआरओ राकेश गौतम, हरियाणा खेल विश्वविद्यालय राई के डीन योगेश कुमार,जिला खेल अधिकारी मनोज कुमार सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

सब्जी व अनाज आढ़तियों में मतभेद, काम काज प्रभावित

अर्थ प्रकाश/खुशविंदर धालीवाल

चंडीगढ़, 14 जनवरी। चंडीगढ़ फल व सब्जी मंडी सेक्टर 26 चंडीगढ़ के सब्जीयों में टमाटर के थोक विक्रेता आज कल दुविधा में है कि वह जाए तो जाए कहाँ क्योंकि उनके और अनाज के थोक विक्रेताओं के बीच में एक टकराव की स्थिति पैदा हो गई है। बात शुरू होती है अनाज के आरटीओ के लिए बनाया गया प्लेटफार्म कोरोना कल के बाद से ही टमाटर के थोक विक्रेताओं को बाकायदा 2 प्रतिशत फीस वसूलने के बाद मार्केट कमेटी सेक्टर 26 ने उन्हें अपनी कारोबारी गतिविधियां चलाने के लिए दिया हुआ है।

यहां आपको बता दें कि अनाज व धान की मंडी जो 10 साल पहले सेक्टर 26 से बचने का सेक्टर 39 में चली गई थी। लेकिन उनके आरती वहां जाने को तैयार नहीं है उन्होंने अपने अपने ऑफिस यही सेक्टर 26 में ही शोरूम में बना रखे हैं। टमाटर का व्यापार करने वाले आढती व वह को रात को 8:00 बजे से लेकर सुबह 7:08 बजे तक अपना यहां पर कारोबार करते हैं। पिछले एक हफ्ते से सर्दी ज्यादा पढ़ने की वजह से उनका कामकाज थोड़ा घटा दो घंटा लेट हो जाता है। और अनाज मंडी खुलने के वक्त तक यह प्लेटफॉर्म क्लियर नहीं हो पाता क्योंकि यहां पर अनाज के व्यापारी आढती हैं वह अपनी गाड़ियां यहां पर पार्क करने लग गए हैं। अरिहंत फ्रूट एंड वेजिटेबल संगठन के पदाधिकारी अनुसार 11 तारीख को का व्यापार करने वाले आरती आए तो उन्होंने टमाटर से भरे हुए ट्रक जबरदस्ती वहां से हटवा दिए उनके साथ धक्का मुक्की की और उनके वर्कों को इसको लेकर जब हमारे संवाददाता ने जब मार्केट कमेटी के सेफ्टी से बात की तो उन्होंने पंजाब एग्रीकल्चर प्रोड्यूसर्स मार्केट लाकर आर्टिकल्स तारा का हवाला देते हुए कहा कि प्लेटफार्म सिर्फ खरीद फॉक के लिए और ग्रीन मार्केट व फल सब्जी विक्रेताओं की कारोबार के लिए है ना की पार्किंग के लिए।

हम पिछले पांच साल से यहाँ मार्किट कमेटी की स्वकृति से फीस भर कर काम कर रहे है ये जगह पहले धान व गेहूं की ढूलाई के काम आती थी दस साल से ये किसी काम नहीं आ रही थी मार्किट कमेटी ने हमें दे दी। तीन दिन पहले ग्रेन मार्किट एसोसिएशन के कुछ पदाधिकारी आए और हमारे करिंदो को धमाकाया हमारे माल से भरे ट्रक भी जबरदस्ती यहाँ से बाहर निकाल दिए उस दिन टमाटर की बिक्री नहीं हो सकी हमारा काफी नुकसान हुआ हम प्रशासन व मार्किट कमेटी से न्याय की मांग करते है।

–कस्तूरी लाल शर्मा
सचिव अरिहंत सब्जी आढ़ती एसोसिएशन
मार्किट सेक्टर 26 चंडीगढ़

2020 से ये जगह हमें मार्किट कमेटी की तरफ से टमाटर ट्रेडिंग के लिए दी गई है जिसकी हम फीस भी भर रहे है रात को आठ बजे से हमारा काम शुरू होता है और सुबह आठ बजे तक नब्बे प्रतिशत खत्म हो जाता है फिर भी काम समेटते समेटते हमें दस बज जाते है। पिछले कोई पंद्रह दिन से ग्रेन मार्किट एसोसिएशन की तरफ से हमें परेशान किया जा रहा है हम पर दबाव बनाया जा रहा है हम ये जगह खाली करे यहाँ काम ना करे ये जगह ग्रेन मार्किट एसोसिएशन अपनी निजी पार्किंग के लिए उपयोग में लाना चाहती है जो सरासर गलत है

हरिओम खन्ना
टमाटर उत्पादक व व्यापारी
फल व सब्जी मंडी सेक्टर 26 चंडीगढ़

ग्रेन मार्किट एसोसिएशन का किसी से भी ना कौन झगड़ा हुआ है ना ही मतभेद हम बस ये चाहते है टमाटर व्यापारी अपना काम समय रहते खत्म करे सुबह पार्किंग की कोई दिक्कत ना ही सारी जगह गंदगी से भरी रहती है टमाटर के क्रेट इधर उधर बड़ी मात्रा में पड़े रहते जिसकी वजह से ग्राहकों का आना भी कम हुआ है

मोहित सूद
प्रधान ग्रेन मार्किट एसोसिएशन

पंजाब खेतिबाड़ी उत्पादक कानून के अनुच्छेद सतरह के तहत सेक्टर 26 की अनाज, सब्जी व फल मार्किट के सारे कार्य स्थल केवल क्रय विक्रय के लिए है जिनमे गेहूं व धान ढूलाई प्लेटफॉर्म भी आता है जब तक सेक्टर 26 से अनाज व धान का क्रय विक्रय सेक्टर 39 की धान मंडी में हुआ है ये प्लेटफार्म निष्क्रिय था कोरोना काल के बाद से ही ये प्लेटफार्म टमाटर व्यापारियों को काम करने को दिया हुआ है जिसकी बाकायदा फीस वसूली जाती है द्य यहाँ किसी भी प्रकार का अतिक्रमण मान्य नहीं चाहे वो वाहनों से हो या अन्य किसी भी प्रकार से

–राजिंन्द्र कुमार
सचिव मार्किट कमेटी सेक्टर 26 चंडीगढ़

पुलिस ने एक्टिवा चोरी कर घूम रहे दो आरोपियों को किया काबू

अर्थ प्रकाश/रंजीत शम्मी

चंडीगढ़, 14 जनवरी। थाना 19 पुलिस ने एक्टिवा स्कूटर चोरी कर घूम रहे दो आरोपीयों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियो की पहचान गांव धनास के रहने वाले संजीव कुमार और दीपक के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया एक्टिवा स्कूटर भी बरामद कर लिया।

जानकारी के मुताबिक पता चला कि थाना पुलिस को गुप्त सूचना के आधार पर पता चला था कि चोरी किए एक्टिवा स्कूटर पर दो आरोपी एरिया में घूम रहे है। मामले को गंभीरता से लेते हुए और चंडीगढ़ पुलिस के आला अधिकारियों के दिशा निर्देशों के चलते थाना 19 की प्रभारी इंस्पेक्टर ऊषा रानी की टीम ने आरोपियो को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो मामले का खुलासा हुआ।

पुलिस ने तुरंत उन्हे गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के मुताबिक पकड़े गए आरोपी संजीव के खिलाफ अलग अलग थानों में कई मामले दर्ज पाए गए। जबकि आरोपी दीपक के खिलाफ एक मामला दर्ज पाया गया है। पकड़े गए आरोपियो को पुलिस ने जिला अदालत में पेश किया। अदालत ने आरोपियो को न्यायकि हिरासत में भेज दिया।

अधिकारियों के लिए 13 लाख रुपए की लागत से बनेगा वीआईपी मोबाइल टायलेट

- लग्ज़री सुविधाओं से लैस होगा पहला ऐसा मोबाइल टायलेट
- प्रशासन ने टेंडर निकालकर 20 जनवरी तक मांगी बिड

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 14 जनवरी। प्रशासन की ओर से अधिकारियों के लिए लग्ज़री सुविधाओं से लैस वीआईपी मोबाइल टायलेट बनवाया जा रहा है जिसका प्रयोग फील्ड में अधिकारियों के लिए किया जाएगा। वीआईपी मोबाइल टायलेट बनने पर प्रशासन 13 लाख रुपए का भारी भरकम खर्च कर रहा है।

जन स्वास्थ्य विभाग की ओर से इसका टेंडर भी निकाल दिया गया है। इस तरह का वीआईपी मोबाइल टायलेट चंडीगढ़ में पहली बार अधिकारियों के लिए बनाया जा रहा है। सेकंड इनिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष आर के गर्ग ने इस पर घोर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि इस तरह की फिजूल खर्ची करने का क्या फायदा? प्रशासन के आला अधिकारी जब भी शहर में किसी कार्यक्रम में जाते हैं तो अधिकतर थोड़ी देर के कार्यक्रम ही होते हैं। ऐसा लग्जरी मोबाइल टायलेट कौन अधिकारी प्रयोग करेगा? इतनी बड़ी राशि से तो आम लोगों के लिए कई मोबाइल टायलेट बनाए जा सकते हैं जो कि शहर को स्वच्छ बनाने में अहम योगदान दे सकते है। प्रशासन की ओर से जो 13 लाख रुपए की लागत का टेंडर निकाला गया है उसके तहत 20 जनवरी तक ठेकेदारों से बिड मांगी गई है।

टेंडर में वीआईपी मोबाइल टायलेट बनाने के लिए दो माह का समय दिया गया है। यह हाई-टेक और लग्ज़री टायलेट आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, जिसमें , प्रीमियम फिटिंग्स, सेंसर-आधारित वाटर सिस्टम, और स्वचालित हाइजीन मैनेजमेंट जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। इस टायलेट का उपयोग विशेष रूप से वीआईपी कार्यक्रमों और अन्य आयोजनों के दौरान किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, यह अपने तरह का पहला वीआईपी मोबाइल टायलेट होगा, जो न केवल अत्याधुनिक होगा, बल्कि इसे डिजाइन और गुणवत्ता में भी खास बनाया जाएगा।

हालांकि, इस पर होने वाले खर्च को लेकर सवाल उठने लगे हैं। कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने इस पर आपत्ति जताई है और कहा है कि इतनी बड़ी राशि सार्वजनिक कल्याण या बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए खर्च की जा सकती थी। प्रशासन ने तर्क दिया है कि यह टायलेट वीआईपी आयोजनों के दौरान सुविधाजनक व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए बनाया जा रहा है।

हरियाणा के स्कूलों में पढ़ाया जाएगा महाराजा सूरजमल का इतिहास

- सरकार ने जारी की अधिसूचना, फैसले से जाट समुदाय सकते में
- हरियाणा के फैसले का दिल्ली चुनाव पर होगा असर

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 14 जनवरी। हरियाणा सरकार ने एक बड़ा फैसला लेते हुए स्कूली पाठ्यक्रम में भरतपुर के महाराजा सूरजमल का इतिहास शामिल किया है। सरकार ने यह इतिहास आठवीं कक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल करने को लेकर अधिसूचना जारी की है। दिल्ली चुनाव के मद्देनजर हरियाणा में हुए इस फैसले का बड़ा राजनीतिक महत्व माना जा रहा है। दिल्ली चुनाव में जाट आरक्षण को लेकर भी चर्चा चल रही है।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सिरसा के फूलकां गांव में 24 दिसंबर को भारतीय जाट विकास मंच के बैनर तले महाराजा सूरजमल के बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां भारतीय जाट विकास मंच ने मांग उठाई थी कि अन्य महापुरुषों की भांति हिंदू ह्रदय सम्राट महाराजा सूरजमल की जीवनी को भी स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए।

हरियाणा में जाट समाज की आबादी करीब 22.2 प्रतिशत है। इसके अलावा, राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पंजाब में भी जाट समाज के लोग रहते हैं।

महाराजा सूरजमल का इतिहास पढ़ाए जाने की मंजूरी पर भरतपुर राजपरिवार के वंशज व पूर्व कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने भी हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया है।

हरियाणा में रोहतक, सोनीपत, कैथल, पानीपत, जींद, सिरसा, झज्जर, फतेहाबाद, हिसार और भिवानी जिलों की करीब 35 विधानसभा सीट जाट बाहुल्य सीटें हैं। दिल्ली में हरियाणा से सटी महरौली, नजफगढ़, बिजवासन, पालम, मटियाला, विकासपुरी, नांगलोई जाट, नरेला, रिठाला और मुंडका आदि सीटें ऐसी हैं जहां जाट समाज का दबदबा है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी सत्ता में आने के बाद लगातार जाटों के बीच सक्रियता बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। सीएम सैनी गुरुग्राम में जाट कल्याण सभा के भवन का शिलान्यास कर चुके हैं। इसके बाद उन्होंने हिसार में दानवीर सेठ छाजूराम की जयंती पर हिसार के जाट शिक्षण संस्थान के शताब्दी समारोह में भाग लिया।

हरियाणा कैबिनेट सात फरवरी को लगाएगी कुंभ में डुबकी

चंडीगढ़ (अप्रस)। हरियाणा की नायब सरकार भी उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में डुबकी लगाएगी। सरकार के प्रयागराज जाने का कार्यक्रम तय हो गया है। सरकार की कोशिश मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में पूरी कैबिनेट को महाकुंभ में लेकर जाने की है। हालांकि अगर मंत्री, सांसद और विधायक अगर अपने हिसाब से महाकुंभ में जाना चाहेंगे तो वे अपने स्तर पर अकेले या परिवार के साथ भी महाकुंभ में जा सकेंगे। सीएम नायब सिंह सैनी का फिलहाल सात फरवरी को महाकुंभ में जाने का प्लान है। प्रयागराज महाकुंभ 13 जनवरी से शुरू हुआ है और 26 फरवरी तक चलेगा। हरियाणा से भी हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के प्रयागराज जाने का अनुमान है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने 30 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को महाकुंभ में लेकर जाने का कार्यक्रम बनाया है। हालांकि प्रदेश से महाकुंभ में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लाखों में हो सकती है। सीएमओ (मुख्यमंत्री कार्यालय) द्वारा हरियाणा कैबिनेट के प्रयागराज कार्यक्रम को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। महाकुंभ में हरियाणा के श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी ना हो, इसके लिए प्रशासन बंदोबस्त करने में जुटा है। इधर, यूपी विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना की ओर से हरियाणा के स्पीकर हरविन्द्र कल्याण को भी महाकुंभ का विशेष न्योता भेजा है।

अर्थ प्रकाश न्यूज पेपर्स के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक महावीर जैन द्वारा 'अर्थ प्रकाश प्रेस' से मुद्रित एवं प्रकाशित तथा अर्थ प्रकाश कार्यालय अर्थ प्रकाश भवन, सैक्टर 29-डी, चण्डीगढ़ से जारी। प्रधान सम्पादक : **महावीर जैन,** सम्पादक एवं मुख्य संवाददाता **कैलाश चन्द जैन**
आर.एन.आई. पंजीक्रम : **42427/86** डाक पंजीक्रम : **G/CHD/0197/2021-23** फोन : 0172-2652743, 2638515, फैक्स 2653533 E-mail : arthparkash@gmail.com, arthparkashnews@gmail.com मुख्य सलाहकार : **हरीश चंद्र जैन,** एचसीएस (सेवानिवृत्त)